डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, पंजीयन क्र. 6/06/2022 वर्ष 12 अंक 12 वर्ष-39 अंक-13 मूल्य ₹ 00.00

पेसा एक्ट का भाव संसाधनों के मूल स्वामी के अधिकारों का संरक्षण - राज्यपाल

राज्यपाल की पेसा एक्ट के प्रावधानों पर छः विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा

भोपाल, पेसा एक्ट का भाव संसाधनों के मूल स्वामी के अधिकारों का संरक्षण करना है। अधिकारियों से अपेक्षा है कि एक्ट के प्रावधानों में इसी भावना के अनुरूप व्यवस्थाएं की जायें। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में पेसा एक्ट के प्रावधानों पर जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन और संबंधित छः विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान कहीं। बैठक दो सत्रों में हुई। प्रथम सत्र में वन, अनुसूचित जाति कल्याण और जनजातीय कार्य विभाग, दूसरे सत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्कूल शिक्षा और महिला-बाल विकास विभाग से संबंधित प्रावधानों पर विचार-विमर्श किया गया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भोपाल में पेसा एक्ट के प्रावधानों पर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए।

राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय समाज वनों का संरक्षक है। अधिकांशतः जहां जनजातीय आबादी है, वहीं वन सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि जनजाति बहुल विकास खंड में सभी विभागों की गतिविधियों में जनजाति हितों के संरक्षण की समुचित व्यवस्थाएं की जानी चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल के समक्ष संबंधित विभाग द्वारा पेसा एक्ट संबंधी प्रावधानों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

प्रथम सत्र में वन मंत्री श्री कुंवर विजय शाह, जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, प्रमुख सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, प्रभारी प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ श्री पुष्कर सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक विकास श्री चितरंजन त्यागी द्वितीय सत्र में अपर मुख्य सचिव महिला एवं बाल विकास श्री अशोक शाह, सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. सुदाम खाड़े, आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभय वर्मा, संचालक महिला एवं बाल विकास डॉ. रामाराव भोसले, संचालक शिक्षा श्री ए.के. द्विवेदी एवं अन्य उपस्थित थे।

पंचायत निर्वाचन-2022

बिजली बिल बकाया नहीं होने का देना होगा अदेय प्रमाण-पत्र

भोपाल, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि राज्य स्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और पंच पद के अभ्यर्थियों को नाम निर्देशन-पत्र के साथ, बिजली बिल बकाया नहीं होने और जिला तथा जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत में बकाया नहीं होने के संबंध में अदेय प्रमाण-पत्र देना होगा।

आरक्षित वर्ग का सदस्य होने की दशा में मध्यप्रदेश शासन के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण-पत्र भी देना होगा। यह जानकारी संवीक्षा की नियत तारीख एवं समय के पहले देना जरूरी है।

अभ्यर्थियों को आपराधिक रिकॉर्ड, आपत्तियों, दायित्वों और शैक्षणिक योग्यता के संबंध में भी शपथ-पत्र/घोषणा-पत्र देना होगा।

जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य और सरपंच पद के अभ्यर्थियों को शपथ-पत्र में स्वयं, पति/पत्नी और आश्रितों की आयकर विवरणी में दर्शित कुल आय, चल-अचल संपत्ति का विवरण, सार्वजनिक एवं वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति देनदारियों का ब्यौरा देना होगा। अभ्यर्थी को पंचायत तथा किसी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण और शौचालय के संबंध में भी शपथ-पत्र देना होगा।

खास खबर

राज्यसभा के लिये प्रदेश के तीनों प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल, रिटर्निंग ऑफिसर राज्यसभा निर्वाचन मध्यप्रदेश ने द्विवार्षिक निर्वाचन के लिये राज्यसभा की तीनों सीटों के प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया है।

निर्वाचनों का संचालन नियम-1961 अनुसार भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कविता, निवासी 1464 आनंद नगर, शासकीय कॉलेज के समीप, डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) इंदौर, इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी विवेक कृष्ण तन्खा, निवासी 842 नार्थ सिविल लाईन जबलपुर और भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी सुमित्रा, निवासी 409 उदयन गैस कम्पनी रांझी अम्बेडकर वार्ड, रांझी, जबलपुर को सम्यक रूप से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है।

राज्यसभा के उक्त तीनों सदस्य उन तीनों सदस्यों के स्थानों को भरेंगे, जो अपनी पदावधि के अवसान पर 29 जून 2022 को निवृत्त हो रहे हैं।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन

मतदाता जागरूकता अभियान में सहयोग के लिए बनेंगे कैम्पस एम्बेसडर

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बंसत प्रताप सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन-2022 के लिये मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने, मतदान की अपील तथा आयोग द्वारा किये गये नवाचारों की जानकारी देने के लिये 'मतदाता जागरूकता अभियान' प्रारंभ करें। मतदाताओं को प्रेरित/जागरूक करने के लिये स्थानीय महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों से कुछ विद्यार्थियों को, जो कि नेतृत्व प्रदान कर सकते हैं, को कैम्पस एम्बेसडर नियुक्त किया जाये।

कैम्पस एम्बेसडर का चयन जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनकी निष्पक्ष, स्वच्छ एवं गैर राजनैतिक छवि को चिन्हित कर किया जाये। कैम्पस एम्बेसडर का चयन महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के प्राचार्य, उप कुलपति द्वारा प्रदान की गई सूची के आधार पर किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी अपने स्तर पर एन.सी.सी./एन.एस.एस. के सहयोग से भी नियुक्ति कर सकते हैं। कैम्पस एम्बेसडर का चयन केवल एक शैक्षणिक सत्र के लिए किया जायेगा। सह-शिक्षा महाविद्यालयों में 2 कैम्पस एम्बेसडर (एक छात्र एवं एक छात्रा) का चयन किया जायेगा।

कैम्पस एम्बेसडर की सम्बद्धता किसी भी राजनैतिक दल या उनकी संलग्नता किसी राजनैतिक गतिविधि में नहीं होनी चाहिए। कैम्पस एम्बेसडर के परिवार का संबंध किसी भी राजनैतिक दल या राजनैतिक गतिविधि से नहीं होना चाहिए।

कैम्पस एम्बेसडर दायित्वपूर्ण व्यवहार करें एवं किसी भी तरह की अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त न हों। इस संबंध में संस्था प्रमुख कैम्पस एम्बेसडर से एक घोषणा-पत्र प्राप्त करेंगे। कैम्पस एम्बेसडर के विरुद्ध आचरण एवं व्यवहार संबंधी किसी भी तरह की शिकायत प्राप्त होने की स्थिति में संस्था प्रमुख तत्काल जांच कर उपयुक्त कार्यवाही करेंगे। प्रत्येक कैम्पस एम्बेसडर का पुलिस सत्यापन जिला प्रशासन द्वारा किया जाना अनिवार्य होगा।

कैम्पस एम्बेसडर मतदाताओं को मतदान की प्रक्रिया तिथियों तथा आयोग द्वारा किये गये विभिन्न नवाचारों आदि की जानकारी देंगे। स्काउट-गाईड, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) एवं अशासकीय संगठनों (NGO) के साथ समन्वय कर मतदाता जागरूकता में उनका सहयोग प्राप्त करेंगे। मतदाता जागरूकता अभियान (SENSE) की गतिविधियों के संचालन के लिये सक्रिय सदस्यों का एक दल बनाकर मतदाताओं को जागरूक करेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी कैम्पस एम्बेसडर की नियुक्ति के पश्चात उन्हें उनकी भूमिका, दायित्वों, उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों, गतिविधियों, लक्ष्यों, संभावित उपलब्धियों तथा कार्य योजनाओं से अवगत कराएंगे तथा उन्हें संक्षिप्त प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी कैम्पस एम्बेसडर को मतदाता जागरूकता अभियान कार्य के लिये यथायोग्य सामग्री, मार्गदर्शन एवं सहयोग देंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी समय-समय पर सम्पन्न की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का आकलन करेंगे एवं प्रतिवेदन प्राप्त करेंगे। SENSE की गतिविधियों के लिए नियुक्त किये गये नोडल अधिकारी समय-समय पर प्रतिवेदन (फोटोग्राफ्स सहित) आयोग को भेजेंगे।

समय पर उपलब्ध करायें मतपत्र के लिए कागज : राज्य निर्वाचन आयुक्त

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह भोपाल में पंचायत निर्वाचन के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए।

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने राज्य निर्वाचन आयोग में हुई बैठक में पंचायत निर्वाचन के लिए छपने वाले मत-पत्रों के लिए कागज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

श्री सिंह ने कहा कि नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए समय पर मतपत्र मुद्रण की सुनियोजित कार्य-योजना बना लें। श्री सिंह ने कहा कि त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन में मतपत्र मुद्रण के लिए लगभग 575 टन कागज की आवश्यकता होगी।

प्रमुख सचिव राजस्व श्री मनीष रस्तोगी ने कहा कि पंच, सरपंच, जनपद पंचायत और जिला पंचायत सदस्य के लिए मतपत्रों की छपाई के लिए समय पर निर्धारित कलर के पेपर उपलब्ध करा दिये जायेंगे। उन्होंने बताया कि 8 प्रकार के लिफाफों का मुद्रण भी समय-सीमा में कर लिया जायेगा।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह, उप सचिव श्री अरूण परमार और श्रीमती अजीजा सरशार जफर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जल्द करें मतगणना स्थल एवं स्ट्रांग रूम का चयन

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पंचायतों तथा नगरीय निकायों के निर्वाचन के लिये तत्काल पृथक-पृथक मतगणना स्थल एवं अस्थाई स्ट्रांग रूम का चयन करें। उन्होंने कहा है कि चयनित स्थल में आवश्यक व्यवस्थाएं कर आयोग को अवगत करायें।

उल्लेखनीय है कि पंचायतों के निर्वाचन मतपेटी में मत डालकर तथा नगरीय निकायों के निर्वाचन ईव्हीएम के द्वारा कराये जायेंगे।

कोविड संक्रमण से बचाव की सामग्री जिलों को उपलब्ध करायें

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने आयुक्त स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. सुदाम खाड़े के साथ कोविड-19 संक्रमण की वर्तमान स्थिति के संबंध में चर्चा की। श्री सिंह ने कहा कि स्थिति का आकलन कर जरूरत के अनुसार जिलों को कोविड संक्रमण से बचाव की सामग्री उपलब्ध करवायें।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

28 मई

नीट-2022 के लिये 18 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने कराया पंजीकरण

● देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिये आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता

सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के लिये इस वर्ष पंजीकरण कराने वाले उम्मीदवारों की संख्या 18 लाख से ज्यादा हो गई है। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.5 लाख ज्यादा है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अनुसार नीट-2022 परीक्षा के लिये इस बार लगभग 18.72 लाख उम्मीदवारों ने पंजीकरण करवाया है, इनमें से 10.64 लाख से अधिक उम्मीदवार लड़कियां हैं, जबकि 8.07 लाख से ज्यादा उम्मीदवार लड़के हैं। इस वर्ष पंजीकरण कराने वालों में 771 विदेशी, 910 अनिवासी भारतीय और 647 ओसीआई कार्ड धारक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि नीट परीक्षा 17 जुलाई को देशभर में 13 भाषाओं में आयोजित होगी।

● आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में सरकार ने ईंधन की कमी को दूर करने के लिये सार्वजनिक परिवहन (पब्लिक ट्रांसपोर्ट) दोबारा शुरू करने का फैसला किया है। श्रीलंका के परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री वंडुला गुणवर्धने ने कहा कि सरकार के इस फैसले से देश को आर्थिक संकट से छुटकारा मिल जायेगा। उन्होंने कहा कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस की कमी को पूरा करने के लिये अगर कोई सही कदम उठाया जा सकता है, तो वो यही है कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट को दोबारा शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिन रेलगाड़ियों का संचालन अभी नहीं हो रहा है, उन्हें भी एक महीने के अंदर दोबारा चालू किया जायेगा। साथ ही ट्रेनों की संख्या भी बढ़ाई जायेगी।

29 मई

अमेरिका बना भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

● भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। अमेरिका अब भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत के साथ व्यापार के मामले में अमेरिका ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 119.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में यह आंकड़ा 80.51 अरब डॉलर था। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत का अमेरिका को निर्यात भी 51.62 अरब डॉलर से बढ़कर 76.11 अरब डॉलर हो गया है। वहीं इस अवधि में अमेरिका से भारत का आयात भी बढ़कर 43.31 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार लगभग 115.42 अरब डॉलर का रहा है।

● भारतीय नौसेना ने गोदावरी श्रेणी के निर्देशित मिसाइल पोत आईएनएस गोमती को सेवा मुक्त कर दिया है। आईएनएस गोमती ने 34 वर्ष भारतीय नौसेना में अपनी सेवायें दी हैं। इस पोत को वर्ष 1988 में नौसेना में कमीशन किया गया था। आईएनएस गोमती ने कई बड़े ऑपरेशनों में भाग लिया है। राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा में आईएनएस गोमती के शानदार योगदान को देखते हुये इसे दो बार वर्ष 2007-08 और 2019-20 में प्रतिष्ठित यूनिट प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि आईएनएस गोमती को पश्चिमी बेड़े का सबसे बड़ा योद्धा भी कहा जाता है।

30 मई

सितम्बर से हर महीने शुरू होंगी चार वंदे भारत ट्रेनें

● देश में सितम्बर, 2022 से हर महीने चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी

दिखाई जायेगी। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय रेलवे पुरस्कार समारोह में यह घोषणा करते हुये कहा कि हम रेलवे को नई ऊंचाई और वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिये प्रतिवद्ध हैं। सितम्बर महीने से हर माह चार से पांच वंदे भारत ट्रेनों को शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि देश में बुलेट ट्रेनों का काम भी आगे बढ़ रहा है। रेलवे ने बताया कि वंदे भारत देश की पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन है। भारत में दो वंदे भारत ट्रेनें पहले से संचालित हैं। इनमें से एक नई दिल्ली-वाराणसी और दूसरी नई दिल्ली-वैष्णोदेवी कटरा के लिये संचालित की जा रही है। अगस्त, 2022 तक दो नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत होने वाली है। नई वंदे भारत ट्रेनों में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जायेगा। इन ट्रेनों में एक केंद्रीयकृत कोच निगरानी प्रणाली भी होगी।

● केंद्र सरकार विभिन्न सेवाओं में सुधार लाने के लिये लोगों का गैर-व्यक्तिगत डाटा जुटायेगी। इस डाटा का उपयोग निजी और सरकारी दोनों प्रकार के संस्थान कर सकेंगे। इसके लिये केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से ड्राफ्ट नेशनल डाटा गवर्नेंस फ्रेमवर्क जारी किया गया है। ड्राफ्ट पॉलिसी में इंडिया डाटा सेट्स प्रोग्राम का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें गैर-व्यक्तिगत डाटा एकत्र किया जायेगा। इस कार्यक्रम के जरिये इस डाटा तक निजी और सरकारी कंपनियों की पहुंच और उसके सुरक्षित इस्तेमाल से जुड़े नियम बनाये जायेंगे।

31 मई

कोरोना से अनाथ हुये बच्चों को प्रतिमाह मिलेंगे चार हजार रुपये

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुये बच्चों के लिये पीएम केयर्स फंड के तहत मिलने वाले लाभ जारी किये हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की विभीषिका के कारण अनाथ हुये बच्चों को रोजमर्रा के खर्च के लिये चार हजार रुपये प्रतिमाह दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इन बच्चों के माता-पिता की कमी पूरी नहीं कर सकते पर इन बच्चों के साथ देश की संवेदनायें हैं। श्री मोदी ने कहा कि इन बच्चों की 23 वर्ष की आयु पूरी होने पर उन्हें 10 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता भी मिलेगी। साथ ही इन बच्चों को आयुष्मान कार्ड से स्वास्थ्य बीमा और संवाद हेल्पलाइन से भावनात्मक परामर्श मिलेगा। सरकार इन्हें प्रोफेशनल कोर्स के लिये एजुकेशन लोन दिलाने में भी मदद करेगी। उल्लेखनीय है कि देश में लगभग 4700 से अधिक ऐसे बच्चे हैं, जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खो दिया था।

● नेपाल में एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यह विमान पोखरा से जोमसोम जा रहा था। विमान लामचे नदी के किनारे अचानक क्रैश हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी यात्रियों की मृत्यु हो गई। नेपाली मीडिया के अनुसार विमान का मलबा मस्तांग इलाके के कोबन में मिला है। यह एक पहाड़ी इलाका है। अभी तक 21 यात्रियों के शव बरामद हो चुके हैं। मृतकों में चार भारतीय भी शामिल हैं।

1 जून

आईसीएआई ने सीए कोर्स में बदलाव का ड्राफ्ट किया तैयार

● इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के बोर्ड ऑफ

स्टडीज ने सीए कोर्स में बदलाव का ड्राफ्ट तैयार किया है। इसमें आर्टिकलशिप की अवधि कम करने सहित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल किये गये हैं। अब तक आर्टिकलशिप तीन वर्ष की होती है, इसमें 156 छुट्टियां भी शामिल हैं अर्थात आर्टिकलशिप की अवधि ढाई वर्ष रहती है। नये बदलाव के तहत अब आर्टिकलशिप में केवल 24 छुट्टियां होंगी। अब दो वर्ष की आर्टिकलशिप खत्म करने के छह माह बाद विद्यार्थी फाइनल परीक्षा दे सकेंगे। नये ड्राफ्ट में फाइनल और इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रश्न-पत्रों की संख्या 8 से घटाकर 6 करने का प्रस्ताव भी किया।

● रक्षा मंत्रालय ने एमके-I मिसाइल प्रणाली हासिल करने के लिये 2971 करोड़ रुपये के एक सौदे को मंजूरी प्रदान की है। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिये सरकारी कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ समझौता किया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हवा से हवा में मार करने वाली इस मिसाइल प्रणाली और संबंधित उपकरणों का इस्तेमाल भारतीय वायुसेना और नौसेना करेंगी। भारतीय वायुसेना ने पहले ही इस मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण कर लिया है। इस मिसाइल प्रणाली को सुखोई-30 एमके-I से पूरी तरह जोड़ा गया है। इसे चरणबद्ध तरीके से अन्य युद्धक विमानों से भी संबद्ध किया जायेगा। भारतीय नौसेना इस मिसाइल प्रणाली को मिग-21 विमानों से जोड़ेगी।

2 जून

बीमा कंपनियां पूर्व मंजूरी लिये बिना लॉन्च कर सकेंगी उत्पाद

● बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों को बिना पूर्व

मंजूरी स्वास्थ्य एवं अन्य साधारण बीमा उत्पाद लॉन्च करने की मंजूरी दे दी है। इरडा ने कहा कि यूज एंड फाइल प्रक्रिया को सभी स्वास्थ्य बीमा उत्पादों के लिये लागू किया है। इरडा ने कहा कि इस कदम से बीमा क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग को बढ़ावा देते हुये सुधार की दिशा में सफलता मिलेगी। इस पहल से बीमा उद्योग तय समय में उपयुक्त उत्पाद लॉन्च करने में सक्षम होगा। इसके अलावा इरडा ने कैंसर सहित तीन बीमारियों से जुड़े हेल्थ इंश्योरेंस नियमों में बदलाव किये हैं। नये नियमों के अनुसार कैंसर पॉलिसी में ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और सरकोमा को शामिल किया गया है।

● भारतीय नौसेना की एयर स्क्वॉड्रन (आईएनएएस) 325 में स्वदेश निर्मित अत्याधुनिक एएलएच एमके-III हेलिकॉप्टरों को शामिल किया गया है। पोर्ट ब्लेयर में आईएनएस उत्क्रोश पर आयोजित एक भव्य समारोह में इन हेलिकॉप्टरों को नौसेना में शामिल किया गया। अंडमान निकोबार कमान के कमांडर इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अजय सिंह ने इस स्क्वॉड्रन को नौसेना में शामिल किया। नौसेना की ओर से बताया गया कि कई तरह की सेवाओं में काम करने वाले इस अत्याधुनिक स्वदेशी हल्के हेलिकॉप्टर को बेंगलुरू स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा विकसित किया गया है। ये हेलिकॉप्टर एडवांस एवियोनिक्स उपकरणों से लैस हैं। इनका इस्तेमाल समुद्री निगरानी और आपदा राहत के लिये किया जा सकता है।

3 जून

तालिबान शासन में पहली बार अफगानिस्तान पहुंचा भारतीय दल

● अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के कब्जे के बाद पहली बार भारत का एक उच्च स्तरीय दल काबुल पहुंचा। इस दल की अगुवाई विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री जे.पी. सिंह ने की। इस दौरान श्री सिंह ने तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुतक्की से मुलाकात की। भारत ने आधिकारिक तौर पर कहा कि यह भारत की तरफ से अफगानिस्तान में मानवीय आधार पर भेजी जा रही मदद की देख-रेख के लिये गया है। भारत की तरफ से इस बात का कोई संकेत नहीं है कि वह तालिबान की सरकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता दे रहा है। इस दौरान तालिबान ने भारत द्वारा भेजी गई मानवीय मदद का स्वागत किया है। तालिबान ने कहा कि भारत अपने दूतावास को फिर खोले और अफगानिस्तान में अपनी अधूरी परियोजनाओं पर काम फिर शुरू करे।

● चीन ने बांग्लादेश से सार्वजनिक तौर पर अमेरिका के अगुवाई वाले क्वाड समूह में शामिल नहीं होने का सुझाव दिया है। चीनी विदेश मंत्रालय में एशियाई मामलों के विभाग के महानिदेशक लिउ जिनसोंग ने बांग्लादेश के राजदूत महबूब उज जमां से कहा कि चीन मानता है कि बांग्लादेश समेत अन्य क्षेत्रीय देश अपने क्षेत्र के मूलभूत हितों का ध्यान रखेंगे और अपनी स्वतंत्रता बरकरार रखते हुये शीत युद्ध की मानसिकता और गुटबाजी की राजनीति को खारिज करेंगे। लिउ जिनसोंग ने कहा कि क्षेत्रीय देशों को सच्चे बहुपक्षवाद की रक्षा करनी चाहिये। उल्लेखनीय है कि क्वाड चार देशों का समूह है, जिसमें भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	13.36	18.70
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 23 06.06.2022 से 12.06.2022
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

बच्चों का कुपोषण खत्म करने जनांदोलन जरूरी

बच्चों में कुपोषण की समाप्ति और उनके स्वास्थ्य स्तर में सुधार कार्य के लिये जनांदोलन जरूरी है। प्रदेश में इसी उद्देश्य से जनसहयोग प्राप्त कर प्रयासों को गति दी जा रही है। कोरोनाकाल में सक्रिय रही क्राइसिक मैनेजमेंट समितियां, अंत्योदय समितियों के सदस्यों और स्वैच्छिक संगठनों की भागीदारी बढ़ाते हुये आंगनवाड़ियों के सक्षम बनाने के अभियान को गति प्रदान की जायेगी। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित मंत्रालय में शिशु-मातृ मृत्यु दर कम करने के संबंध में राज्य शासन द्वारा गठित टास्क फोर्स समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। टास्क फोर्स समिति ने मुख्यमंत्री के समक्ष अंतरिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर प्रजेंटेशन द्वारा किये गये अध्ययन की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि टास्क फोर्स द्वारा तैयार अंतरिम प्रतिवेदन समिति के सदस्यों द्वारा विस्तृत अध्ययन और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के भ्रमण के बाद तैयार किया गया है। इस प्रतिवेदन के प्रकाश में राज्य शासन स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और विषय विशेषज्ञों से परामर्श कर शीघ्र ही आवश्यक रोडमैप तैयार करेगा। जनभागीदारी से आवश्यक कार्ययोजना भी लागू की जायेगी। लाड़ली लक्ष्मी बेटियों द्वारा भी सामाजिक दायित्व वहन करने की मंशा व्यक्त की गई है। कुपोषण के कलंक से हमें मुक्ति पाना है। कुपोषण समाप्ति के कार्य में इन बेटियों का सहयोग भी प्राप्त किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों को सुविधायुक्त और सक्षम बनाने के लिये निरंतर जनसहयोग प्राप्त हो रहा है। भोपाल और इंदौर नगरों में आंगनवाड़ी केंद्रों के लिये न सिर्फ खिलौने बल्कि कूलर, पंखे, फर्नीचर, टी.वी. सेट, अध्ययन सामग्री, पुस्तकें और कम्प्यूटर सहित विभिन्न शिक्षण उपकरण प्रदान किये जा रहे हैं। आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, शासकीय सेवकों और स्वैच्छिक संगठनों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों के लिये पौष्टिक खाद्य पदार्थ और अनाज इत्यादि मुहैया करवाने के लिये भी जनता विशेषकर किसानों ने सहयोग का हाथ बढ़ाया है। सामाजिक स्तर पर आ रही जागृति उल्लेखनीय है। बच्चों के कुपोषण को समाप्त कर उनके स्वास्थ्य के स्तर को ऊंचा उठाने में मदद मिलेगी। टास्क फोर्स द्वारा बताया गया कि नीति आयोग द्वारा जारी की गई एसडीजी इंडिया इंडेक्स रिपोर्ट में मध्यप्रदेश को अच्छे प्रदर्शन वाले राज्यों की श्रेणी में रखा गया है, जो इस बात का परिचायक है कि राज्य ने स्वास्थ्य के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। प्रदेश में इस क्षेत्र में निरंतर प्रयास बढ़ाने की आवश्यकता है। टास्क फोर्स ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये शासन के उच्च स्तर के नियमित रूप से समीक्षा एवं निगरानी को आवश्यक बताया है। टास्क फोर्स के सदस्यों ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री ने बच्चों के कुपोषण को खत्म करने के लिये स्वयं सतत रूप से बैठकों में समीक्षा की है। टास्क फोर्स ने शिशु-मातृ कल्याण के क्षेत्र में अच्छे परिणाम के लिये भौतिक अधोसंरचना तथा मानव संसाधन में कमी को दूर करने, पोषण से संबंधित प्रयासों में शिशुओं के पूरक आहार, नियमित टीकाकरण, रोगों की रोकथाम, नवजात शिशुओं के लिये रेफरल परिवहन और ब्लड बैंक जैसी सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया है।

चूहों पर प्रयोग से जानेंगे इंसान युवा कैसे रहें

इंसान चाहता है कि वह लंबे समय तक युवा रहे। इसके लिये इंसान अनेक तरह के जतन भी करता है, लेकिन अब तक इसमें कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। इस पर लंबे समय से शोध भी किये जा रहे हैं। हाल ही में वैज्ञानिकों ने इंसानों को बूढ़े से युवा बनाने की दिशा में एक नया प्रयोग किया, जो काफी हद तक सफल रहा। हालांकि यह शोध इंसानों पर नहीं, वल्कि चूहों पर किया गया। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने युवा चूहे के फीकल माइक्रोब्स को बूढ़े चूहे में ट्रांसप्लांट किया, जिसके परिणाम आश्चर्यचकित करने वाले थे। शोध में बताया गया कि ऐसा करने से बूढ़े चूहे फिर से जवान हो गये। युवा चूहों से पुराने चूहों में फीकल माइक्रोब्स के ट्रांसप्लांट से बूढ़े चूहों की आंत, आंख और दिमाग में युवा चूहों जैसी क्षमता आ गई। इतना ही नहीं जब बूढ़े चूहों के फीकल माइक्रोब्स को युवा चूहों में ट्रांसप्लांट किया गया, तो युवा चूहों में बूढ़े चूहों जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। इनके दिमाग में सूजन बढ़ गई और जरूरी प्रोटीन में भी कमी पाई गई। शोध में कहा गया कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, हमारी आंतें कमजोर होने लगती हैं। इन प्रयोगों से पता चलता है कि आंत को लेकर बहुत कुछ किया जा सकता है। शोध में बताया गया कि यह प्रयोग इसलिये किया गया कि आंतों के माइक्रोबायोटा में हेर-फेर करने से उम्र से जुड़ी बीमारियों के बढ़ने पर असर पड़ता है। खासकर मस्तिष्क और रेटिना पर असर डालने वाली सूजन। वैज्ञानिकों के इस प्रयोग से आंत की परतों पर खासा असर दिखाई पड़ता है, जिससे बैक्टीरिया रक्त में जा सकता है, शोध में रेटिनल डिजनरेशन से जुड़े प्रोटीन का उच्च स्तर मिला और प्रतिरक्षा कोशिकाएं भी अति सक्रिय दिखाई दीं।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

पर्यावरण संरक्षण है जरूरी

पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिये पूरे विश्व में प्रतिवर्ष पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का संकल्प संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिये वर्ष 1972 में लिया था। उस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पांच से सोलह जून तक आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद प्रतिवर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाने का संकल्प लिया गया। पहला विश्व पर्यावरण दिवस विश्व में 5 जून, 1973 को मनाया गया था। वैश्विक सहभागिता के लिये आरम्भ में मुख्य आयोजन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय न्यूयार्क में ही होता था। मगर वर्ष 1987 में इसके केंद्र को बदलते रहने का सुझाव सामने आया और उसके बाद से ही इसके आयोजन के लिए अलग-अलग देशों को चुना जाता है। इस आयोजन में हर साल 150 से अधिक देश हिस्सा लेते हैं और इसमें कई सरकारी, सामाजिक और व्यावसायिक संगठन, पर्यावरणविद् और विषय विशेषज्ञ पर्यावरण की सुरक्षा, समस्या आदि विषय पर बात करते हैं। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन पूरा विश्व पर्यावरण संरक्षण के मार्ग में आने वाली चुनौतियों के समाधान की राह भी खोजता है।

पर्यावरण के निर्धारक सार तत्व समझने से संरक्षण सुगम होगा

पर्यावरण संरक्षण से पूर्व यह जानना जरूरी है कि पर्यावरण के घटक अथवा सार तत्व क्या हैं? क्योंकि इसी से पर्यावरण का संरक्षण सुगम होगा। पर्यावरण के जैविक संघटकों में सूक्ष्म जीवाणु से लेकर कीड़े-मकोड़े, सभी जीव-जंतु और पेड़-पौधों के अलावा उनसे जुड़ी सारी जैव क्रियाएं और प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। जबकि पर्यावरण के अजैविक संघटकों में निर्जीव तत्व और उनसे जुड़ी प्रक्रियाएं आती हैं, जैसे : पर्वत, चट्टानें, नदी, हवा और जलवायु के तत्व इत्यादि। सामान्य अर्थों में यह हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों, तथ्यों, प्रक्रियाओं और घटनाओं से मिलकर बनी इकाई है। यह हमारे चारों ओर व्याप्त है और हमारे जीवन की प्रत्येक घटना इसी पर निर्भर करती और सम्पादित होती है। मनुष्यों द्वारा की जाने वाली समस्त क्रियाएं पर्यावरण को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं।

मानव हस्तक्षेप के आधार पर पर्यावरण को दो भागों में बांटा जा सकता है, जिसमें पहला है प्राकृतिक या नैसर्गिक पर्यावरण और दूसरा मानव निर्मित पर्यावरण। यह विभाजन प्राकृतिक प्रक्रियाओं और दशाओं में मानव हस्तक्षेप की मात्रा की अधिकता और न्यूनता के अनुसार तय होता है। पर्यावरणीय समस्याएं जैसे प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन इत्यादि मनुष्य को अपनी जीवनशैली के परिवर्तन के बारे में पुनर्विचार के लिये प्रेरित कर रही हैं, जो अब वांछनीय नहीं अनिवार्य हैं। अब पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन की आवश्यकता महत्वपूर्ण है।

स्टॉकहोम के पहले सम्मेलन में बना था संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

पर्यावरण प्रदूषण की समस्या पर वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र ने स्टॉकहोम (स्वीडन) में विश्वभर के देशों का पहला पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया था। इसमें एक सौ उन्नीस देशों ने भाग लिया था और पहली बार पर्यावरण संरक्षण के परिप्रेक्ष्य में एक ही पृथ्वी का सिद्धांत मान्य किया गया था। इसी सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूनाइटेड नेशन्स इनवायरमेंट प्रोग्राम) बनाया गया था और प्रतिवर्ष पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस

आयोजित करके नागरिकों को प्रदूषण की समस्या से अवगत कराने का निश्चय किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाते हुए राजनीतिक चेतना जागृत करना और आम जनता को प्रेरित करना था। विश्व के भविष्य को किस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और सुधार से ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सकता है इस पर विमर्श अब विश्व पर्यावरण दिवस का स्थायी भाव है।

चार साल पहले जब भारत को विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी मिली

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चार साल पहले अपने लोकप्रिय रेडियो-टीवी कार्यक्रम 'मन की बात' में यह कहा था कि वर्ष 2018 में विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी भारत को मिलना जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी मुद्दों पर भारत की नेतृत्व क्षमता को विश्व समुदाय द्वारा स्वीकार करने का स्पष्ट संदेश है। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से प्लास्टिक के प्रयोग को नकारने की भी अपील की थी।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत की मेजबानी में पर्यावरण मंत्रालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय समारोह में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से विश्व समुदाय को अवगत भी करवाया था। इस मेजबानी का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि पर्यावरण के मुद्दे पर अब भारत की बात को अधिक गौर से सुना जाता है और देश में भी पर्यावरण संरक्षण अब सर्वोच्च प्राथमिकता में शुमार किया जाता है। किसी भी वैश्विक मंच पर अब भारत पर्यावरण को लेकर तटस्थ नहीं बल्कि पर्यावरण के पक्षधर होने की गम्भीर भूमिका निभाता है।

पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पक्षों को पारिभाषित करती है उस वर्ष की थीम

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रतिवर्ष एक लक्ष्य, एक विचार, एक थीम का निर्धारण संयुक्त राष्ट्र द्वारा किया जाता है। इसे 'थीम ऑफ दी ईयर' कहा जाता है। वर्ष 2021 में विश्व पर्यावरण दिवस की थीम थी 'सब मिलकर फिर से कल्पना करें, फिर से बनाएं फिर से पुनर्स्थापित करें नया विश्व', इस लक्ष्य का मंतव्य पर्यावरण प्रदूषण से मुक्त विश्व के निर्माण, ऐसे विश्व की कल्पना करना और ऐसे विश्व को पुनर्स्थापित करना है। वर्ष 2021 में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन पाकिस्तान में हुआ, जिसमें इस लक्ष्य को लेकर गम्भीर विचार-विमर्श हुआ। वस्तुतः विश्व पर्यावरण दिवस पर तय की गई थीम उस लक्ष्य को पारिभाषित करती है, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए तय किये जाते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस की पिछली थीम की यदि हम बात करें तो वर्ष 2020 की थीम थी- जैव विविधता का जश्न मनाएं, वर्ष 2019 की थीम थी- वायु प्रदूषण को हराओ, वर्ष 2018 की थीम थी- प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ, वर्ष 2017 की थीम थी- लोगों को प्रकृति से जोड़ना-शहर में और जमीन पर, ध्रुवों से भूमध्य रेखा तक और वर्ष 2016 की थीम थी- जीवन के लिए जंगली हो जाओ अर्थात जंगल के सर्वांग स्वरूप को अपनाओ।

कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण के बदलाव पर विमर्श हुआ

पहले भी जब-जब इस प्रकार की भयानक महामारियां आई हैं, तब-तब पर्यावरण ने सकारात्मक करवट ली है। कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण में आ रहे इस बदलाव पर भी विचार होना चाहिए। कोरोना संक्रमण काल में प्रकृति का यह बदला हुआ रूप मानवीय जीवन के लिए भले ही क्षणिक राहत वाला हो, परंतु जब संक्रमण का खतरा पूरी तरह खत्म हो जाएगा, तब क्या पर्यावरण की यही स्थिति बरकरार रह पाएगी? यह एक बड़ा सवाल विश्व के सामने आ चुका है। जब सभी देशों के लिए विकास की रफ्तार को तेज करना न केवल आवश्यक होगा, बल्कि मजबूरी भी होगी, तब क्या ऐसे कदम उठाए जाएंगे जो प्रकृति को बिना क्षति पहुंचाए सतत विकास की ओर अग्रसर हो सकेंगे। यह सवाल अब विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वाभाविक रूप से उठाये जाने चाहिए। वर्तमान स्थिति को प्रकृति की ओर से दी हुई चेतावनी समझ मनुष्य को अपनी जीवन शैली और विकास प्रक्रिया के तौर-तरीकों को बदलने पर अब गम्भीर विमर्श जरूरी हो गया है। महामारी के बाद आर्थिक विकास की रफ्तार को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर अमर्यादित दोहन भी किया जाता है। ऐसे में कोरोना महामारी से उत्पन्न अल्पकालिक पर्यावरणीय सुधार से बहुत अधिक खुश होने की जरूरत नहीं है, लेकिन मानव, प्रकृति और आर्थिक विकास के अंतर्संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने की ज़्यादा जरूरत है।

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम

पर्यावरण संरक्षण को कानूनी तौर पर मजबूती प्रदान करने के लिए भारतीय संसद ने नवम्बर, 1986 को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम पारित किया था। इस अधिनियम के अन्तर्गत पर्यावरण में जल, वायु, भूमि-इन तीनों से संबंधित कारक तथा मानव, पौधों, सूक्ष्म जीव, अन्य जीवित पदार्थ आदि को शामिल किया गया था। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के कई महत्वपूर्ण विंदु हैं जैसे - पर्यावरण की गुणवत्ता के संरक्षण हेतु सभी आवश्यक कदम उठाना, पर्यावरण प्रदूषण के निवारण, नियंत्रण और उपशमन हेतु राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम की व्यापक योजना बनाना और उसे क्रियान्वित करना, पर्यावरण की गुणवत्ता के मानक निर्धारित करना और पर्यावरण सुरक्षा से संबंधित अधिनियमों के अंतर्गत राज्य-सरकारों, अधिकारियों और संबंधितों के काम में समन्वय स्थापित करना। अधिनियम में ऐसे क्षेत्रों का परिसीमन करना भी शामिल हैं, जहां किसी भी उद्योग की स्थापना अथवा औद्योगिक गतिविधियां संचालित न की जा सकें। उक्त-अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर दण्ड का प्रावधान भी है।

पर्यावरण प्रेमी हैं भारतीय

दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत हरित अर्थव्यवस्था बनने का प्रयास कर रहा है। नए सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि भारतीय लोग आर्थिक वृद्धि पर पर्यावरण रक्षा को प्राथमिकता देते हैं। अमेरिका की प्रमुख सर्वेक्षण एजेंसी 'गैलप' ने अपने ताजा सर्वेक्षण में कहा कि ज्यादातर आबादी अर्थव्यवस्था से ज्यादा पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। सर्वेक्षण करने वाली स्वैच्छिक संस्था गैलप की मानें तो भारत ने वैश्विक भूभाग पर हरित क्षेत्र को बढ़ाने के उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। इसकी एक बानगी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है, जहां हाल के वर्षों में हरित क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली का लगभग बीस फीसदी हिस्सा वनों से कवर है।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कार्यालय, शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर
नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर
खंडवा रोड, भंवर कुआं इंदौर

दूरभाष नं. 0731-2920465, E-mail - gpetcindore2014@gmail.com

क्रमांक/पीईटीसी/2022/ इंदौर, दिनांक : 23.05.2022

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को बी.एस-सी. नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा 2022 की तैयारी का प्रशिक्षण

शासन द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र बी.एस-सी. नर्सिंग की पात्रता प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की पात्र छात्राओं के आवेदन आमंत्रित करता है। निर्धारित सीटों की संख्या 50 है। प्रावीण्यता के आधार पर प्रवेश सुनिश्चित होगा।

आवेदन करने की **अंतिम तिथि 25 जुलाई, 2022** एवं कक्षाएं **प्रारंभ होने की तिथि 08 अगस्त, 2022** होगी। आवेदन शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के दिये गये पते पर कार्यालयीन समय में जमा किये जा सकेंगे।

बी.एस-सी. नर्सिंग की पात्रता परीक्षा की तैयारी हेतु प्रवेश की अन्य आवश्यक शर्तें -

1. अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से मा.शि.मं. म.प्र./म.प्र. राज्य मुक्त शिक्षा परिसर भोपाल/सी.बी.एस.सी./आई.सी.एस.सी. से मान्यता प्राप्त विद्यालयों से (10+2) शिक्षा पद्धति से 12वीं भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान और अंग्रेजी विषयों को लेकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना चाहिये।
2. म.प्र. का मूल निवासी हो।
3. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, परित्यक्ता/विधवाओं (नानक्रीमीलेयर) के अभ्यर्थियों की 01 जुलाई, 2022 को न्यूनतम आयु 17 वर्ष एवं अधिकतम आयु 40 वर्ष होगी।
4. अधिकतम आयु सीमा के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी संशोधन लागू समझे जायेंगे।
5. आवेदक के परिवार की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 6.00 लाख रु. या इससे कम हो।
6. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
7. प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों को निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया जावेगा। आवास सहायता का लाभ नहीं दिया जावेगा।
8. प्रशिक्षण की अधिकतम अवधि 3 माह होगी।
9. शासन द्वारा जारी कोविड गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा।

पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र सहित निर्धारित प्रपत्रों में आवश्यक दस्तावेजों सहित रजिस्टर्ड डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से कार्यालयीन पते पर जमा करना सुनिश्चित करें।

अधिक जानकारी के लिये शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के दूरभाष क्रमांक 0731-2920465 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य
शा.परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर
दूरभाष नं. 0731-2920465

अजा./अजजा.

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को बी.एस-सी. नर्सिंग परीक्षा के प्रवेश हेतु ऑफलाइन प्रशिक्षण का आवेदन पत्र (वर्ष-2022)

1. पूरा नाम :- हिन्दी में ..... अंग्रेजी में .....
2. पिताजी का नाम :- .....
3. माता का नाम :- .....
4. जन्म दिनांक :- .....

स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित रंगीन फोटो

5. पत्र व्यवहार का पता पिनकोड सहित :- ग्राम ..... तहसील .....
   जिला ..... पिनकोड .....
6. स्थाई निवास का पता :- ग्राम ..... तहसील .....
   जिला ..... पिनकोड .....
7. जाति :- ..... उपजाति .....
8. परिवार के मुखिया का व्यवसाय :- ..... मुखिया की वार्षिक आय .....
9. स्वयं का मोबाइल नंबर :- ..... पिता का मो.नं. .....
10. आवेदक का ई-मेल आई.डी. .....
11. शैक्षणिक योग्यता :-

क्र.	शिक्षा (संकाय सहित)	विषय	मण्डल/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	रिमार्क
1.	हाईस्कूल					
2.	हायर सेकेण्डरी					
3.	अन्य					

12. **संलग्न :-**
    1. आय, जाति, मूल निवासी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रतियां।
    2. हाईस्कूल, हा.से., अंकसूचियों की अभिप्रमाणित छायाप्रतियां।
    3. आधार कार्ड की छायाप्रति।
    4. स्वयं के बैंक खाते की पासबुक की फोटोकॉपी।
    5. एक अतिरिक्त रंगीन फोटो भी संलग्न करें।
    6. कोविड टीकाकरण का प्रमाण-पत्र।

दिनांक :- ..... **हस्ताक्षर आवेदक** .....
नाम :- .....
पता :- .....
मो.नं. :- .....

घोषणा पत्र

मैं.....घोषणा करती हूं कि संस्थान में अनुशासन, मर्यादा, समय प्रबंधन का पालन करते हुये नियमित उपस्थित रहकर सभी मूल्यांकन दूंगी। बी.एस-सी. नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा में अवश्य सम्मिलित होऊंगी एवं रोल नं. प्राप्त होने पर तत्काल संस्था को अवगत कराउंगी। जिला प्रशासन द्वारा जारी कोविड गाइड लाइन का पूर्णतः पालन करूंगी। उल्लंघन करने पर मेरा नाम तत्काल प्रभाव से खारिज किया जा सकता है।

स्थान :- **हस्ताक्षर आवेदनकर्ता**.....
दिनांक :- **नाम** .....

जी-13460/47153/2022

घर अपना परिवार अपना, टीका लगवाकर कोरोना से बचना।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

राज्य वन सेवा (मुख्य) परीक्षा-2020 के आयोजन की सूचना

दिनांक 30.05.2022

ऑनलाइन आवेदन अवधि	प्रवेश-पत्र की उपलब्धता	परीक्षा तिथि
दिनांक 13.06.2022 से 28.06.2022 तक	दिनांक 18.07.2022	24.07.2022

01 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य वन सेवा परीक्षा 2020 हेतु जारी विज्ञापन क्रमांक 04/2020 दिनांक 28.12.2020 के संदर्भ में आयोजित की गयी प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम दिनांक 15.01.2022 को घोषित किया गया है। उक्त परीक्षा में सफल आवेदकों हेतु राज्य वन सेवा (मुख्य) परीक्षा 2020 दिनांक 24.07.2022 को इंदौर स्थित परीक्षा केंद्र पर निम्नानुसार आयोजित की जाएगी :-

ऑफलाइन परीक्षा		अवधि
खण्ड 'अ'	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान	परीक्षा तिथि : 24.07.2022 दोपहर 12.00 बजे से 03.00 बजे तक
खण्ड 'ब'	वानिकी एवं सामान्य विज्ञान	

प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा परीक्षा ऑफलाइन पद्धति से OMR आधारित होगी।

02 वन सेवा मुख्य परीक्षा हेतु सफल आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन पत्र भरकर आवेदन एवं परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना आवश्यक होगा। मुख्य परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 13.06.2022 (दोपहर 12.00 बजे) से 28.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे) तक **www.mponline.gov.in** तथा **https://mppsc.mp.gov.in** पर भरे जा सकते हैं। आवेदकों को मुख्य परीक्षा हेतु निम्नानुसार आवेदन एवं परीक्षा शुल्क देय होगा :-

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क
₹ 400/-	₹ 800/-

उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त पोर्टल शुल्क ₹ 40/- (सेवाकर सहित) अतिरिक्त देय होगा।

03 आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र में दिनांक 18.06.2022 से दिनांक 30.06.2022 तक त्रुटि सुधार भी कर सकेंगे। त्रुटि सुधार अवधि के पश्चात आवेदन पत्र में कोई सुधार नहीं किए जा सकेंगे। त्रुटि सुधार हेतु प्रति त्रुटि सुधार सत्र ₹ 50/- (सेवाकर सहित) देय होंगे। जिन आवेदकों द्वारा मुख्य परीक्षा हेतु अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन पत्र नहीं भरे जाएंगे। राज्य वन सेवा परीक्षा 2020 हेतु उनकी उम्मीदवारी स्वयमेव समाप्त हो जायेगी एवं इस संदर्भ में कोई अभ्यावेदन मान्य न करते हुये उन्हें नस्तीबद्ध कर दिया जाएगा।

04 **विलम्ब शुल्क सहित आवेदन :-** आयोग की यह मान्यता है कि सभी अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन भर देंगे। अतः अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 28.06.2022 तक ऑनलाइन आवेदन पत्र भर दें ताकि विलम्ब शुल्क के भुगतान की परिस्थिति उपस्थित न हो। अपरिहार्य कारणों से जो अभ्यर्थी अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन नहीं भर पाते हैं उनकी सुविधा हेतु अंतिम तिथि के बाद विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन की निम्नानुसार व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है :-

1. दिनांक 29.06.2022 से 05.07.2022 तक - ₹ 3000/-
2. दिनांक 06.07.2022 से 16.07.2022 तक - ₹ 25000/-

विशेष : 1. विलम्ब शुल्क की उपरोक्त राशि के साथ परीक्षा शुल्क तथा पोर्टल शुल्क का भुगतान पृथक से देय होगा।
2. ₹ 3000 विलम्ब शुल्क के साथ प्रस्तुत आवेदनों में दिनांक 06.07.2022 तक तथा ₹ 25000 विलम्ब शुल्क के साथ प्रस्तुत आवेदन पत्रों में दिनांक 17.07.2022 तक विहित शुल्क का भुगतान कर त्रुटि सुधार किया जा सकेगा।

05 मुख्य परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र दिनांक 18.07.2022 से **www.mponline.gov.in** तथा **https://mppsc.mp.gov.in** पर ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगे। प्रवेश पत्र डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से प्रेषित नहीं किए जाएंगे। प्रवेश पत्र प्राप्ति हेतु आवेदक **mponline** के अधिकृत कियोस्क का भी उपयोग कर सकते हैं। कियोस्क के माध्यम से प्रवेश पत्र प्राप्ति हेतु ₹ 5/- पोर्टल शुल्क देय होगा।

06 आवेदक कृपया ध्यान रखें कि परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश पत्र के साथ निम्नानुसार मान्य फोटोयुक्त मूल पहचान-पत्र प्रस्तुत करने एवं उससे पहचान की पुष्टि होने के पश्चात ही परीक्षा देने की अनुमति मिलेगी :-

1.	मतदाता परिचय पत्र	2.	आधार कार्ड (फोटोकॉपी मान्य)
3.	ड्रायविंग लाइसेंस	4.	आयकर का पेन कार्ड
5.	पासपोर्ट	6.	फोटो सहित बैंक पासबुक
7.	केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय एवं अन्य नियोक्ताओं द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र।		
8.	शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत आवेदकों के मामले में शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा अधिकतम तीन वर्ष पूर्व जारी फोटो पहचान पत्र।		
9.	राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय-पत्र।		

07 मध्यप्रदेश के ऐसे मूल निवासी अभ्यर्थियों को जो कहीं सेवारत न हों तथा मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी हों को मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेखित वर्तमान पते के शहर/ग्राम से उन्हें आवंटित परीक्षा शहर तक आने जाने के यात्रा व्यय का भुगतान वापसी यात्रा के पूर्व परीक्षा केन्द्र पर केन्द्राध्यक्ष द्वारा किया जाएगा। अभ्यर्थियों को इसके लिये केन्द्राध्यक्ष को वांछित घोषणा-पत्र भरकर देना होगा तथा यात्रा भत्ते की पात्रता से संबंधित निम्न अभिलेख प्रस्तुत करना होंगे :-

(1) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रति।
(2) मूल यात्रा टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गयी, तथा किराये की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो, ई-टिकट होने की स्थिति में स्वप्रमाणित प्रति प्रस्तुत करना होगी।

08 राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2020 की परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट **https://mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है।

जी-13576/47156/2022 **सचिव**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 02/09/2021, दिनांक 30.05.2022

कम्प्यूटर प्रोग्रामर परीक्षा 2021 हेतु रोज़गार पंजीयन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आयु-सीमा छूट तथा ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना

ऑनलाइन आवेदन अवधि दिनांक : 08.06.2022 से 17.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे)

01 आयोग द्वारा मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, मध्यप्रदेश शासन हेतु कम्प्यूटर प्रोग्रामर के 02 पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन क्रमांक 09/2021, दिनांक 14.12.2021 आयोग की वेबसाइट पर जारी किया गया था तथा "रोज़गार और निर्माण" समाचार पत्र के दिनांक 20.12.2021 के अंक में भी प्रकाशित किया गया था।

02 माननीय उच्च न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक 5096/2022 में दिनांक 08.03.2022 को पारित निर्णय के अनुपालन में :-

अ. उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले अन्य प्रदेशों के अभ्यर्थियों को रोज़गार कार्यालय में पंजीयन से मुक्त रखा गया है।

ब. मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को जीवित रोज़गार पंजीयन आवेदन करते समय आवश्यक नहीं होगा किन्तु ऐसे अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

स. मध्यप्रदेश शासन की सेवा में कार्यरत - शासकीय/निगम/मण्डल/उपक्रम/आयोग/बोर्ड/विश्वविद्यालय/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक-अभ्यर्थियों को विभाग/कार्यालय द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र को मान्य किया जाएगा। उपरोक्तानुसार अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर रोज़गार पंजीयन से छूट रहेगी।

03 अतः ऐसे अभ्यर्थी जो मध्यप्रदेश के निवासी नहीं है तथा ऐसे जो मध्यप्रदेश के निवासी हैं दोनों श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु उक्त व्यवस्था के साथ ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः 10 दिवस के लिए प्रारंभ की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन पत्र **https://mppscforms.in , www.mppsc.mp.gov.in** पर दिनांक 08.06.2022 से 17.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे) तक भरे जा सकेंगे। समस्त ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का कार्य भी उक्त अवधि में ही संपादित किया जा सकेगा।

04 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

जी-13573/47160/2022 **सचिव**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 05/10-11/2021, दिनांक 30.05.2022

राज्य सेवा परीक्षा 2021/राज्य वन सेवा परीक्षा 2021 राज्य सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के आयोजन की सूचना परीक्षा तिथि :- 19.06.2022

प्रवेश-पत्र उपलब्धता दिनांक : 10.06.2022

01 आयोग द्वारा मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के प्रशासनिक पदों की पूर्ति हेतु "राज्य सेवा परीक्षा-2021" का विज्ञापन क्रमांक 10/2022, दिनांक 22.12.2021 तथा "राज्य वन सेवा परीक्षा-2021" का विज्ञापन क्रमांक 11/2022, दिनांक 22.12.2021 आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** पर जारी किया गया था।

02 उक्त विज्ञापनों के संदर्भ में राज्य सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा दिनांक 19.06.2022 को प्रदेश के सभी 52 जिला/संभाग मुख्यालयों में निम्नानुसार दो सत्रों में आयोजित की जाएगी :-

समय	प्रश्न-पत्र का नाम
प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक	सामान्य अध्ययन
दोपहर पश्चात 02.15 बजे से 04.15 बजे तक	सामान्य अभिरुचि परीक्षण

03 उक्त परीक्षा हेतु प्रवेश-पत्र दिनांक 10.06.2022 से **www.mponline.gov.in, www.mppsc.mp.gov.in** पर डाउनलोड हेतु उपलब्ध रहेंगे। प्रवेश-पत्र डाउनलोड करने हेतु **mponline** के कियोस्क की सेवाएं भी प्राप्त की जा सकती हैं, इस हेतु रु. 5/- पोर्टल शुल्क देय होगा। अभ्यर्थी प्रवेश-पत्र में दिये गए निर्देशों का अनुपालन करते हुए परीक्षा में सम्मिलित हों।

05 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

जी-13562/47157/2022 **सचिव**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग सागर, भदभदा रोड, भोपाल

क्रमांक/666/मप्रपुहाका/पय/सागर/22 **दिनांक : 27.05.2022**

निविदा सूचना क्रमांक 006/2022-23

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, सागर संभाग के अंतर्गत दमोह एवं भोपाल जिले में भवन निर्माण/अन्य कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र आनलाइन क्रय की **अंतिम तिथि 06.06.2022 तक** है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/105124/47168/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02, भोपाल

मोबाइल : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com

क्र. मप्रपुआअविनि/313/पयं/भोपाल-02/तशा/2022

भोपाल, दिनांक 31.05.2022

प्रेस विज्ञप्ति

कटारा हिल्स स्थित ज्ञानोदय विद्यालय के उन्नयन/सुदृढ़ीकरण में बाह्य विद्युतीकरण के कार्य हेतु निविदा क्रमांक-03/2022-23 ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. 2022_MPPHC_208359_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 20.06.2022 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/105154/47171/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 02/05/2021, दिनांक 30.05.2022

उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा 2021 हेतु रोज़गार पंजीयन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आयु-सीमा छूट तथा ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना

ऑनलाइन आवेदन अवधि दिनांक : 08.06.2022 से 17.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे)

01 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन हेतु उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) का विज्ञापन क्रमांक 05/2021 दिनांक 23.06.2021 आयोग की वेबसाइट तथा रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र के दिनांक 28.06.2021 के अंक में जारी किया गया था।

02 माननीय उच्च न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक 5096/2022 में दिनांक 08.03.2022 को पारित निर्णय के अनुपालन में :-

अ. उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले अन्य प्रदेशों के अभ्यर्थियों को रोज़गार कार्यालय में पंजीयन से मुक्त रखा गया है।

ब. मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को जीवित रोज़गार पंजीयन आवेदन करते समय आवश्यक नहीं होगा किन्तु ऐसे अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

स. मध्यप्रदेश शासन की सेवा में कार्यरत - शासकीय/निगम/मण्डल/उपक्रम/आयोग/बोर्ड/विश्वविद्यालय/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक-अभ्यर्थियों को विभाग/कार्यालय द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र को मान्य किया जाएगा। उपरोक्तानुसार अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर रोज़गार पंजीयन से छूट रहेगी।

03 माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिका क्रमांक 2108/2022 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 08.02.2022 के अनुपालन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पि.वर्ग के समान आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु-सीमा में छूट देय होगी किन्तु किसी भी स्थिति में अधिकतम आयु सीमा गणना तिथि 01.01.2022 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात जिन अभ्यर्थियों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। यह छूट माननीय उच्च न्यायालय में लंबित उक्त याचिका के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

04 अतः ऐसे अभ्यर्थी जो मध्यप्रदेश के निवासी नहीं है तथा ऐसे जो मध्यप्रदेश के निवासी हैं दोनों श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु उक्त व्यवस्था के साथ ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः 10 दिवस के लिए प्रारंभ की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन पत्र **www.mponline.gov.in, www.mppsc.mp.gov.in** पर दिनांक 08.06.2022 से 17.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे) तक भरे जा सकेंगे। समस्त ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का कार्य भी उक्त अवधि में ही संपादित किया जा सकेगा।

05 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

जी-13580/47154/2022 **सचिव**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 04/03/2021, दिनांक 30.05.2022

सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी परीक्षा 2021 हेतु रोज़गार पंजीयन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आयु-सीमा छूट तथा ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना

ऑनलाइन आवेदन अवधि दिनांक : 08.06.2022 से 17.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे)

01 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन हेतु सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी का विज्ञापन क्रमांक 03/2021 दिनांक 07.06.2021 आयोग की वेबसाइट तथा रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र के दिनांक 14.06.2021 के अंक में जारी किया गया था।

02 माननीय उच्च न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक 5096/2022 में दिनांक 08.03.2022 को पारित निर्णय के अनुपालन में :-

अ. उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले अन्य प्रदेशों के अभ्यर्थियों को रोज़गार कार्यालय में पंजीयन से मुक्त रखा गया है।

ब. मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को जीवित रोज़गार पंजीयन आवेदन करते समय आवश्यक नहीं होगा किन्तु ऐसे अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

स. मध्यप्रदेश शासन की सेवा में कार्यरत - शासकीय/निगम/मण्डल/उपक्रम/आयोग/बोर्ड/विश्वविद्यालय/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक-अभ्यर्थियों को विभाग/कार्यालय द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र को मान्य किया जाएगा। उपरोक्तानुसार अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर रोज़गार पंजीयन से छूट रहेगी।

03 माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिका क्रमांक 2108/2022 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 08.02.2022 के अनुपालन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पि.वर्ग के समान आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु-सीमा में छूट देय होगी किन्तु किसी भी स्थिति में अधिकतम आयु सीमा गणना तिथि 01.01.2022 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात जिन अभ्यर्थियों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। यह छूट माननीय उच्च न्यायालय में लंबित उक्त याचिका के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

04 अतः ऐसे अभ्यर्थी जो मध्यप्रदेश के निवासी नहीं है तथा ऐसे जो मध्यप्रदेश के निवासी हैं दोनों श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु उक्त व्यवस्था के साथ ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः 10 दिवस के लिए प्रारंभ की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन पत्र **www.mponline.gov.in, www.mppsc.mp.gov.in** पर दिनांक 08.06.2022 से 17.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे) तक भरे जा सकेंगे। समस्त ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का कार्य भी उक्त अवधि में ही संपादित किया जा सकेगा।

05 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

जी-13578/47155/2022 **सचिव**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 01/17/2021, दिनांक 30.05.2022

शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा 2021 हेतु रोज़गार पंजीयन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आयु-सीमा छूट तथा ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना

ऑनलाइन आवेदन अवधि दिनांक : 08.06.2022 से 17.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे)

01 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, मध्यप्रदेश शासन हेतु शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक का विज्ञापन क्रमांक 17/2021 दिनांक 30.12.2021 आयोग की वेबसाइट तथा रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र के दिनांक 03.01.2022 के अंक में जारी किया गया है।

02 माननीय उच्च न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक 5096/2022 में दिनांक 08.03.2022 को पारित निर्णय के अनुपालन में :-

अ. उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले अन्य प्रदेशों के अभ्यर्थियों को रोज़गार कार्यालय में पंजीयन से मुक्त रखा गया है।

ब. मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को जीवित रोज़गार पंजीयन आवेदन करते समय आवश्यक नहीं होगा किन्तु ऐसे अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय मध्यप्रदेश के रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

स. मध्यप्रदेश शासन की सेवा में कार्यरत - शासकीय/निगम/मण्डल/उपक्रम/आयोग/बोर्ड/विश्वविद्यालय/स्वशासी संस्था के कर्मचारी तथा नगर सैनिक-अभ्यर्थियों को विभाग/कार्यालय द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र को मान्य किया जाएगा। उपरोक्तानुसार अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर रोज़गार पंजीयन से छूट रहेगी।

03 माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिका क्रमांक 2108/2022 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 08.02.2022 के अनुपालन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पि.वर्ग के समान आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु-सीमा में छूट देय होगी किन्तु किसी भी स्थिति में अधिकतम आयु सीमा गणना तिथि 01.01.2022 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात जिन अभ्यर्थियों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। यह छूट माननीय उच्च न्यायालय में लंवित उक्त याचिका के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

04 अतः ऐसे अभ्यर्थी जो मध्यप्रदेश के निवासी नहीं है तथा ऐसे जो मध्यप्रदेश के निवासी हैं दोनों श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु उक्त व्यवस्था के साथ ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः 10 दिवस के लिए प्रारंभ की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन पत्र **www.mponline.gov.in, www.mppsc.mp.gov.in** पर दिनांक 08.06.2022 से 17.06.2022 (रात्रि 12.00 बजे) तक भरे जा सकेंगे। समस्त ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का कार्य भी उक्त अवधि में ही संपादित किया जा सकेगा।

05 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

जी-13560/47158/2022 **सचिव**

आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा, प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी
मध्यप्रदेश, भोपाल

क्रमांक/...../अका./स्था./2022 **भोपाल, दिनांक : .....**

संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञप्ति

आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र, सहायक प्राध्यापक, लोक प्रशासन एवं स्टूडियो इंजीनियर के रिक्त एक-एक पद की पूर्ति संविदा नियुक्ति से की जाना है। पद की शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, आयु सीमा, मासिक पारिश्रमिक, आवेदन का प्रारूप एवं अन्य आवश्यक जानकारी अकादमी की वेबसाइट **www.academy.mp.gov.in** पर जानकारी हेतु उपलब्ध है।

अकादमी में संविदा अनुबंध पर कार्य करने के इच्छुक अर्हताधारी अभ्यर्थी अकादमी की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन डाउनलोड कर आवेदन की पूर्ति कर आवश्यक दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित प्रति सहित अपने आवेदन बंद लिफाफे में दिनांक 27.06.2022 को सायंकाल 4.30 बजे तक प्रभारी अधिकारी (स्थापना), आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, 1100 क्वार्टर, भोपाल 462016 के नाम से डाक द्वारा अथवा कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर प्रशासन अकादमी मुख्य भवन कार्यालय स्थित आवक शाखा में प्रस्तुत कर सकते हैं।

महानिदेशक द्वारा अनुमोदित।

संचालक
आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी
मध्यप्रदेश भोपाल

जी-13630/47162/2022

मध्यप्रदेश सरकार, कार्यालय मुख्य अभियंता
(मध्य क्षेत्र) लोक निर्माण विभाग जबलपुर

E-mail :- cepwdcentral@mp.nic.in
Phone No. 0761-2621541, Fax No. 0761-2678521

निविदा आमंत्रण सूचना

एन.आई.टी. क्र. :- 03/CRIF/CE/PWD/Central Zone/2022-23 **जबलपुर, दिनांक : 01.06.2022**

मध्यप्रदेश सरकार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से सड़क और पुलों के विकास में लगी हुई है, और इस प्रयास के तहत, ईपीसी अनुबंध के माध्यम से मध्यप्रदेश राज्य में निम्नलिखित कार्य करने का निर्णय लिया गया है। मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग (मध्य क्षेत्र) जबलपुर, मध्यप्रदेश निम्नलिखित कार्य के लिए पात्र ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित करती है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. जबलपुर जिले के आधारताल रैंप एवं पाटन रोड रैंप का निर्माण (दमोह नाका रोटरी सहित) जबलपुर शहर में दमोह नाका से रानीताल मदन महल (मेडिकल रोड तक) एलीवेटेड कॉरिडोर (फ्लाई ओव्हर) के निर्माण कार्य।

निविदा क्र.	सड़क/ पुल	अनु. लागत (लाख में)	बिड सिक्योरिटी की राशि	समयावधि	रख-रखाव अवधि	रिमार्क
2022_ PWDRB_ 208618_1	फ्लाई ओव्हर एवं रोड रैंप	7150.88 (Without GST)	71,50,900/-	12 माह वर्षाऋतु सहित	कार्य पूर्ण करने की दिनांक से 10 वर्ष तक	वास्तविक किए गए कार्य पर 12% GST राशि अलग से देय होगी।

निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) तथा अपलोड म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in पर दिनांक 01.06.2022 को समय सुबह 11.00 AM से 15.07.2022 11.00 AM तक देखा/डाउनलोड किया जा सकता है।** निविदाकारों को अपने वित्तीय ऑफर और तकनीकी बिड **https://mptenders.gov.in** पर दिनांक 15.07.2022 अपरान्ह 05.30 PM तक जमा करनी होगी। ऑनलाइन प्राप्त ऑफर को 08.08.2022 (11.00 AM) को खोला जाएगा। मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग मध्यक्षेत्र जबलपुर को एक या समस्त निविदाओं को बिना किसी कारण निरस्त कने का अधिकार होगा। किसी भी निविदा में संशोधन, यदि कोई होगा तो केवल उपरोक्त वेबसाइट पर डाला जायेगा, न कि समाचार-पत्र में।

मुख्य अभियंता (मध्य क्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, जबलपुर

जी-13638/47163/2022

कार्यालय अधिष्ठाता
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर

क्रमांक/स्था/राज/22/4797 **जबलपुर, दिनांक : 27.05.2022**

विज्ञापन

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर में संचालित BASLP पाठ्यक्रम में 11 माह की संविदा पर सह-प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापकों की RCI के मापदण्डानुसार निम्नलिखित विषयों में नियुक्ति की जानी है, **जिस हेतु दिनांक 16.06.2022 को दोपहर 12.00 बजे** ईएनटी विभाग में वॉक-इन-इन्टरव्यू आयोजित किया गया है। वॉक-इन-इन्टरव्यू से संबंधित समस्त जानकारी चिकित्सा महाविद्यालय की अधिकारिक वेवसाइट **www.nscbmc.ac.in** पर उपलब्ध होगी।

रिक्तियां निम्नानुसार हैं :-

स. क्र.	पद का नाम	पदों की संख्या	श्रेणी UR	OBC	ST	SC	कुल योग
1.	Associate Professor - Speech Pathology & Audiology	01	01	00	00	00	01
2.	Assistant Professor - Speech Language Pathology	01	01	00	00	00	01
3.	Assistant Professor - Audiology	02	01	01	00	00	02
	योग	**04**	**03**	**01**	**00**	**00**	**04**

स.क्र.	पद का नाम	एक मुश्त	न्यूनतम अर्हता
1.	Associate Professor - Speech Language Pathology & Audiology	55,000/-	**Essentials** a) M.Sc. (Sp & Hg) MASLP/equivalent b) 8 Years of teaching Experience at graduate/ post graduate Level. c) Min. of five Publications Maximum score 05 d) Valid RCI registration **Desirable :** a) Ph.D. (In core areas*) b) Experience of running under graduate training Programs
2.	Assistant Professor - Speech Language Pathology	45,000/-	**Essentials** a) M.Sc. (Sp & Hg) MASLP or its equivalent/M.Sc. (Speech Language Pathology) b) 2 years of teaching/clinical/research experiecne c) Valid RCI registration. **Desirable** a) Ph.D. (In core Areas*) b) Publications
3.	Assistant Professor- Audiology	45,000/-	**Essentials** a) M.Sc. (Sp & Hg)/MASLP or its equivalent/M.Sc. (Audiology) b) 2 years of teaching/clinical/research experience c) Valid RCI registration. **Desirable :** a) Ph.D. (In core Areas*) b) Publications

नोट :- रिक्त पदों की संख्या में वृद्धि या कमी हो सकती है।

1. अभ्यर्थी का आरसीआई पंजीयन होना अनिवार्य है।
2. साक्षात्कार हेतु निर्धारित तिथि में परिवर्त होने की दशा में जानकारी चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर की वेबसाइट में उपलब्ध करायी जावेगी।
3. पदों पर आरक्षण राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार रहेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता
स्वशासी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस (स्वशासी समिति)
चिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर

जी-13607/47161/2022

लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश
गौतम नगर भोपाल 462021

दूरभाष क्रमांक - 0755-2583650, फैक्स - 0755-2583651
ईमेल आई.डी. - phyedu.dpi@gmail.com

क्रमांक-शा.शि./सी/156/सीहोर/प्रवेश/2022-23/381 **भोपाल, दिनांक : 02.06.2022**

शासकीय आवासीय खेलकूद विद्यालय सीहोर, मध्यप्रदेश में वर्ष 2022-23 के लिए कक्षा 9वीं, से 12वीं तक (केवल बालकों के लिए) प्रवेश हेतु (विज्ञप्ति)

लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के अधीनस्थ संचालित शासकीय आवासीय खेलकूद विद्यालय सीहोर में शिक्षा सत्र 2022-23 में कक्षावार रिक्त स्थान एवं चयन परीक्षा की निर्धारित तिथि निम्नानुसार प्रस्तावित है :-

क्र.	प्रवेश हेतु कक्षा	कुल स्थान	अनु.जाति	अनु.ज.जा.	पिछड़ा वर्ग	अना.	EWS
1.	09वीं	50	08	10	14	16	02
2.	10वीं	12	05	07	0	0	0
3.	11वीं	22	02	10	0	09	01
4.	12वीं	09	02	07	0	0	0

- रिक्त स्थान की संख्या में आवश्यकतानुसार कमी अथवा वृद्धि की जा सकती है।
- अभ्यर्थी अपने आवेदन ऑनलाइन **http://educationportal.mp.gov.in/sms/schools.aspx लिंक पर दिनांक 10.06.2022 से 20.06.2022 तक** कर सकेंगे, एवं एक प्रति (हार्डकॉपी) प्राचार्य, शासकीय आवासीय खेलकूद विद्यालय सीहोर, म.प्र. को दिनांक 20.06.2022 तक उपलब्ध कराई जाना आवश्यक है।
- चयन परीक्षा दिनांक 29.06.2022 से 02.07.2022 तक की जावेगी।
- परीक्षा एवं चयन प्रक्रिया के संबंध में पूर्ण जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल **www.educationportal.mp.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

आयुक्त
लोक शिक्षण, मध्यप्रदेश

जी-13657/47164/2022

वैक्सीन दवा नहीं जिन्दगी है, कोविड से सबको ही बंदगी है।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग

नगरीय निकायों के आम निर्वाचन-2022

मध्य प्रदेश राज्य आयोग

मध्यप्रदेश में पंचायत आम निर्वाचन के बाद नगरीय निकायों के आम निर्वाचन की घोषणा भी कर दी गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा करते हुये कहा कि प्रदेश में 413 नगरीय निकायों में से 347 नगरीय निकायों में निर्वाचन कराया जायेगा। प्रदेश में दो चरणों में निर्वाचन कार्य सम्पन्न होंगे। पहले चरण में 11 नगर निगम, 36 नगर पालिका और 86 नगर परिषदों के लिये छह जुलाई को मतदान कराया जायेगा। वहीं दूसरे चरण में 5 नगर निगम, 40 नगर पालिका और 169 नगर परिषदों के लिये 13 जुलाई को मतदान सम्पन्न होगा। इसी तरह पहले चरण की मतगणना 17 जुलाई और दूसरे चरण की मतगणना 18 जुलाई को होगी। नगरीय निकायों के निर्वाचन दलीय आधार पर सम्पादित किये जायेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने बताया कि अलिराजपुर, मंडला और डिंडौरी जिले के नगरीय निकायों का कार्यकाल पूरा नहीं हुआ है, इसलिये अभी वहां चुनाव नहीं कराये जायेंगे।

सामान्य जानकारी

- राज्य में कुल नगरीय निकायों की संख्या - 413

1. नगरपालिक निगम - 16
2. नगरपालिका परिषद् - 99
3. नगर परिषद् - 298
   (इसमें 35 नवगठित नगर परिषद् सम्मिलित हैं)।

कुल : 413

- पूर्व से गठित 378 नगरीय निकायों में से 321 नगरीय निकायों का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। 57 नगरीय निकायों का कार्यकाल अभी पूर्ण नहीं हुआ है। 321 निकायों में से 318 निकायों के तथा नवगठित 35 नगरीय निकायों में से 29 नगर परिषदों के अर्थात् 347 नगरीय निकायों के निर्वाचन कराये जाने के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया जा रहा है।
- आयोग द्वारा दिनांक : 01.01.2022 की स्थिति में राज्य के 402 नगरीय निकायों की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन दिनांक : 10.05.2022 को तथा नगरपालिका परिषद् खरगोन की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 25 मई 2022 को किया गया है। नगरपालिका परिषद् पन्ना जिला- पन्ना तथा नवगठित नगर परिषद् (बरोदियाकलां जिला- सागर की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन दिनांक : 06 जून 2022 को किया जा रहा है।
- मध्यप्रदेश शासन द्वारा नगरपालिका परिषद् गढ़ाकोटा एवं नगरपालिका परिषद् खुरई जिला- सागर, नगरपालिका परिषद् मलाजखण्ड जिला- बालाघाट के क्षेत्र विस्तार/संकुचन की कार्यवाही की गई है। इन 03 नगरीय निकायों में वार्डों के विभाजन तथा आरक्षण की कार्यवाही मध्यप्रदेश शासन द्वारा की जा रही है। वार्ड विभाजन की कार्यवाही के पश्चात् आयोग के द्वारा मतदाता सूची तैयार की जायेगी।
- नवगठित 06 नगरीय निकायों के वार्ड विभाजन की कार्यवाही मध्यप्रदेश शासन द्वारा की जा रही है। वार्ड विभाजन की कार्यवाही के पश्चात् आयोग द्वारा मतदाता सूची तैयार की जायेगी।
- नगरीय निकायों के निर्वाचन दलीय आधार पर सम्पादित किये जायेंगे।
- प्रत्येक नगरीय निकाय के लिये 01 रिटर्निंग ऑफिसर और उसकी सहायता के लिये 02 या उससे अधिक सहायक रिटर्निंग अधिकारी रहेंगे।

पदों की संख्या

- प्रस्तावित निर्वाचन हेतु नगरीय निकायों एवं पदों की संख्या :-

क्रमांक	नगरीय निकायों का प्रकार	नगरीय निकायों की संख्या	वार्डों की संख्या
1.	नगरपालिक निगम	16	884
2.	नगरपालिका परिषद्	76	1795
3.	नगर परिषद् (पूर्व से गठित)	226	3393
4.	नवगठित नगर परिषद्	29	435

  - आयोग द्वारा प्रत्यक्ष प्रणाली से 347 नगरीय निकायों के 6507 पार्षदों एवं 16 नगरपालिक निगम के महापौर का निर्वाचन कराया जा रहा है।
  - नगरपालिका परिषद् एवं नगर परिषदों के निर्वाचित पार्षदों द्वारा अधिनियमों के प्रावधान अनुसार अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष का निर्वाचन किया जायेगा।

निर्वाचन कार्यक्रम

- प्रदेश के नगरीय निकायों के आम निर्वाचन-2022 के लिये दो चरणों में मतदान करवाया जा रहा है। निर्वाचन कार्यक्रम एवं नगरीय निकायों की चरणवार जानकारी संलग्न है।

चरणवार क्षेत्र वितरण निम्नानुसार है :-

क्र.	नगरीय निकायों का प्रकार	नगरपालिका निगम	नगरपालिका परिषद्	नगर परिषद्	कुल नगरीय निकाय	मतदान केन्द्रों की संख्या
1.	प्रथम चरण	11	36	86	133	13148
2.	द्वितीय चरण	05	40	169	214	6829
	योग	**16**	**76**	**255**	**347**	**19977**

- एक चरण में निर्वाचन सम्पन्न होने वाले जिलों की संख्या : 11
- दो चरणों में निर्वाचन सम्पन्न होने वाले जिलों की संख्या : 38
- जिला- अलीराजपुर, मण्डला एवं डिण्डोरी के नगरीय निकायों का कार्यकाल पूर्ण नहीं होने के कारण वहां निर्वाचन नहीं करवाया जा रहा है।

मतदाता सूची

- मतदाता सूची के अनुसार प्रदेश में कुल 1 करोड़ 53 लाख 23 हजार 738 मतदाता हैं।
  - पुरुष मतदाता : 78 लाख 68 हजार 406
  - महिला मतदाता : 74 लाख 54 हजार 236
  - अन्य मतदाता : 1 हजार 96

मतदान केन्द्र

- प्रदेश में निर्वाचन के लिए कुल 19 हजार 977 मतदान केन्द्र स्थापित किये गये हैं।
- औसत मतदाताओं की संख्या प्रति मतदान केन्द्र 767 है।

नाम निर्देशन पत्र की व्यवस्था

- नगरपालिक निगम के महापौर तथा सभी नगरीय निकायों के पार्षद पद के लिए नाम निर्देशन पत्र (प्ररूप-3) में प्राप्त किये जायेंगे।
- नाम निर्देशन पत्र के साथ अभ्यर्थी को निम्नानुसार निक्षेप राशि जमा करना होगी :-
  नगरपालिक निगम के महापौर पद के लिए - 20,000/- रुपये
  नगरपालिक निगम के पार्षद पद के लिए - 5000/- रुपये
  नगरपालिका परिषद् के पार्षद पद के लिए - 3000/- रुपये
  नगर परिषद् के पार्षद पद के लिए - 1000/- रुपये
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं महिला अभ्यर्थी के मामले में उपरोक्त निक्षेप राशि का आधा भाग जमा करना होगा।
- नाम निर्देशन पत्र के साथ अभ्यर्थी को निर्धारित प्ररूप में शपथ-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। शपथ-पत्र में प्रत्येक अभ्यर्थी के आपराधिक पूर्ववृत्त, आस्तियों, दायित्वों तथा शैक्षणिक अर्हता की घोषणा होगी।
- रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा इस जानकारी का सार्वजनिक प्रदर्शन अपने कार्यालय के सूचना पटल पर किया जायेगा।
- नगरीय निकायों के निर्वाचन में 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प मतदाताओं को उपलब्ध है।
- रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में नाम निर्देशन प्रस्तुत किये जाने के दौरान अभ्यर्थी के साथ अधिकतम 3 व्यक्ति प्रवेश कर सकेंगे।

मतदान दल

- निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान केन्द्रों पर लगभग 87 हजार 937 मतदान कर्मी नियुक्त किये जायेंगे।
- मतदान केन्द्रों पर नियोजित किये जाने के लिये जिलेवार डाटाबेस तैयार कर लिया गया है।
- प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एक पीठासीन अधिकारी एवं तीन मतदान अधिकारी नियुक्त किये जायेंगे।
- 1200 से अधिक मतदाता संख्या वाले मतदान केन्द्रों पर एक अतिरिक्त मतदानकर्मी की नियुक्ति की जायेगी।
- मतदानकर्मियों के तीसरे रेण्डमाईजेशन का समय मतदान प्रारम्भ होने के 24 घण्टे पूर्व किया जायेगा।

निर्वाचन व्यय लेखा

- आयोग द्वारा नगरीय निकायों के आम निर्वाचन में पार्षद पद के लिये निर्वाचन व्यय लेखा संधारण का प्रावधान प्रथम बार किया गया है। पार्षद पद के लिये निर्वाचन व्यय सीमा निम्नानुसार है :-
- अभ्यर्थी द्वारा निर्वाचन व्यय लेखा संधारण नहीं किये जाने अथवा मतगणना परिणाम के 30 दिवस के भीतर रिटर्निंग ऑफिसर को दाखिल नहीं किये जाने की स्थिति में अभ्यर्थी को निरर्हित किये जाने का प्रावधान है।

मतदान एवं मतगणना

- मध्यप्रदेश शासन द्वारा मध्यप्रदेश नगरपालिक विधि (संशोधन) अध्यादेश, 2022 दिनांक 26 मई 2022 के अनुसार नगरपालिक निगम में महापौर पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली से किया जायेगा।
- नगरपालिक निगम के महापौर एवं नगरपालिक निगम, नगरपालिका परिषद् एवं नगर परिषद् में पार्षद पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली से ईव्हीएम से कराया जायेगा।
- निर्वाचन में विभिन्न पदों हेतु मतपत्रों का रंग निम्नानुसार निर्धारित है :-
  - नगरपालिक निगम महापौर - सफेद
  - नगरपालिक निगम पार्षद - गुलाबी
  - नगरपालिका परिषद् पार्षद - पीला
  - नगर परिषद् पार्षद - नीला
- समस्त मतदान केन्द्रों पर मतदान का समय प्रातः 7:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक होगा।
- मतदान के लिये मतदाता को आयोग द्वारा विहित 20 पहचान पत्रों में से कोई एक पहचान पत्र साथ में लाना अनिवार्य होगा।
- मतगणना आयोग द्वारा निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार रिटर्निंग ऑफिसर मुख्यालय पर की जायेगी।
- नगरपालिक निगम के महापौर पद हेतु निर्वाचन व्यय सीमा :-

महापौर व्यय सीमा		
नगरीय निकाय का प्रकार	जनगणना-2011 के अनुसार जनसंख्या	निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा
नगरपालिक निगम	(एक) 10 लाख से अधिक (दो) 10 लाख से कम	(एक) 35 लाख रुपये (दो) 15 लाख रुपये

पार्षद व्यय सीमा		
नगरीय निकाय का प्रकार	जनगणना-2011 के अनुसार जनसंख्या	निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा
नगरपालिक निगम	(एक) 10 लाख से अधिक (दो) 10 लाख से कम	(एक) 8.75 लाख रुपये (दो) 3.75 लाख रुपये
नगरपालिका परिषद्	(एक) 1 लाख से अधिक (दो) 50 हजार से 1 लाख तक (तीन) 50 हजार से कम	(एक) 2.5 लाख रुपये (दो) 1.5 लाख रुपये (तीन) 1 लाख रुपये
नगर परिषद्		75 हजार रुपये

ई.व्ही.एम. प्रबंधन

- नगरीय निकायों के आम निर्वाचन के लिए प्रदेश में कुल 55 हजार ई.व्ही.एम. उपलब्ध हैं। निर्वाचन के लिये 30 हजार 761 ई.व्ही.एम. का उपयोग किया जायेगा।
- विभिन्न चरणों में उपयोग में लाई जाने वाली ई.व्ही.एम. की संख्या (रिज़र्व सहित) निम्नानुसार है :-

क्रमांक	चरण	ई.व्ही.एम. की संख्या
1.	प्रथम	18689
2.	द्वितीय	12072

- नगरपालिक निगम के महापौर एवं पार्षद पदों के निर्वाचन के लिए नोटा सहित 15 या 15 से कम अभ्यर्थी होने पर 01 कंट्रोल यूनिट एवं 02 बैलेट यूनिट का उपयोग किया जायेगा। किसी भी पद पर 15 से अधिक अभ्यर्थियों की स्थिति में 01 अतिरिक्त बैलेट यूनिट का उपयोग किया जायेगा।
- शेष नगरीय निकायों में पार्षद पद के निर्वाचन के लिए नोटा सहित 15 या 15 से कम अभ्यर्थी होने पर 01 कंट्रोल यूनिट तथा 01 बैलेट यूनिट का उपयोग होगा। 15 से अधिक अभ्यर्थियों की स्थिति में 01 अतिरिक्त बैलेट यूनिट का उपयोग किया जायेगा।
- नगरपालिक निगम इन्दौर एवं भोपाल के प्रत्येक वार्ड के लिए 05 ई.व्ही.एम. तथा नगरपालिक निगम जबलपुर एवं ग्वालियर के प्रत्येक वार्ड के लिए 03 ई.व्ही.एम. रिजर्व रखी गयी हैं।
- इसके अतिरिक्त शेष नगरपालिक निगम एवं नगरपालिका परिषद् में प्रत्येक वार्ड के लिए 02 ई.व्ही.एम. एवं नगर परिषद् के प्रत्येक वार्ड के लिए 01 ई.व्ही.एम. रिजर्व रखी गयी है।
- आयोग द्वारा प्रयुक्त ई.व्ही.एम. में मतदान का डाटा सुरक्षित रखे जाने के लिए डी.एम.एम. (डिटेचेबल मेमोरी मॉड्यूल) का उपयोग किया जाता है।
- ई.व्ही.एम. मशीनों की एफ.एल.सी. जनप्रतिनिधियों के समक्ष ई.सी.आई.एल. के इंजीनियरों द्वारा सम्पन्न की गई है।

निर्वाचन प्रतीक

- निर्वाचन प्रतीक एवं आरक्षण आदेश 1968 के अनुक्रम में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दलों को उनके लिए आरक्षित निर्वाचन प्रतीक आवंटित किये जायेंगे।
- राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिक निगम के महापौर पद के लिए 37 एवं नगरपालिक निगम /नगरपालिका परिषद/नगर परिषद् के पार्षद पद के लिए 31 मुक्त निर्वाचन प्रतीक अधिसूचित किये गये हैं। इनका प्रकाशन मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) 30 मई 2022 में किया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी (IT) का उपयोग

- निर्वाचन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जायेगा।
- नगरीय निकायों के अभ्यर्थियों के नामनिर्देशन के लिए ONLINE NOMINATION (ऑनलाइन नॉमिनेशन) की वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अभ्यर्थी स्वयं लैपटॉप/डेस्कटॉप से या सायबर कैफे/एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क/लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से अपना नामनिर्देशन पत्र भर सकता है।
- ONLINE NOMINATION के माध्यम से भरे गये नाम निर्देशन पत्र की हार्डकॉपी निर्धारित समयावधि में रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- निर्वाचन हेतु मतदान दल एवं मतगणना दल गठन एनआईसी द्वारा विकसित CEMS (कॉमन इलेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम) सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा।
- मतदाता सूची में दर्ज नाम की जानकारी आयोग की वेबसाइट www.mplocalelection.gov.in पर अथवा 'चुनाव' मोबाइल एप के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कॅरियर की राहें

ड्रोन टेक्नोलॉजी में तेजी से बढ़ रहे हैं कॅरियर के अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

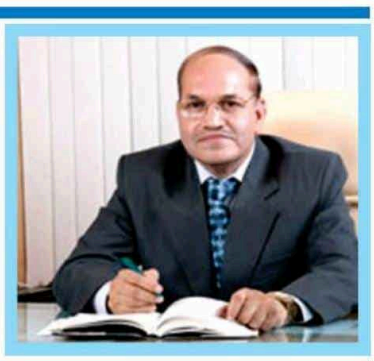

इस समय ड्रोन टेक्नोलॉजी में कॅरियर के मौके लगातार बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 मई 2022 को 'भारत ड्रोन महोत्सव 2022' का उद्घाटन करते हुए कहा कि ड्रोन के रूप में हमारे पास एक ऐसा स्मार्ट टूल आ गया है, जो बहुत जल्द सामान्य से सामान्य भारतीय के जीवन का हिस्सा बनने जा रहा है और जिससे रोज़गार के प्रचुर मौके भी बढ़ेंगे।

गौरतलब है कि कुछ साल पहले ड्रोन का नाम आते ही मन में ऐसे सैन्य विमान की छवि बनती थी, जिन्हें बिना पायलट के उड़ाया जा सकता है। आज ऐसा नहीं है। ड्रोन आमतौर पर किसी भी अनपायलटेड एयरक्रॉफ्ट यानी मानव रहित विमान को कहा जाता है, जिसे कई बार अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) यानी मानव रहित हवाई वाहन विमान भी कहा जाता है।

हर क्षेत्र में ड्रोन टेक्नोलॉजी से बढ़े कॅरियर के मौके

अब शहर हों या फिर देश के दूरदराज के गांव-देहात वाले इलाके, खेत हों या

फिर खेल के मैदान, डिफेंस से जुड़े कार्य हों या फिर विपदा प्रबंधन, हर जगह ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ रहा है। इसमें कोई दो-मत नहीं है कि देश में ड्रोन जीवन और उद्योग-कारोबार का अभिन्न अंग बनते हुए दिखाई दे रहा है। ड्रोन आसान और मुश्किल दोनों कार्य कर सकते हैं। इसका आकार कई बार किसी हवाई जहाज जितना बड़ा भी हो सकता है और अपनी हथेली जितना छोटा भी। अब फोटोग्राफी, कृषि, निगरानी और सामान की डिलीवरी जैसे विभिन्न कार्यों में छोटे-छोटे ड्रोन का प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि थर्मल तथा न्यूक्लियर पॉवर स्टेशनों में खतरनाक एवं जोखिम वाले तत्वों की साज-संभाल तथा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में भी इंसानों के बजाय ड्रोन्स एवं रोबोट्स का प्रयोग हो रहा है। ड्रोन को न्यूक्लियर साइंस, सी-एक्सप्लोरेशन, इलेक्ट्रिकल सिग्नल्स की ट्रांसमिशन सर्विस आदि के लिए भी उपयोग में लाया जाने लगा है। जिस तरह से दिन-प्रतिदिन ड्रोन की मांग बढ़ती जा रही है, उसे देखते हुए ड्रोन टेक्नोलॉजी एक शानदार एवं चमकदार कॅरियर बनता जा रहा है।

ड्रोन नीति 2021 से बढ़ रहे हैं रोज़गार के अवसर

उल्लेखनीय है कि जुलाई 2021 में जारी उदार ड्रोन नीति के बाद, भारत के ड्रोन बाजार में बहुत सारी गतिविधियां हो रही हैं। भारत में ड्रोन्स को उनके भार और आकार के आधार पर प्रमुख पांच कैटेगरीज में विभाजित किया गया है और कैटेगरी व उपयोग के मद्देनजर ड्रोन टेक्नोलॉजी को प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं, ताकि रोज़गार के अवसर बढ़ सकें। विभिन्न प्रकार के ड्रोन के तहत नैनो कैटेगरी में 250 ग्राम से कम या उसके बराबर वजन के ड्रोन शामिल हैं। सूक्ष्म कैटेगरी में 250 ग्राम से अधिक और 02 किलो ग्राम से कम या उसके बराबर के ड्रोन शामिल हैं। छोटे ड्रोन कैटेगरी में 02 किलो ग्राम से बड़ा और 25 किलो ग्राम से कम या उसके बराबर के ड्रोन शामिल हैं। मध्यम कैटेगरी में 25 किलो ग्राम से अधिक और 150 किलो ग्राम से कम या उसके बराबर के ड्रोन शामिल हैं। बड़े ड्रोन कैटेगरी में 150 किलो ग्राम से अधिक वजन के ड्रोन शामिल हैं। अब भारत सरकार ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और कुछ अन्य क्षेत्रों में ड्रोन का उपयोग करने की अनुमति दी है। सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम की घोषणा की, जिसमें ड्रोन से जुड़े नियमों को आसान बनाया गया है और प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। इन सबके कारण ड्रोन टेक्नोलॉजी रोज़गार प्रदान करने वाली टेक्नोलॉजी बन गई है।

ड्रोन इंडस्ट्री में वर्ष 2025 तक होंगे एक लाख से ज्यादा रोज़गार के अवसर

कुछ समय पहले तक पूरी तरह से आयात पर निर्भर भारत में आज ढाई सौ

से ज्यादा कंपनियां ड्रोन बनाने में लगी हैं। इस समय देश में ड्रोन इंडस्ट्री 5,000 करोड़ रुपये की है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2025-26 तक ड्रोन इंडस्ट्री 50,000 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक पहुंच सकती है। देश में ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए बनी गैर लाभकारी संस्था ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया का अनुमान है कि 2025 तक इस क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा रोज़गार के मौके निर्मित होंगे। ये मौके खासतौर से कृषि, सेना, लॉजिस्टिक्स, मेन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, खनन, मीडिया व एंटरटेनमेंट, बीमा आदि क्षेत्रों में होंगे।

ड्रोन टेक्नोलॉजी में कॅरियर की जरूरतें

ड्रोन टेक्नोलॉजी में जहां विभिन्न प्रकार के रोज़गार अवसर हैं, वहीं ड्रोन टेक्नोलॉजी से संबंधित विभिन्न रोज़गार के लिए अलग-अलग शैक्षणिक जरूरतें हैं और अलग-अलग कार्य योग्यताएं भी जरूरी हैं। चूंकि ड्रोन एक फ्लाइंग रोबोट होता है इसलिए ड्रोन का अध्ययन रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के अन्तर्गत ही किया जाता है। रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के अंतर्गत ड्रोन की डिजाइनिंग, उनका अनुरक्षण, नए एप्लिकेशन का विकास और अनुसंधान जैसे काम सम्मिलित किए जाते हैं। ड्रोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है। इंजीनियरिंग की रोबोटिक्स शाखा में ड्रोन का विकास तथा उपयोग करने के लिए तकनीकी दक्षता सिखाई जाती है। इसमें डिजाइन इंस्ट्रक्शन, ऑपरेशन टेस्टिंग, सिस्टम मेंटेनेंस तथा रिपेयरिंग आदि शामिल हैं। ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए रोबोटिक्स, कम्प्यूटर, आईटी, मेकेनिकल, मेकेट्रोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स अथवा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक की डिग्री प्राप्त करना आवश्यक है। यदि आप ड्रोन टेक्नोलॉजी में डिजायनिंग तथा कंट्रोल में विशेषज्ञता प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल करनी होगी। कंट्रोल तथा हार्डवेयर में डिजाइनिंग के लिए इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बीटेक डिग्री लाभदायक होती है। ड्रोन टेक्नोलॉजी में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्र गणित में बहुत अच्छे होने चाहिए। ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर बनाने हेतु 12वीं कक्षा में भौतिक एवं गणित विषय होना नितांत आवश्यक है। इसके साथ ही साथ उच्चतम प्रतियोगी तथा तकनीकी क्षेत्र में आविष्कार तथा कुछ नया करने के लिए सृजनात्मक योग्यता भी बेहद जरूरी है।

ड्रोन टेक्नोलॉजी से संबंधित पाठ्यक्रम

ड्रोन टेक्नोलॉजी से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम देश के विभिन्न भागों में स्थित कुछ प्रमुख टेक्नोलॉजी एवं इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट में संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही भारत में ड्रोन पायलट ट्रेनिंग के लिए चुनिंदा फ्लाइंग क्लब एवं फ्लाइंग एकेडमी विशेष कोर्स संचालित कर रही हैं। ऐसे में जो युवा ड्रोन टेक्नोलॉजी में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, उनके द्वारा उपयुक्तता और गुणवत्ता के आधार पर उपयुक्त संस्थान का चयन कर ड्रोन टेक्नोलॉजी में अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ा जा सकता है।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा प्रबंध

- सुरक्षा प्रबंध हेतु अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, गृह विभाग एवं पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश के साथ समीक्षा की गई है।
- स्ट्रांग रूम, मतदान केन्द्रों एवं मतगणना स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की जायेगी।
- नगरीय निकायों के आम निर्वाचन-2022 के लिए प्रदेश में मतदान केन्द्रों को संवेदनशील/अतिसंवेदनशील श्रेणी में चिन्हित कर मतदान के दिन सुरक्षा व्यवस्था की जायेगी।
- शांतिपूर्ण एवं सुचारू मतदान सम्पन्न कराये जाने के लिए सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जायेगी।
- निर्वाचन हेतु सभी जिलों में अतिरिक्त रूप से कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की नियुक्तियां कर ली गई हैं।

निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण अधिनियम

- नगरीय निकायों के निर्वाचन में मध्यप्रदेश स्थानीय प्राधिकरण (निर्वाचन अपराध) अधिनियम, 1964, मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 एवं मध्यप्रदेश सम्पत्ति विरूपण अधिनियम, 1994 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर सजा का प्रावधान भी है।
- निर्वाचन अपराध अधिनियम 1964 में झूठा शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाने पर दण्ड का प्रावधान किया गया है। जिसमें 06 माह की सजा एवं 25000/- रुपये जुर्माना निर्धारित किया गया है।

शिकायत निवारण

- निर्वाचन सम्बंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु आयोग मुख्यालय में एक कंट्रोलरूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष क्रमांक 0755-2551076 है।
- जिला स्तर पर शिकायतों के निराकरण हेतु जिला स्तरीय कंट्रोलरूम स्थापित किये जा रहे हैं।

प्रेक्षक

- निर्वाचन के पर्यवेक्षण हेतु आयोग द्वारा प्रत्येक जिले में प्रेक्षक नियुक्त किये जायेंगे।

मतदाता जागरूकता

- मतदाता जागरूकता के लिए SENSE से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।
- मतदाताओं को ई.व्ही.एम. की कार्यप्रणाली से अवगत करवाते हुए अधिकाधिक मतदान करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

आदर्श आचरण संहिता

- निर्वाचन के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने सम्बंधी घटनाओं पर नियंत्रण के लिए आयोग द्वारा आदर्श आचरण संहिता जारी की गई है, जो निर्वाचन कार्यक्रम जारी होने के साथ ही प्रभावशील हो गई है। आदर्श आचरण संहिता निर्वाचन परिणाम घोषित होने तक प्रभावशील रहेगी।
- आदर्श आचरण संहिता के प्रावधान राजनैतिक दलों, अभ्यर्थियों, शासकीय विभागों एवं कर्मियों तथा नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों पर लागू होंगे। राजनैतिक दलों पर भी यह प्रावधान समान रूप से लागू होंगे।

चुनाव प्रचार

- निर्वाचन के दौरान किसी भी अभ्यर्थी को प्रचार के लिए सभा/रैली/ जुलूस इत्यादि आयोजन के पूर्व सक्षम अधिकारी की अनुमति लेना अनिवार्य होगा।
- मतदान समाप्ति के समय से 48 घण्टे पूर्व की कालावधि के दौरान सार्वजनिक सभा, जुलूस, रैली आदि पर प्रतिबंध रहेगा।

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

प्रदेश में
खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर,
छिन्दवाड़ा, बीना, धार
एवं अशोकनगर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

बैंगनी क्रांति

जम्मू के भद्रवाह में पहला लैवेंडर महोत्सव

लैवेंडर अपनी खास खुशबू या महक के लिए जाना जाता है। लैवेंडर एक बारहमासी पौधा है। इस छोटे पौधे की लम्बी टहनियां होती हैं। इसमें छोटे-छोटे पर्पल कलर (बैंगनी रंग) के फूल आते हैं, उन्हें ही लैवेंडर कहा जाता है। लैवेंडर का प्रयोग चाय, कुकीज और मिठाइयों जैसी खाने की चीजों के साथ-साथ, घर सजाने में भी किया जाता है। इसकी खुशबू काफी मनमोहक होती है, जिससे इसकी खुशबू से ही आस-पास का वातावरण काफी अच्छा हो जाता है। इसलिए इसका ज्यादा उपयोग परफ्यूम बनाने में किया जाता है। इसके साथ ही इसके तेल के भी कई फायदे हैं। लैवेंडर का जल जो लैवेंडर के तेल से अलग होता है, उसका उपयोग अगरबत्ती बनाने के लिये किया जाता है। हाइड्रोसोल जो कि फूलों से आसवन के बाद बनता है, उसका प्रयोग साबुन और रूम फ्रेशनर बनाने के लिये किया जाता है।

हाल ही में जम्मू के भद्रवाह में भारत के पहले दो दिवसीय लैवेंडर महोत्सव का उद्घाटन किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने लैवेंडर फेस्टिवल का उद्घाटन करते हुए कहा कि भद्रवाह भूमि और जलवायु के मामले में लैवेंडर की खेती के लिए सबसे अच्छी जगह है। देश का पहला नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन भद्रवाह में बनाया जा रहा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि लैवेंडर की खेती से किसानों की आय न केवल दोगुनी, बल्कि चौगुनी हो गई है। डॉ. सिंह ने छह अलग-अलग स्थानों पर स्थित लैवेंडर के लिए सीएसआईआर-आईआईआईएम के तहत छह आसवन इकाइयों का भी उद्घाटन किया। लैवेंडर को डोडा ब्रांड उत्पाद के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने कहा कि डोडा भारत की बैंगनी क्रांति या पर्पल क्रांति (अरोमा मिशन) का जन्मस्थान है और कृषि स्टार्टअप उद्यमियों और किसानों को आकर्षित करने के लिए सरकार की 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल के तहत लैवेंडर को बढ़ावा दिया जा सकता है। सीएसआईआर-आईआईआईएम का अरोमा मिशन नवोदित किसानों और कृषि विज्ञान विशेषज्ञ को आजीविका का साधन प्रदान कर रहा है और स्टार्ट-अप इंडिया अभियान को बढ़ावा देने के लिए उद्यमिता की भावना को आगे ले जा रहा है।

अरोमा मिशन से शुरू हुई बैंगनी क्रांति

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के जरिए अरोमा मिशन की शुरुआत की थी। इस मिशन ने भारत में प्रसिद्ध 'बैंगनी क्रांति' को जन्म दिया है। सीएसआईआर ने कई जिलों में खेती के लिए जम्मू स्थित अपनी प्रयोगशाला- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (आईआईआईएम) के जरिए उच्च मूल्य की जरूरी तेल वाली लैवेंडर फसल की शुरुआत की थी। शुरुआत में डोडा, किश्तवाड़, राजौरी और इसके बाद अन्य जिलों, जिनमें रामबान और पुलवामा आदि शामिल हैं, में इसे शुरू किया गया था। थोड़े ही समय में अरोमा/लैवेंडर की खेती कृषिगत स्टार्टअप के लिए कृषि में एक लोकप्रिय विकल्प बन गई है।

वैंगनी या लैवेंडर क्रांति 2016 में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) अरोमा मिशन के माध्यम से शुरू की गई थी। जम्मू-कश्मीर के लगभग 20 जिलों में लैवेंडर की खेती की जाती है। पहली बार में किसानों को खेती के लिये मुफ्त में लैवेंडर के पौधे दिये गए, जबकि जिन किसानों ने पहले लैवेंडर की खेती की थी, उन्हें 5-6 रुपये प्रति पौधा दिया गया था।

अरोमा मिशन की बात करें तो इत्र उद्योग और ग्रामीण रोज़गार के विकास को बढ़ावा देने के लिये कृषि, प्रसंस्करण और उत्पाद विकास के क्षेत्रों में वांछित हस्तक्षेप के माध्यम से सुगंध क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिये सीएसआईआर (CSIR) द्वारा अरोमा मिशन की परिकल्पना की गई है। यह मिशन ऐसे आवश्यक तेलों के लिये सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा देगा, जिनकी अरोमा (इत्र) उद्योग में काफी अधिक मांग है। यह मिशन भारतीय किसानों और अरोमा (सुगंध) उद्योग को 'मेन्थॉलिक मिंट' जैसे कुछ अन्य आवश्यक तेलों के उत्पादन और निर्यात में वैश्विक प्रतिनिधि बनने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य उच्च लाभ, बंजर भूमि के उपयोग और जंगली एवं पालतू जानवरों से फसलों की रक्षा करके किसानों को समृद्ध बनाना है। वहीं इसका लक्ष्य आयातित सुगंधित तेलों की बजाय घरेलू किस्मों को बढ़ावा देकर घरेलू सुगंधित फसल आधारित कृषि अर्थव्यवस्था का समर्थन करना है।

अरोमा मिशन चरण-I एवं चरण-II की बात करें तो पहले चरण के दौरान CSIR ने करीब 6000 हेक्टेयर भूमि पर खेती करने में मदद की और देशभर के लगभग 46 आकांक्षी जिलों को कवर किया। इसके अलावा लगभग 44,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया। वहीं फरवरी 2021 में CSIR ने अरोमा मिशन का दूसरा चरण शुरू किया, जिसमें लगभग 45,000 से अधिक कुशल मानव संसाधनों को शामिल करने का प्रस्ताव था जिससे देश भर में लगभग 75,000 से अधिक किसान परिवारों को लाभ होगा। अरोमा मिशन के तहत जम्मू-कश्मीर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन ने 50 डिस्टिलेशन यूनिट स्थापित किए हैं। इनमें से पांच मोबाइल यूनिट हैं। अरोमा मिशन की नोडल एजेंसी सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय और सुगंधित पौधा संस्थान (CSIR-CIMAP), लखनऊ है।

भारत भूषण ने बनाई लैवेंडर की खेती से पहचान

डोडा जिले के सुदूर गांव खिलानी के रहने वाले भारत भूषण नाम के एक युवा सफलता की अनुकरणीय कहानी बन चुके हैं। भारत भूषण ने सीएसआईआर-आईआईआईएम के सहयोग से लगभग 0.1 हेक्टेयर भूमि में लैवेंडर की खेती शुरू की। इसके बाद जैसे-जैसे लाभ होना शुरू हुआ, उन्होंने अपने घर के आस-पास मक्के के खेत के एक बड़े क्षेत्र को भी लैवेंडर के बगान में बदल दिया। उन्होंने लगभग 20 लोगों को काम पर रखा है, जो उनके लैवेंडर के खेतों और नर्सरी में काम कर रहे हैं। वहीं, उनके जिले के लगभग 500 किसानों ने भी मक्के को छोड़कर बारहमासी फूल वाले लैवेंडर पौधे की खेती शुरू करके भारत भूषण का अनुसरण किया है। आईआईआईएम, जम्मू अरोमा और लैवेंडर की खेती में संलग्न स्टार्टअप को उनकी उपज बेचने में सहायता कर रही है। मुंबई में मौजूद अजमल बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, अदिति इंटरनेशनल और नवनैत्री गमिका जैसी प्रमुख कंपनियां इसकी प्राथमिक खरीदार हैं।

भारत का फ्लोरीकल्चर का बाजार

भारतीय फ्लोरीकल्चर का बाजार वर्ष 2018 में 157 बिलियन रुपये का था और वर्ष 2026 तक इसके 661 बिलियन रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो वर्ष 2021-2026 के दौरान 19.2 प्रतिशत की यौगिक वार्षिक विकास दर (Compound Annual Growth Rate) प्रदर्शित करता है। फ्लोरीकल्चर में नर्सरी उगाने, फूलों की खेती, नर्सरी व्यापार के लिये उद्यमिता विकास, मूल्यवर्द्धन और निर्यात के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को रोज़गार प्रदान करने की क्षमता है। भारत में विविध कृषि-जलवायु और एडैफिक स्थितियां (मिट्टी के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुण) एवं समृद्ध पौधों की विविधता है, फिर भी इसका वैश्विक फ्लोरीकल्चर के बाजार में केवल 0.6 प्रतिशत हिस्सा है। भारत में फ्लोरीकल्चर सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। इसका प्रमाण सरकार के अधीन आने वाली APEDA की रिपोर्ट हैं। भारत करोड़ों डॉलर के फूलों का एक्सपोर्ट कर रहा है। अमेरिका और नीदरलैंड में यहां के फूलों की भारी मांग है। एपीडा के आंकड़ों के मुताबिक भारत ने 2018-19 में 19,726 मीट्रिक टन फूलों का निर्यात, 81.94 मिलियन यूएस डॉलर में, जबकि 2019-20 में 75.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के 16949 मीट्रिक टन फूलों का निर्यात किया था। 2020-21 में 77.84 मिलियन अमेरिकी डॉलर के फूलों का एक्सपोर्ट हुआ था। एपीडा के मुताबिक भारत में 300 से अधिक यूनिट ऐसे हैं जो एक्सपोर्ट ओरियंटेड हैं। यानी इनका फोकस फूलों का निर्यात करने पर ही होता है। एपीडा के मुताबिक भारतीय फ्लोरीकल्चर उद्योग लगातार तरक्की कर रहा है। साल 2020-21 में भारत के लिए एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन के मामले में अमेरिका के अलावा नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम (यूके), जर्मनी और यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) भी टॉप फाइव में शामिल रहे।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. वर्ष 2022 में सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग की विजेता हैं?
(अ) पी.वी. सिंधु
(ब) अकाने यामागुची
(स) कैरोलिना मारिन
(द) साइना नेहवाल

2. इस वर्ष खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स किस शहर में आयोजित किए गए थे?
(अ) अहमदाबाद (ब) चंडीगढ़
(स) विशाखापटनम (द) बेंगलुरु

3. भारत ने कितनी बार अंडर-19 क्रिकेट एशिया कप जीता है?
(अ) पांच बार (ब) सात बार
(स) आठ बार
(द) इनमें से कोई नहीं

4. इस वर्ष किस इंग्लिश क्लब ने लीग कप का खिताब जीता है?
(अ) मैनचेस्टर सिटी
(ब) लिवरपूल
(स) आर्सेनल
(द) एस्टन विला

5. मियामी ओपन-2022 में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने हैं?
(अ) राफेल नडाल
(ब) डेनिल मेदवेदेव
(स) कार्लोस अलकराज
(द) इनमें से कोई नहीं

6. भारत ने वर्ष 2013 में किस देश को हराकर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी?
(अ) पाकिस्तान (ब) इंग्लैंड
(स) द. अफ्रीका (द) ऑस्ट्रेलिया

7. ब्रिटिश टेनिस स्टार एंडी मरे ने कितनी बार विम्बलडन ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं?
(अ) दो बार (ब) तीन बार
(स) चार बार (द) सात बार

8. खेल रत्न पुरस्कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं?
(अ) विश्वनाथन आनंद
(ब) लिएंडर पेस
(स) अभिनव बिंद्रा
(द) सचिन तेंदुलकर

9. कतर ने किस वर्ष एएफसी एशियन कप का खिताब जीता था?
(अ) वर्ष 2007 (ब) वर्ष 2011
(स) वर्ष 2015 (द) वर्ष 2019

10. वर्ष 2021 में फ्रेंच ओपन में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी थीं?
(अ) एश्ले बार्टी
(ब) वारबोरा क्रेजिकोवा
(स) सिमोना हालेप
(द) सोफिया केनिन

11. साक्षी मलिक किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) हॉकी (ब) एथेलेटिक्स
(स) कुश्ती (द) क्रिकेट

12. वर्ष 2021 में किस क्लब ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीता है?
(अ) रियल मैड्रिड (ब) चेल्सी
(स) बायर्न म्युनिख (द) जुवेंटस

13. किस खिलाड़ी ने फुटबॉल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा गोल किए हैं?
(अ) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
(ब) लियोनल मेसी
(स) थॉमस मुलर
(द) जिनेडिन जिदान

14. आर. प्रागननंदा किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) टेनिस (ब) शतरंज
(स) जिम्नास्टिक (द) तीरंदाजी

15. एमिलिया केर किस देश की दिग्गज महिला क्रिकेटर हैं?
(अ) न्यूजीलैंड (ब) द. अफ्रीका
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) इंग्लैंड

16. इनमें से किस भारतीय क्रिकेटर ने 100 टेस्ट मैच नहीं खेले हैं?
(अ) हरभजन सिंह
(ब) विराट कोहली
(स) इशांत शर्मा
(द) महेन्द्र सिंह धोनी

17. विश्व बैडमिंटन संघ की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
(अ) वर्ष 1930 (ब) वर्ष 1934
(स) वर्ष 1938 (द) वर्ष 1944

18. वर्ष 2021 में किस देश ने यूएफा नेशंस लीग का खिताब जीता है?
(अ) पुर्तगाल (ब) स्पेन
(स) फ्रांस (द) इटली

19. किस टीम ने सबसे ज्यादा चार बार बिग बैश लीग का खिताब जीता है?
(अ) सिडनी सिक्सर्स
(ब) ब्रिसबेन हीट्स
(स) सिडनी थंडर्स
(द) पर्थ स्कॉचर्स

20. वर्ष 2025 में कौन-सा देश आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा?
(अ) पाकिस्तान (ब) श्रीलंका
(स) वेस्टइंडीज (द) अमेरिका

21. मैक्स वर्स्टापेन ने इस वर्ष कौन-सी फॉर्मूला-वन रेस नहीं जीती है?
(अ) मियामी ग्रांप्री
(ब) सउदी अरेबियन ग्रांप्री
(स) स्पेनिश ग्रांप्री
(द) ऑस्ट्रेलियन ग्रांप्री

22. इस वर्ष कोरिया ओपन में महिला एकल वर्ग में चैम्पियन बनी हैं?
(अ) पी.वी. सिंधु
(ब) चेन यूफेन
(स) आन से यंग
(द) रत्चानोक इंतानोन

23. इनमें से कौन-सा पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन इस वर्ष फीफा वर्ल्ड कप में नहीं खेलेगा?
(अ) फ्रांस (ब) इटली
(स) स्पेन (द) ब्राजील

24. इस वर्ष विंटर ओलिंपिक में किस देश ने ल्यूज खेल में सभी चार स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) जर्मनी (ब) नॉर्वे
(स) इटली (द) कनाडा

25. इनमें से कौन-सा एशियाई देश कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेता है?
(अ) चीन
(ब) अफगानिस्तान
(स) ईरान
(द) मलेशिया

उत्तर

1. (अ), 2. (द), 3. (स), 4. (ब), 5. (स), 6. (ब), 7. (अ), 8. (अ), 9. (द), 10. (ब), 11. (स), 12. (ब), 13. (अ), 14. (ब), 15. (अ), 16. (द), 17. (ब), 18. (स), 19. (द), 20. (अ), 21. (द), 22. (स), 23. (ब), 24. (अ), 25. (द)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विवेक कुमार

प्रधानमंत्री के निजी सचिव बने

भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारी विवेक

कुमार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का निजी सचिव नियुक्त किया गया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। विवेक कुमार 2004 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं। वह 2014 में प्रधानमंत्री कार्यालय से बतौर डिप्टी सेक्रेटरी जुड़े थे और फिलहाल पीएमओ के डायरेक्टर हैं। इससे पहले वह विदेश मंत्रालय में सेवारत थे।

रॉल्स रॉयस

अल्ट्रा-लिमिटेड मॉडल वाली 195 करोड़ की दूसरी लग्जरी कार तैयार

लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी रॉल्स रॉयस के अल्ट्रा-

लिमिटेड मॉडल बोट टेल की दूसरी कार सामने आ गई है। कंपनी इस मॉडल की सिर्फ तीन कार बनाएगी। इस हैंड बिल्ट कार की कीमत 2 करोड़ पाउंड यानी करीब 194.5 करोड़ रुपये है। कंपनी ने इटली के लेक कोमो ने इस नई कार से पर्दा उठाया।

माई बीले

अमेरिका में 82 साल की उम्र में महिला ने हासिल की डिग्री

अमेरिका की एक महिला माई बीले ने 82 वर्ष की उम्र में

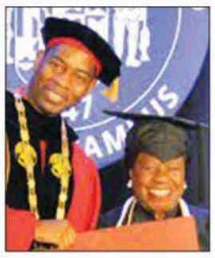

मैरीलैंड ग्लोबल कैंपस यूनिवर्सिटी से बिजनेस मैनेजमेंट में डिग्री हासिल की है। दरअसल बीले इवेंट प्लानिंग व्यवसाय से जुड़ी हुई हैं। अपने व्यवसाय में पारंगत होने के लिए उन्होंने यह निर्णय लिया और यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।

सलिल पारेख

फिर से इन्फोसिस के एमडी और सीईओ नियुक्त किये गये

देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस ने सलिल

पारेख को फिर से सीईओ और एमडी नियुक्त किया है। वह 1 जुलाई से 31 मार्च 2027 तक इस पद पर रहेंगे। वह बीते 4 साल से इन्फोसिस का नेतृत्व कर रहे हैं। इससे पहले सलिल कैपजेमिनी में ग्रुप एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सदस्य थे। उन्होंने यहां 25 वर्ष तक कई पदों पर काम किया। पारेख के पास आईटी सेक्टर में काम करने का 30 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

सुनील चोपड़ा

भारतवंशी कारोबारी दूसरी बार ब्रिटेन में मेयर चुने गये

भारतवंशी कारोबारी सुनील चोपड़ा दूसरी बार लंदन

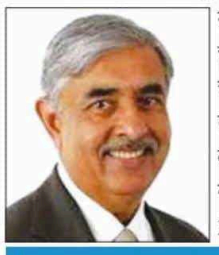

वरो ऑफ साउथवार्क के मेयर चुने गये हैं। दिल्ली में पैदा हुये चोपड़ा ने सेंट्रल लंदन में साउथवार्क गिरजाघर में शपथ ली। इससे पहले चोपड़ा लंदन वरो ऑफ साउथवार्क के 2014-15 में मेयर और 2013-14 में उप-मेयर रह चुके हैं। इस प्रतिष्ठित पद पर आसीन होने वाले वह पहले भारतवंशी हैं। ब्रिटेन की लेवर पार्टी ने चोपड़ा के नेतृत्व में लंदन ब्रिज और वेस्ट बरमोंड सीट पर लिबरल डेमोक्रेट्स को हराया। उन्होंने ब्रिटेन की राजनीति में 2010 में कदम रखा था।

कैलिफोर्निया

गूगल का नया हेडक्वार्टर

दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने माउंटेन व्यू स्थित

नया हेडक्वार्टर कर्मचारियों के लिये खोल दिया है। 42 एकड़ में बने इस ऑफिस में 4,000 लोग एक साथ काम कर सकेंगे। इस हाइटेक इको फ्रेंडली मुख्यालय की छत पर सौर पैनल लगाये गये हैं। इससे कंपनी को 2030 तक कार्बन मुक्त बनाने में मदद मिलेगी।

अनुषे हुसैन

एक हाथ से खड़ी चढ़ाई का रिकॉर्ड बनाया

दिव्यांग महिला अनुषे हुसैन ने एक हाथ से वर्टिकल

चढ़ाई का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने लंदन के कैसल क्लाम्बिंग सेंटर में 5 अप्रैल को एक घंटे में 374.85 मीटर चढ़ाई की है। अनुषे का कोहनी से नीचे दायां हाथ नहीं है।

विनय कुमार सक्सेना

दिल्ली के नये उपराज्यपाल बने

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन विनय कुमार

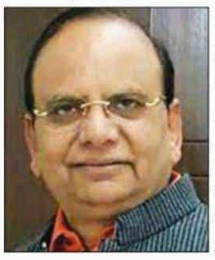

सक्सेना को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार उनकी नियुक्ति अनिल बैजल की जगह की गई है। जिन्होंने निजी कारणों से इस्तीफा दे दिया था। सक्सेना दिल्ली के 22वें उपराज्यपाल बने हैं।

नाथन पॉलिन

रस्सी पर 2.2 किलोमीटर चलने का विश्व रिकॉर्ड बनाया

फ्रांस के नाथन पॉलिन ने टाइट रोप (रस्सी) पर चलने

का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वे 100 मीटर ऊंचाई पर बंधी रस्सी पर 2.2 किलोमीटर तक चले। फ्रांस के मोंट-सेंट-मिशेल द्वीप पर दो सेंटीमीटर चौड़ी रस्सी पर यह दूरी तय करने में उन्हें दो घंटे लगे। नाथन अब एफिल टॉवर और मोंटपर्नासे टॉवर के बीच की 2.7 किलोमीटर दूरी रस्सी पर चलकर पूरी करना चाहते हैं।

जॉर्जिया

स्वतंत्रता दिवस पर संसद अध्यक्ष ने यूक्रेन से जताई हमदर्दी

जॉर्जिया के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति सैलोम जुराबिश्विली

ने समाज को आधिकारिक आदर्श वाक्य की याद दिलाई। इस दौरान संसद अध्यक्ष शाल्व पापुआश्विली ने यूक्रेन से हमदर्दी जताते हुये कहा कि हम सबसे अच्छी तरह से यूक्रेन के लोगों के दर्द को समझते हैं और उनके साथ हैं।

इटली

समुद्र में 15 फीट नीचे सब्जियों का अनूठा गार्डन

इटली के नोली शहर में मेडिटरेनियन समुद्र की सतह से 15 फीट नीचे एक अनूठा वेजिटेबल गार्डन बनाया गया है। नीमोज गार्डन के मालिक सर्गिनी गैम्बेरिनी है। यहां एयर टाइट बायोस्फियर्स में सब्जियां उगाई जाती हैं।

इसमें छह एक्रेलिक बायोम समुद्री सतह से नीचे जमीन से चेन द्वारा कसे गये हैं। इनमें 2000 लीटर हवा भरी है। इन बायोम्स में 90 प्लांट हैं। समुद्री पानी कंडेंस्ड होकर इन पौधों पर गिरता है, जिससे उन्हें पोषण मिलता है। गार्डन की लागत 18 करोड़ रुपये है।

प्रोफेसर नीलोफर खान

कश्मीर यूनिवर्सिटी की पहली महिला वाइस चांसलर नियुक्त

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने

प्रोफेसर नीलोफर खान को कश्मीर यूनिवर्सिटी की पहली महिला वाइस चांसलर नियुक्त किया है। नीलोफर होम साइंस डिपार्टमेंट की प्रोफेसर हैं। उनकी नियुक्ति 3 वर्ष के लिये की गई है। नीलोफर अब प्रोफेसर तलत अहमद की जगह लेंगी।

कनाडा

सांसद चंद्र आर्य ने कन्नड़ में दिया भाषण

भारत में जन्मे कनाडा के सांसद चंद्र आर्य द्वारा

मातृभाषा कन्नड़ में दिया गया एक भाषण सोशल मीडिया पर चर्चा में है। नेपियन के सांसद आर्य कर्नाटक के द्वारलु गांव के रहने वाले हैं। सोशल मीडिया पर भाषण की झलक साझा करते हुये आर्य ने कहा कि यह पहली बार है जब दुनिया की किसी संसद में कन्नड़ के बोल गूंजे हैं।

दीपशिखा डे

नासा की वार्षिक पेंटिंग प्रतियोगिता में जीता पहला पुरस्कार

नोएडा की 12 वर्षीय दीपशिखा डे के नाम कई राष्ट्रीय

और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली दीपशिखा ने नासा की वार्षिक पेंटिंग प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार जीता है। इस प्रतियोगिता का विषय 'द कॉमर्शियल क्रू प्रोग्राम चिल्ड्रन्स इंटरनेशनल आर्ट वर्क कॉन्टेस्ट' था। दीपशिखा 10 से 12 वर्ष की आयु वर्ग में शामिल हुई, जिसका विषय 'एक्सप्लोरिंग द सोलर सिस्टम' रखा गया था।

रूस ने

राष्ट्रपति बाइडेन सहित 963 लोगों पर लगाया ट्रेवल बैन

रूस ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित 963

लोगों की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह सभी व्यक्ति अब रूस नहीं आ सकते हैं। इन नामों में अभिनेता मॉर्गन फ्रीमैन का नाम भी शामिल है। रूस ने इस संबंध में अमेरिका के प्रतिबंधित लोगों की एक सूची जारी की है। इसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, लॉयड ऑस्टिन और सीआईए प्रमुख विलियम बर्न्स का नाम भी है।

पियाली बसाक

एवरेस्ट पर फहराया तिरंगा

पश्चिम बंगाल की पर्वतारोही पियाली बसाक ने एक नई

उपलब्धि हासिल करते हुये बिना पूरक ऑक्सीजन के माउंट एवरेस्ट (8848 मीटर) की चढ़ाई पूरी की है। एक अक्टूबर, 2021 को माउंट धौलागिरी-1 (8167 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह करने वाली बसाक पूरक ऑक्सीजन के बिना ही दुनिया के ऊंचे पर्वत शिखर पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। उन्होंने एवरेस्ट पर पहुंचने के बाद भारतीय तिरंगा भी फहराया।

बोरिस बोंडारेव

रूसी राजनयिक ने दिया इस्तीफा

जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में तैनात 41 वर्षीय

वरिष्ठ राजनयिक बोरिस बोंडारेव ने यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर अपने इस्तीफे की घोषणा की है। उन्होंने रूसी मिशन को सौंपे पत्र में कहा कि उन्होंने बतौर राजनयिक 20 वर्ष के कॅरियर में विदेश नीति में कई बदलाव देखें, लेकिन 24 फरवरी (यूक्रेन पर रूसी हमलों की शुरुआत) से पहले कभी अपने देश को लेकर इतनी शर्म महसूस नहीं हुई। उन्होंने राजदूत गेनेडी गैटिलोव को इस्तीफा सौंप दिया है।

यशस्वी एस. मिश्रा

सोलह माह के बच्चे ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

अपनी विलक्षण याददाश्त से रीवा के 16 माह के

यशस्वी मिश्रा ने एक बार फिर विश्व के सभी 195 देशों के राष्ट्रीय ध्वज पहचान कर दुनिया की दो प्रतिष्ठित संस्थाओं में अपना नाम दर्ज कराया है। विश्व की प्रतिष्ठित संस्था हार्वर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड और इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड ने सबसे कम उम्र में यह कारनामा करने वाले बच्चे का खिताब यशस्वी एस. मिश्रा को दिया है। 14 माह की उम्र में वह 26 देशों के ध्वज पहचानकर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में अपना नाम दर्ज करवा चुके हैं।

अनिल वाधवानी

ब्रिटिश कंपनी प्रूडेंशियल के सीईओ होंगे

भारतवंशी अनिल वाधवानी ब्रिटिश बीमा कंपनी प्रूडेंशियल

पीएलसी के सीईओ होंगे। वे फरवरी 2023 में कार्यभार संभालेंगे। 1848 में लंदन से शुरू हुई प्रूडेंशियल कंपनी का 2021 में रेवेन्यू 2.05 लाख करोड़ रुपये का रहा है। वाधवानी मनूलाइफ एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ रह चुके हैं।

मोहिंदर के मिधा

लंदन काउंसिल में पहली दलित महिला मेयर चुनी गईं

यूनाइटेड किंगडम की विपक्षी लेवर पार्टी की नेता

काउंसलर मोहिंदर के मिधा को पश्चिम लंदन में इयलिंग काउंसिल का मेयर चुना गया है। इसी के साथ वह किसी स्थानीय लंदन काउंसिल की मेयर बनने वाली दलित समुदाय की पहली महिला बन गई हैं। मिधा को साल 2022-23 के कार्यकाल के लिये चुना गया है।

स्मृति शेष

डोंगरी कवि और गीतकार सीताराम सपोलिया का निधन

डोंगरी के विख्यात कवि और गीतकार सीताराम

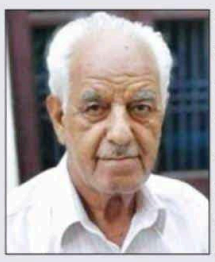

सपोलिया का 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनकी कविताएं, गीत, भजन डोगरा समाज की विशिष्टता बताते थे। 2013 में उनको दोहा सतसई के लिये साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके साथ ही उन्हें प्राइड ऑफ सांबा सम्मान, जम्मू-कश्मीर कला संस्कृति एवं भाषा अकादमी के अलावा कई साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संगठनों से पुरस्कार प्राप्त हुये हैं। उनके लेख और दोहे अकादमी की प्रमुख पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होते रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय प्रबन्ध संचालक

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड

(मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम)

पंजीकृत कार्यालय : निष्ठा परिसर, गोविंदपुरा, भोपाल-462023

सीआईएन : U40109MP2002SGC015119, फोन आफिस : 0755-2602033-34, फैक्स : 2589821

वेबसाइट : https://portal.mpcz.in, मानव संसाधन विभाग (ISO 9001:2008 प्रमाणित)

क्रमांक/प्रसं./म.क्षे./भर्ती/2022/2048 भोपाल, दिनांक : 30.05.2022

ट्रेड अप्रेंटिस शिक्षुता प्रशिक्षण (एक वर्षीय) हेतु आवेदन हेतु विस्तृत विज्ञापन

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमि. भोपाल जो मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल की एक उत्तरवर्ती कंपनी है के द्वारा म.प्र. के मूल निवासी अभ्यर्थियों के लिये जिन्होंने दसवीं कक्षा के साथ आई.टी.आई. (एन.सी.वी.टी./एस.सी.वी.टी.) उत्तीर्ण की हो से शिक्षुता अधिनियम 1961 के अंतर्गत इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रोनिक्स मैकेनिक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा), स्टेनो (हिन्दी) एवं स्टेनो (इंगलिश) ट्रेड अप्रेंटिस शिक्षुता प्रशिक्षण (एक वर्षीय) हेतु आवेदन आमंत्रित करती है। ट्रेड अप्रेंटिस शिक्षुता प्रशिक्षण (एक वर्षीय) हेतु वर्तमान में कुल रिक्तियां 180 हैं, जो कि प्रबंध संचालक कार्यालय भोपाल, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल/ग्वालियर, शहर वृत्त भोपाल/ग्वालियर तथा संचा.संधा. वृत्त (भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, बैतूल, राजगढ़, होशंगाबाद, हरदा, ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, दतिया, अशोकनगर) में रिक्त है।

स्थापनावार एवं ट्रेडवार रिक्तियों, न्यूनतम आयु, अधिकतम आयु, आरक्षण, आरक्षित वर्ग के अभ्यार्थियों के लिए अधिकतम आयु में छूट संबंधित विस्तृत जानकारी **https://portal.mpcz.in** वेबसाइट पर "Trade Apprentice Advertisement_Apply" से प्राप्त की जा सकती है। ऑनलाइन आवेदन **दिनांक 31.05.2022 को प्रातः 10:30 बजे से दिनांक 30.06.2022 की रात्रि 12:00 बजे तक** भरे जायेंगे। इसके पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकृत नहीं किये जावेंगे।

म.प्र. माध्यम/105145/47173/2022 मुख्य महाप्रबंधक (मा.स. एवं प्रशा.)

भारत सरकार, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान

ट्रैक्टर नगर, बुदनी, जिला–सीहोर (म.प्र.) 466445

कृषि मशीनरी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्ष 2022–23)

आगामी माहों में निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाये जाना प्रस्तावित है

पाठ्यकम का नाम	कोड	अवधि	प्रारंभ की तिथि	समाप्ति की तिथि	प्रशिक्षण प्रभार	पात्रता
उपयोगकर्ता स्तर पाठ्यक्रम						
कृषि में ऊर्जा प्रबंधन के लिये उपयुक्त मशीनीकरण तकनीक	U-1	4 सप्ताह	03.10.22 31.10.22 30.01.23	28.10.22 25.11.22 24.02.23	निःशुल्क	प्रगतिशील कृषक जो मशीनीकृत खेती के इच्छुक हों, ट्रैक्टर एवं कृषि मशीनरी के मालिक/प्रचालक/केन्द्र एवं राज्य सरकार के नामित अधिकारी/कर्मचारी, प्रचार–प्रसार कार्यकर्ता एवं निजी संस्थान के कर्मचारी, जो कृषि मशीनरी क्षेत्र में संलग्न हों।
उन्नत कृषि मशीनरी का चयन, प्रचालन, सुरक्षा व रखरखाव	U-2	6 सप्ताह	18.04.22 05.09.22 31.10.22 19.12.22 20.02.23	27.05.22 14.10.22 09.12.22 27.01.23 31.03.23		
पावर टिलर का प्रचालन, रखरखाव एवं प्रबन्धन	U-3	2 सप्ताह	05.09.22	16.09.22		
महिला कृषकों के लिए उपयुक्त सहयोगी उपकरण	U-5	3 दिन	आवश्यकतानुसार			
जल संरक्षण उपकरण एवं सूक्ष्म सिंचाई द्वारा जल प्रबन्धन	U-7	1 सप्ताह	09.01.23	13.01.23		
पौध संरक्षण उपकरण का चयन, प्रचालन एवं रखरखाव	U-8	1 सप्ताह	02.01.23	06.01.23		
उन्नत कटाई एवं गहाई उपकरणों का चयन, प्रचालन एवं रखरखाव	U-9	2 सप्ताह	14.11.22 13.03.23	25.11.22 24.03.23		
शुष्क खेती के लिए कृषि यंत्रों का चयन, प्रचालन और रखरखाव	U-11	2 सप्ताह	03.10.22	14.10.22		
फसल आधारित कृषि मषीनरी	U-12	1 सप्ताह	आवश्यकतानुसार			
कौशल विकास पाठ्यकम						
ट्रैक्टर प्रचालक	AGR/Q1101	5 सप्ताह	समाचार पत्रों एवं संस्थान की वेबसाइट पर विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा।		निःशुल्क	दसवीं कक्षा उत्तीर्ण
हार्वेस्टिंग मशीन प्रचालक	AGR/Q1102	5 सप्ताह				दसवीं कक्षा उत्तीर्ण
तकनीशियन स्तर पाठ्यकम						
स्टेशनरी इंजिनों एवं ट्रैक्टरों की मरम्मत व ओवरहालिंग	T-1	6 सप्ताह	04.04.22 17.10.22 12.12.22 30.01.23	13.05.22 25.11.22 20.01.23 10.03.23	रु. 50/– प्रति सप्ताह	ऐसे आवेदक जो ट्रैक्टर मैकेनिक, फार्म मैकेनिक, मैकेनिक एग्रीकल्चरल मशीनरी, डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन या अन्य समकक्ष विषयों पर आई.टी.आई. सर्टिफिकेट परीक्षा पास कर चुके हों/उन्नत कृषि मशीनरी का चयन, प्रचालन, सुरक्षा व रखरखाव पाठ्यक्रम/उपर्युक्त विषयों पर मरम्मत का अनुभव हो या केन्द्र/राज्य/निजी संस्थाओं/गैर सरकारी संगठन में कार्यरत संबंधित विषयों के अधिकारी/कर्मचारी।
उन्नत कृषि यंत्रों की मरम्मत हेतु कृषि यंत्र कर्मशाला स्थापना व प्रबन्धन	T-3	4 सप्ताह	25.07.22	18.08.22		
कृषि मशीनों के हाइड्रॉलिक सिस्टम का अध्ययन व मरम्मत	T-4	4 सप्ताह	05.09.22 28.11.22 23.01.23	30.09.22 23.12.22 17.02.23		
आटो इलेक्ट्रिकल उपकरण का रखरखाव एवं मरम्मत तथा बैटरी रि–कंडीशनिंग	T-5	3 सप्ताह	18.07.22 03.10.22 06.03.23	05.08.22 21.10.22 24.03.23		
बिजली की मोटरें एवं सबमर्सिबल पम्प का रखरखाव, मरम्मत तथा रि–वाइंडिंग	T-6	3 सप्ताह	08.08.22 25.10.22 27.03.23	26.08.22 11.11.22 14.04.23		
भूविकास मशीनरी (डोजर, ट्रैक्टर चलित फ्रंट डोजर व बैंक हो आदि) का प्रचालन व रखरखाव	T-7	4 सप्ताह	18.04.22	13.05.22		
डीजल पम्पिंग सेट का स्थापन, मरम्मत व ओवरहालिंग	T-8	2 सप्ताह	आवश्यकतानुसार			
कम्बाइन हार्वेस्टर एवं भूसा–मशीन का स्थापन, रखरखाव एवं मरम्मत	T-9	3 सप्ताह	20.02.23	10.03.23		
शैक्षणिक स्तर पाठ्यकम						
डिग्री/डिप्लोमा स्तर के अभियांत्रिकी छात्रों के लिए फार्म पावर एवं मशीनरी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	A-1	4 सप्ताह	02.05.22 30.05.22 04.07.22 01.08.22 02.01.23	27.05.22 24.06.22 29.07.22 26.08.22 27.01.23	रु. 2000/–	विभिन्न कॉलेजों के कृषि/यांत्रिकी इंजीनियरिंग, स्नातक/डिप्लोमा/आई.टी.आई./वोकेशनल व्यवसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत नामित विद्यार्थियों के लिए। **(उपरोक्त पाठ्यक्रम हेतु आवेदन संस्था द्वारा प्राप्त होने पर ही विचार किया जायेगा व्यक्तिगत आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा)** ।
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के छात्रों के लिए फार्म पॉवर एवं मशीनरी पर व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	A-2					
प्रबन्धन स्तर पाठ्यकम कृषि मशीनरी प्रबन्धन	M-2	1 सप्ताह	आवश्यकतानुसार		रु. 2500/–	प्रगतिशील कृषक/ट्रैक्टर एवं कृषि मशीनरी निर्माताओं/शासकीय विभागों/गैर सरकारी संगठन द्वारा नामित इंजीनियर/प्रबंधकों/कर्मचारियों/कृषकों के लिए।
आवश्यकता पर आधारित पाठ्यकम	NB	–	आवश्यकतानुसार		रु. 250/– प्रति सप्ताह (कृषकों हेतु निःशुल्क)	
प्रशिक्षु प्रशिक्षण **www.mhrdnats.gov.in (For Degree pass out)**	Graduate Apprentice	1 वर्ष	**नियमानुसार प्रतिमाह प्रशिक्षण वृत्तिका**			कृषि इंजीनियरिंग स्नातक उत्तीर्ण **(दिये गये वेबसाइट पर पंजीकरण करें)**।
www.apprenticeship.gov.in (For ITI pass out)	Trade Apprentice	1 वर्ष	**नियमानुसार प्रतिमाह प्रशिक्षण वृत्तिका**			ट्रैक्टर/डीजल/मोटर मैकेनिक/इलेक्ट्रीशियन/कोपा में आई.टी.आई. उत्तीर्ण **(दिये गये वेबसाइट पर पंजीकरण करें)**।

आवेदन कैसे करें – आवेदक अपना विस्तृत विवरण, यथा 1. नाम, 2. पिता का नाम, 3. जन्म तिथि, 4. वर्ग, 5. पत्र व्यवहार का पता, 6. प्रशिक्षण का उद्देश्य 7. शैक्षणिक योग्यता व तकनीकी योग्यता, 8. कृषि भूमि (एकड़/हेक्टर) 9. कृषि मशीनों को चलाने का अनुभव, इत्यादि विवरण सादे कागज पर दे सकते हैं और शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता, कृषि एवं तकनीकी क्षेत्र में अनुभव, रोजगार (नौकरी) इत्यादि से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कागजातों की फोटो प्रतिलिपियों के साथ, संस्थान के निदेशक को वर्ष में कभी भी और या पाठ्यक्रम प्रारंभ होने के एक माह पूर्व तक, अपने आवेदन भेज सकते हैं। यदि चाहें तो निर्धारित आवेदन प्रपत्र व्यक्तिगत तौर पर प्राप्त कर सकते हैं। ई–मेल के द्वारा भी आवेदन किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं आवेदन–पत्र संस्थान की वेबसाइट से भी डाउनलोड किये जा सकते हैं। पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त न होने पर किसी भी पाठ्यक्रम को निरस्त किया जा सकता है। **सुविधा** – उपयोगकर्ता स्तर पाठ्यक्रम एवं कौशल विकास पाठ्यक्रम में, नामित कर्मचारियों को छोड़कर, प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रति दिन रुपये 200/– प्रशिक्षण वृत्तिका दी जाती है एवं प्रशिक्षणार्थी के निवास से कम से कम दूरी का आने एवं वापस जाने का न्यूनतम श्रेणी का किराया (मूल टिकिट जमा करने पर) भुगतान किया जाता है। सभी पाठ्यक्रम के सभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए संस्थान में वास्तविक दरों पर भोजन व्यवस्था एवं ठहरने के लिए निःशुल्क छात्रावास उपलब्ध है। उपयोगकर्ता स्तर पाठ्यक्रम एवं कौशल विकास पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण वृत्तिका देने का प्रावधान नहीं है तथा आने–जाने का किराया भी संस्थान द्वारा प्रदान नहीं किया जाएगा। प्रशिक्षु प्रशिक्षणार्थियों को नियमानुसार प्रतिमाह प्रशिक्षण वृत्तिका प्रदान की जाती है। **उम्र** – सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होना चाहिए (नामित उम्मीदवारों को छोड़कर) और उनको हिन्दी या अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है। **संस्थान का पता**, : यहां आवेदन भेजे जा सकते हैं/सम्पर्क किया जा सकता है।

निदेशक केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, ट्रैक्टर नगर, बुदनी, जिला–सीहोर (म.प्र.) 466445

E-mail : fmti-mp@nic.in, Website : www.fmttibudni.gov.in, Phone No. 07564-235009/234729, Fax No. 07564-234743

R-47174/2022 म.प्र. माध्यम/105214/2022

एम.पी. इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

टी.व्ही. टॉवर के पास, उद्योग भवन, कटंगा, जबलपुर (म.प्र.)

क्रमांक-एमपी आईडीसी/क्षे.का.ज./तक./2022/850 जबलपुर, दिनांक : 20.05.2022

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptender.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु.	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य की राशि	कार्यावधि
औद्योगिक क्षेत्र अमकुही, जिला कटनी में अधोसंरचना विकास कार्य जैसे डामर सड़क, नाली, जलप्रदाय, स्ट्रीट लाइट इत्यादि।	रु. 4.00 लाख	रु. 17700 जी.एस.टी. सहित	रु. 400.43 लाख	06 माह वर्षाकाल सहित

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **mptender.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/104966/47166/2022 कार्यकारी संचालक

एम.पी. इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

टी.व्ही. टॉवर के पास, उद्योग भवन, कटंगा, जबलपुर (म.प्र.)

क्रमांक-एमपी आईडीसी/क्षे.का.ज./तक./2022/856 जबलपुर, दिनांक : 20.05.2022

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptender.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं :-

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु.	निविदा प्रपत्र शुल्क	कांट्रेक्ट की राशि	कार्यावधि
औद्योगिक विकास केन्द्र बोरगांव, जिला छिंदवाड़ा में 300 एमएम व्यास की डीआई पाइप लाइन से संबंधित कार्य।	रु. 1.00 लाख	रु. 14750 जी.एस.टी. सहित	रु. 100.81 लाख+ जी.एस.टी.	06 माह वर्षाकाल सहित

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **mptender.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/104967/47167/2022 कार्यकारी संचालक

एम.पी. इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

टी.व्ही. टॉवर के पास, उद्योग भवन, कटंगा, जबलपुर (म.प्र.)

क्रमांक-एमपी आईडीसी/क्षे.का.ज./तक./2022/861 जबलपुर, दिनांक : 20.05.2022

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptender.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं :-

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु.	निविदा प्रपत्र शुल्क	कंसल्टेंसी कार्य हेतु कांट्रेक्ट की राशि
औद्योगिक क्षेत्र अमकुही, जिला कटनी एवं औद्योगिक क्षेत्र उमरिया-डुंगरिया फेस-1 एक्सटेंशन में अधोसंरचना विकास कार्यों जैसे डामर सड़क, नाली, जलप्रदाय, स्ट्रीट लाइट इत्यादि हेतु सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल कंसलटेंट की नियुक्ति।	रु. 0.30 लाख	रु. 5900 जी.एस.टी. सहित	रु. 12.16 लाख + जी.एस.टी. एवं रु. 6.01 लाख + जी.एस.टी.

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **mptender.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/104965/47165/2022 कार्यकारी संचालक

मध्यप्रदेश पुलिस हाऊसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.), फोन : 0734-2527715

Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबा. : 9406808103

क्र. 605/पय/मप्रपुहाइडेकालि/22/उज्जैन दिनांक 30.05.2022

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 10/2022-23 (छठा आमंत्रण)

मध्यप्रदेश पुलिस हाऊसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 10/2022-23 दिनांक 30.06.2022 के अंतर्गत 400 मीटर सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रेक, नानाखेड़ा स्टेडियम, उज्जैन (टॉप लेयर्स ओव्हर सबग्रेड) कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2022_MPPHC_208064 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 30.05.2022 17.00 बजे** से क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/105140/47170/2022 परियोजना यंत्री

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002

Email : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 12/2022-23 30 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का 50 बिस्तर सिविल अस्पताल में उन्नयन एवं निर्माण कार्य जयसिंहनगर जिला-शहडोल (ऑनलाइन निविदा क्र. 2022_MPPHC_208624) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 10.06.2022 तक खरीद कर सायं 18:00 बजे तक** सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/105202/47172/2022 परियोजना यंत्री

बारहवीं की परीक्षा में कृषि संकाय में प्रदेश में प्रथम स्थान अर्जित करने वाली छात्रा का साक्षात्कार

कृषि क्षेत्र में कुछ बड़ा करने की महत्वाकांक्षा है कृपा के मन में

किसी भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयत्न के साथ अटूट विश्वास भी जरूरी है। अपनी क्षमता पर विश्वास और लक्ष्य हासिल करने के अनवरत प्रयत्न से सफलता की एक ऐसी ही मिसाल कायम की है रतलाम जिले के गांव की प्रतिभाशाली छात्रा कृपा कांवरिया ने।

कृपा ने हाल ही में घोषित माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हायर सेकेण्डरी (बारहवीं) की वर्ष 2022 की परीक्षा में कृषि संकाय में प्रदेश में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रावीण्य सूची में पहला स्थान हासिल किया है। पिछले दिनों उनकी इस उपलब्धि पर उनसे चर्चा हुई, प्रस्तुत है रोज़गार और निर्माण में इस बातचीत के सम्पादित अंश-

- **माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हायर सेकेण्डरी परीक्षा में कृषि संकाय में समूचे मध्यप्रदेश में अव्वल रहने पर बधाई। क्या आपको इस सफलता की उम्मीद थी?**

○ बधाई के लिये धन्यवाद। मैंने जब हाईस्कूल के बाद ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के लिए कृषि संकाय को चुना था तब मैं इस परीक्षा में बड़ी सफलता पाना चाहती थी। मैंने इस परीक्षा की जो तैयारी की थी उससे मुझे अच्छे अंक प्राप्त करने की उम्मीद तो थी मगर मैं मेरिट लिस्ट में पहले स्थान पर रहूंगी, यह मेरे लिए अपेक्षा से अधिक रहा। मैं इस परीक्षा में कुल पांच सौ में से चार सौ 79 यानी छियानवे प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में अव्वल रही इससे मैं और मेरे परिवार वाले बड़े खुश हैं। मेरे पिता को उम्मीद थी कि मैं इस परीक्षा में पिन्च्यानवे प्रतिशत अंक प्राप्त करूंगी मगर मुझे उससे एक प्रतिशत अधिक अंक मिले। माध्यमिक शिक्षा मण्डल की परीक्षाओं में जहाँ आपकी स्पर्धा राज्यस्तरीय होती है वहाँ केवल उम्मीद नहीं, कड़ी मेहनत भी जरूरी होती है।

- **आपने अपनी शिक्षा कहाँ से प्राप्त की?**

○ हम मूल रूप से रतलाम जिले के गांव रियावन के रहने वाले हैं। मैंने गांव रियावन के सरकारी स्कूल से ही दसवीं तक की पढ़ाई की। उसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए मेरे पिता समरथजी ने, जो एक किसान हैं मुझे जावरा के माधवानंद अकादमी के कृषि संकाय में मेरा एडमिशन करवाया जहां से मैंने बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। कृषि संकाय की पढ़ाई में कृषि कार्य की पारिवारिक पृष्ठभूमि भी मेरी पढ़ाई में सहायक रही।

- **इस एक बड़ी सफलता का श्रेय आप किसको देना चाहेंगी?**

○ सबसे पहले मैं इस बड़ी सफलता का श्रेय अपने स्कूल माधवानंद अकादमी, जावरा को देना चाहूंगी। इस अकादमी के शिक्षक रितेश धाकड़, मनीष शर्मा और डायरेक्टर राजेंद्र श्रोत्रिय और ऊषा श्रोत्रिय का मार्गदर्शन लगातार मिला और उससे मैं यह सफलता प्राप्त कर सकी। मैं इस सफलता का श्रेय अपने परिवार को भी देना चाहूंगी। मेरे पिता ने मेरी पढ़ाई के लिए गांव छोड़कर जावरा के राजेंद्र जयंत परिसर में किराए पर घर लिया और माधवानंद एकेडमी में कृषि संकाय में मेरा एडमिशन करवाया। परिवार ने मेरी पढ़ाई के लिए पूरा समर्थन देकर मुझे प्रेरित किया। मेरा परिवार इस मामले में हमेशा मेरे साथ रहा।

- **आपने अध्ययन के लिए कृषि संकाय का ही चयन क्यों किया? आगे आपकी क्या योजना है?**

○ मेरे पिता किसान हैं और खेती में आने वाली समस्याएं मैंने देखी हैं और इसी से मैंने कृषि क्षेत्र में कुछ बड़ा करने की ठानी। मेरा सपना आगे कृषि अधिकारी बनकर किसानों के हित में काम करने का है। मैंने देखा है कि किसानों को कड़ी मेहनत के बाद भी उतना मुनाफा नहीं मिलता है जितने के वे हकदार हैं। कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान के लाभ भी हर खेत तक नहीं पहुंच पा रहे हैं मैं ऐसे अनुसंधान का लाभ गांव-गांव, खेत-खेत तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि राज्य में कृषि विज्ञान केन्द्रों की जो जिला स्तरीय श्रृंखला है, उसे विकासखण्डों तक बढ़ाया जाये।

- **आपने इस परीक्षा की तैयारी किस प्रकार की। आप प्रतिदिन कितने घण्टे पढ़ती थीं?**

○ परीक्षा की तैयारी में मैंने पूरे पाठ्यक्रम के अनुसार ही पढ़ाई की, मैंने केवल इम्पॉर्टेन्ट चैप्टर पढ़ने का जोखिम नहीं उठाया। मैं प्रतिदिन चार से पांच घण्टे पढ़ाई करती थी। जो भी टॉपिक मैं पढ़ती उन्हें पढ़ने के साथ समझती भी थी। उससे परीक्षा के समय मुझ पर पढ़ने का अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ा और मैं सुगमता से अच्छे अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर पाई। परीक्षा की तैयारी के लिए एकाग्रता बेहद जरूरी है और इसीलिए मैंने तैयारी के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया। यदि हम अपनी पढ़ाई के दौरान सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखते हैं तो यह हमारे लिए लाभकारी रहेगा।

- **कृपा आप अपनी इस सफलता के आधार पर आने वाले समय में बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने वाली छात्र-छात्राओं को - 'रोज़गार और निर्माण' के माध्यम से क्या कहना चाहेंगी?**

○ मैं अपने अनुभव के आधार पर यही कहना चाहूँगी कि बड़ी सफलता के लिए हमेशा बड़ी तैयारी करना होती है। बोर्ड परीक्षा की तैयारी में तो समूचे पाठ्यक्रम को पढ़ना जरूरी है। सतत् अध्ययन और जो चैप्टर समझने में दिक्कत हो उसके लिए अपने शिक्षक की मदद लेना ही इस सफलता की बुनियादी जरूरत है। कड़ी मेहनत और पढ़ाई के लिए एकाग्रता के मूलमंत्र से ही आप परीक्षा में उच्चतम अंक अर्जित कर सकते हैं।

- अस्मिता दुबे
(युवा रचनाकार और प्रबन्धन विषय में अध्ययनरत)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

झीलों की नगरी के नाम से प्रसिद्ध है भोपाल

देश की हृदय स्थली मध्यप्रदेश राज्य के हृदय स्थल भोपाल जिले का गठन सितम्बर 1972 में हुआ। जिले का मुख्यालय भोपाल है, जो राज्य की राजधानी भी है।

सन् 1956 में मध्यप्रदेश के गठन के साथ ही भोपाल को इसकी राजधानी बनाया गया। इसके बाद सन् 1972 में भोपाल को अलग से एक जिला बनाया गया। इसके पहले यह सीहोर जिले की एक तहसील था। भोपाल जिले के उत्तर में गुना जिला, उत्तर-पूर्व में विदिशा जिला, दक्षिण-पूर्व में रायसेन जिला, दक्षिण व दक्षिण-पश्चिम में सीहोर जिला तथा उत्तर-पश्चिम में राजगढ़ जिला स्थित है। भोपाल शहर जिले के दक्षिणी भाग में स्थित है। भोपाल जिले ने अनेकता में एकता की परिकल्पना को साकार किया है। यहां सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों के लोग आपसी सद्भावना एवं भाईचारे के साथ रहते हैं। झीलों एवं पहाड़ियों से घिरा यह जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है।

भोपाल में स्थित भारत भवन, मानव संग्रहालय, स्वराज भवन एवं रवीन्द्र भवन जैसे कई केंद्र देश-प्रदेश की कला व संस्कृति को सहेजने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वन्यप्राणियों के संरक्षण के लिए यहां वन विहार भी विकसित किया गया है, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के वन्यप्राणी देखे जा सकते हैं। देश की भव्य औद्योगिक इकाइयों में से एक भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स (बीएचईएल) ने भी जिले को विशिष्ट पहचान दी है।

इतिहास

भोपाल राज्य 18वीं शताब्दी में देश का एक स्वतंत्र राज्य था। 1818 से 1947 तक एक रियासत था और 1949 से 1956 तक एक भारतीय राज्य था। इसकी राजधानी भोपाल शहर थी।

कुछ इतिहासविदों के अनुसार प्राचीन काल में भोपाल 'महाकौतार' का एक हिस्सा था।

भोपाल शहर को 11वीं शताब्दी में महान परमार राजा भोज (1000-1055 ईसवी) ने भोजपाल के नाम से बसाया था। इसके बाद कई शासकों ने इस क्षेत्र पर शासन किया। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार वर्तमान शहर की स्थापना एक अफगान सैनिक दोस्त मोहम्मद (1708-1740) ने की थी।

14वीं शताब्दी की शुरुआत में योरदम नामक एक गोंड शासक ने गढ़ा मंडला में अपने मुख्यालय के साथ गोंड साम्राज्य की स्थापना की। मालवा में मुगल आक्रमण के दौरान भोपाल राज्य के साथ क्षेत्र का एक बड़ा क्षेत्र गोंड साम्राज्य के कब्जे में था। गोंड राजा निज़ाम शाह इस क्षेत्र के शासक थे। उनकी मौत के बाद उनकी पत्नी कमलापति और नाबालिग पुत्र नवल शाह असहाय हो गए। तब रानी कमलापति ने एक अफगान सरदार दोस्त मोहम्मद खान के साथ एक समझौता किया, ताकि वे राज्य के मामलों का प्रबंधन कर सकें। रानी कमलापति की मृत्यु के बाद दोस्त मोहम्मद खान ने क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और 1722 में भोपाल को अपनी राजधानी बनाने का फैसला किया।

बाद में इस क्षेत्र पर नवाबों और बेगमों ने शासन किया। जब देश आजाद हुआ तब हाफिज मुहम्मद हमीदुल्लाह खान बहादुर (1926-1947) यहां के शासक थे। आजादी के दो साल बाद 1 जून, 1949 को इस रियासत का विलय देश में हुआ।

अर्थव्यवस्था

जिले की मुख्य फसल गेहूं है। आलू सहित कई बागवानी फसलें भी यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती देती हैं।

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग व विनिर्माण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स की भोपाल में स्थित यूनिट और गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के सैकड़ों छोटे-बड़े कारखानों से लाखों लोगों को रोज़गार मिलता है। भोपाल की हस्तकला जरी-जरदोजी भी देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुकी है। मेडिकल इंस्टीट्यूट, कई बड़े शिक्षा संस्थान और पर्यटन भी जिले की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपना योगदान देते हैं।

भोपाल जिला प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन- 13 सितम्बर, 1972
2. संभाग- भोपाल
3. जिला मुख्यालय- भोपाल
4. क्षेत्रफल- 2772 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या- 2368145 (पुरुष-1239378, महिलाएं-1128767)
6. लिंग अनुपात-918
7. जनघनत्व- 855 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता- 80.37 प्रतिशत
9. तहसीलें- 3 (हुजूर, बैरसिया, कोलार)
10. राजस्व अनुभाग- 2 (हुजूर, बैरसिया)
11. ग्राम पंचायत- 202
12. ग्राम- 614
13. जनपद पंचायत- 2
14. नगर निगम- 1
15. विकासखंड- 2 (फन्दा, बैरसिया)
16. विधानसभा क्षेत्र- 7 (बैरसिया, भोपाल दक्षिण-पश्चिम, भोपाल मध्य, भोपाल उत्तर, गोविंदपुरा, हुजूर, नरेला)
17. लोकसभा क्षेत्र- 1 (भोपाल)
18. भाषा एवं बोली- हिन्दी

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1. भोपाल प्राचीनता तथा नवीनता का अद्भुत संगम है। एक ओर पुराना शहर है, जहां सुंदर मस्जिदें, महल और सुंदर इमारतें हैं, वहीं दूसरी ओर नए शहर में पार्क, झीलें और प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थापित सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े बड़े कला केंद्र हैं।
2. बड़ी झील के नाम से प्रसिद्ध भोपाल के बड़े तालाब का निर्माण परमार राजा भोज ने कराया था। अब इसे अपर लेक और भोजताल के नाम से भी जाना जाता है। राजा भोज की स्मृति में इस झील में उनकी विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है।
3. भोपाल में राष्ट्रीय वन प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय विधि संस्थान, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सहित कई प्रमुख संस्थान स्थित हैं।
4. भोपाल में स्थित ताज-उल-मस्जिद एशिया की बड़ी मस्जिदों में शामिल है। इसका निर्माण कार्य तत्कालीन भोपाल रियासत की शासिका शाहजहां बेगम ने शुरू करवाया था।
5. एशिया की सबसे छोटी मस्जिद भी भोपाल में ही है। 'ढाई सीढ़ी' नाम की इस मस्जिद का निर्माण दोस्त मोहम्मद खान के शासन काल में हुआ था।
6. पांच पहाड़ियों पर बसे भोपाल की एक अनूठी पहचान यह भी है कि यहां स्थानों की पहचान नंबर से होती है। यहां एक नंबर, दो नंबर से लेकर 10 नंबर, साढ़े 10 नंबर, 11 नंबर, साढ़े 11 नंबर से अलग-अलग जगहों को जाना जाता है।
7. भोपाल में भारत भवन, मानव संग्रहालय, जनजातीय संग्रहालय, राज्य संग्रहालय, शौर्य स्मारक, वन विहार, गौहर महल, इस्लामनगर सहित कई दर्शनीय और ऐतिहासिक महत्व के स्थल हैं।
8. भोपाल स्थित नया और पुराना विधानसभा भवन वास्तुकला के हिसाब से देश की खूबसूरत इमारतों में शामिल है। मशहूर डिजाइनर चार्ल्स कोरिया द्वारा डिजाइन किए गए नए विधानसभा भवन का शुभारंभ 3 अगस्त, 1996 को हुआ था। पुरानी विधानसभा (मिंटो हॉल या कुशाभाऊ कन्वेंशन सेंटर) को भी अब संरक्षित कर कन्वेंशन सेंटर का रूप दे दिया गया है।
9. भोपाल का वन विहार एक अनूठा राष्ट्रीय उद्यान है, जिसे एक आधुनिक चिड़ियाघर के रूप में मान्यता प्राप्त है। बड़े तालाब के पास पहाड़ी पर करीब 4.45 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस चिड़ियाघर को 26 जनवरी 1983 को अंतःस्थलीय वन्य प्रणाली संरक्षण राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा देकर वन विहार नाम दिया गया। अब इसे मध्य भारत क्षेत्र के वन्यप्राणी रेस्क्यू सेंटर के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। यहां वन्य प्राणियों को उनके प्राकृतिक आवासों के बीच रहते देखा जा सकता है। वन विहार में पक्षी भी काफी संख्या में रहते हैं।
10. दो और तीन दिसंबर 1984 की रात भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस मिथाइल आइसो साइनेट रिसने से हजारों लोगों की मौत हो गई थी और लाखों लोग इससे प्रभावित हुए थे। यह त्रासदी दुनिया की बड़ी औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक मानी जाती है।

- रीता मोदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

विज्ञान

1. संचार हेतु प्रयोग किया जाने वाला ऑप्टिकल फाइबर केबल किस सिद्धांत पर कार्य करता है?
(अ) प्रकाश के नियमित परावर्तन
(ब) प्रकाश के विकीर्ण परावर्तन
(स) प्रकाश के अपवर्तन
(द) प्रकाश के पूर्ण आंतरिक परावर्तन
उत्तर- (द) प्रकाश के पूर्ण आंतरिक परावर्तन

2. अभिदृश्यक की फोकस दूरी का नेत्रिका की फोकस दूरी से अनुपात किसके लिए एक से अधिक?
(अ) सूक्ष्मदर्शी
(ब) दूरदर्शक
(स) दोनों के लिए
(द) कोई नहीं।
उत्तर- (ब) दूरदर्शक

3. लूनर कास्टिक का रासायनिक नाम-
(अ) सिल्वर क्लोराइड
(ब) सिल्वर ब्रोमाइड
(स) सिल्वर आयोडाइड
(द) सिल्वर नाइट्रेट
उत्तर- (द) सिल्वर नाइट्रेट

4. ग्रेफाइट एक अधातु है किन्तु विद्युत की सुचालक है, क्योंकि -
(अ) यह कार्बन का प्रतिरूप है।
(ब) इसमें शिथिलतः बद्ध इलेक्ट्रॉन होते हैं।
(स) यह भंगुर है।
(द) यह प्राथमिक ऑक्साइड बनाता है।
उत्तर- (ब) इसमें शिथिलतः बद्ध इलेक्ट्रॉन होते हैं।

5. वह हैलोजन जिसका प्रयोग पीड़ाहारी की तरह होता है -
(अ) क्लोरीन (ब) ब्रोमीन
(स) आयोडीन (द) फ्लोरीन
उत्तर- (स) आयोडीन

6. निम्न में से कौन अश्रु गैस का घटक है -
(अ) इथेन (ब) इथेनॉल
(स) ईथर (द) क्लोरोपिक्रिन
उत्तर- (द) क्लोरोपिक्रिन

7. निम्न में से किनकी भित्तियों पर रक्त द्वारा डाले गए दबाव को रक्त दाब कहते हैं -
(अ) हृदय
(ब) शिराओं पर
(स) धमनियों पर
(द) केशिकाओं पर
उत्तर- (स) धमनियों पर

8. कार्बोहाइड्रेट के पाचन में सहायक एंजाइम कौनसा है -
(अ) प्रोटिएज (ब) लाइपेज
(स) एमाइलेज (द) पेप्टोन
उत्तर- (स) एमाइलेज

9. सिग्मोएड कोलन किसका भाग है-
(अ) छोटी आँत (ब) बड़ी आँत
(स) ग्रसनी (द) मलाशय
उत्तर- (ब) बड़ी आँत

10. पोलियो का कारण है
(अ) जीवाणु द्वारा
(ब) विषाणु द्वारा
(स) कीटों द्वारा
(द) कवक द्वारा
उत्तर- (ब) विषाणु द्वारा

11. राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति कब प्रस्तुत की गई थी -
(अ) 2016 (ब) 2015
(स) 2013 (द) 2017
उत्तर- (अ) 2016

12. मस्तिष्क व मेरूरज्जु पर चढ़ी झिल्ली में सूजन आ जाने से होने वाला रोग कौनसा है -
(अ) ल्यूकीमिया
(ब) पेरालिसिस
(स) स्केलेरोसिस
(द) मेनेन्जाइटिस
उत्तर- (द) मेनेन्जाइटिस

13. दक्ष-आरओवी (ROV) नामक रोबोट किसके द्वारा तैयार किया गया है -
(अ) ISRO द्वारा
(ब) DRDO द्वारा
(स) IIT मद्रास
(द) कोई नहीं
उत्तर- (ब) DRDO द्वारा

14. सुपर कम्प्युटर में शब्द लम्बाई की परास कितनी होती है -
(अ) 64 बिट (ब) 1024 बिट
(स) 64 बाइट (द) 1024 बाइट
उत्तर- (अ) 64 बिट

15. यू.पी.एस. का विस्तृत रूप है -
(अ) अनइंटरप्टिबल पावर सप्लाई
(ब) यूनिवर्सल पावर सप्लाई
(स) यूनिवर्सल पावर सर्विस
(द) यूनिवर्सल पावर सेविंग
उत्तर- (अ) अनइंटरप्टिबल पावर सप्लाई

16. 'क्रेस्कोग्राफ' यंत्र किस हेतु उपयोग में लाया जाता है -
(अ) पौधों की वृद्धि मापने में
(ब) समुद्र की गहराई मापने में
(स) वायुयान की ऊँचाई मापने में
(द) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर- (अ) पौधों की वृद्धि मापने में

17. भारतीय पुरा-वनस्पति विज्ञान (इंडियन पैलियो बॉटनी) का जनक किसे कहा जाता है -
(अ) प्रफुल्ल चन्द्र राय
(ब) बीरबल साहनी
(स) जानकी अमान
(द) एच.वाय. मोहन राम
उत्तर- (ब) बीरबल साहनी

18. पर्यावरण में प्रदूषकों की उपस्थिति को सामान्यतः PPM में व्यक्त किया जाता है, PPM क्या है -
(अ) पॉल्यूटेंट पर्सेंट मैजर्स
(ब) पार्टिकल्स पर मोल
(स) पाट्र्स पर मिलियन
(द) प्योरिटी पर माइक्रोग्राम
उत्तर- (स) पाट्र्स पर मिलियन

19. पारिस्थितिक तंत्र में एक पोषी से दूसरे पोषी स्तर में स्थानांतरण से ऊर्जा की मात्रा में क्या परिवर्तन होता है -
(अ) ऊर्जा घटती है।
(ब) ऊर्जा बढ़ती है।
(स) अपरिवर्तित रहती है।
(द) विनाश होता है।
उत्तर- (अ) ऊर्जा घटती है।

20. पौधों का आर्द्र पतन रोग किसके कारण होता है -
(अ) पिथियम डीबेरिनम
(ब) एलबुगो फेंडिडा
(स) पैरासाइटिका
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) पिथियम डीबेरिनम

21. पतीते का पीला रंग किस वर्णक के कारण होता है?
(अ) पैपेन
(ब) लाइकोपिन
(स) कैरिका जैन्थिन
(द) केरोटिन
उत्तर- (स) कैरिका जैन्थिन के कारण

22. निम्नलिखित में से कौन पौधों में CO_2, H_2O और ऊर्जा में पाइरूवेट के व्यवधान को पोषित करता है -
(अ) न्यूक्लियस
(ब) साइटोप्लाज्मा
(स) माइटोकांण्ड्रिया
(द) क्लोरोप्लास्ट
उत्तर- (स) माइटोकांण्ड्रिया

23. चट्टानों पर बनने वाले लाइकेन को क्या कहा जाता है -
(अ) कार्टीकोल्स (ब) टेरीकोल्स
(स) लिग्नीकोल्स (द) सैक्सीकोल्स
उत्तर- (द) सैक्सीकोल्स

24. निषेचन के बिना अण्डे में भ्रूण का बनना क्या कहलाता है -
(अ) अपबीजाणुता
(ब) अनिकेषफलन
(स) अनिषेकजनन
(द) परनिषेचन
उत्तर- (स) अनिषेकजनन

25. मानव शरीर का रासायनिक कारखाना कौन से अंग को कहते हैं -
(अ) छोटी आँत (ब) किडनी
(स) यकृत (द) हृदय
उत्तर- (स) यकृत

26. किस वैज्ञानिक के द्वारा चिकित्सा जगत में प्रतिरक्षण (Immunisation) की संकल्पना दी गई -
(अ) एडवर्ड जेनर
(ब) रॉबर्ट कोच
(स) रॉबर्ट हुक
(द) लीनियस
उत्तर- (अ) एडवर्ड जेनर

27. विज्ञान की शाखा 'चिरोपॉडी' शरीर के किस भाग से संबंधित है -
(अ) आँतों से (ब) पैरों से
(स) यकृत से (द) पसलियों से
उत्तर- (ब) पैरों से

28. मानव में गुणसूत्र की संख्या 21 की त्रिगुणसूत्रता कौनसी बिमारी के लिए उत्तरदायी है -
(अ) डाउन सिन्ड्रोम
(ब) पटऊ सिन्ड्रोम
(स) टर्नर सिन्ड्रोम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) डाउन सिन्ड्रोम

29. निम्न में से कौन एक 'जीन' का गठित रूप है -
(अ) पॉलीन्यूक्लियोटाइट्स
(ब) लाइपोप्रोटीन
(स) लिपिड्स
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) पॉलीन्यूक्लियोटाइट्स

30. एन्टीडाईयूरेटिक हार्मोन कहा जाता है -
(अ) वेसोप्रेसिन को
(ब) ए.सी.टी.एच. को
(स) ऑक्सीटोसिन को
(द) कार्टिसोन को
उत्तर- (अ) वेसोप्रेसिन को

31. मानव तंत्र में नेत्रगोलक को नियंत्रित करने हेतु कितनी मांसपेशियां कार्य करती हैं -
(अ) 6 मांसपेशी
(ब) 9 मांसपेशी
(स) 11 मांसपेशी
(द) 2 मांसपेशी
उत्तर- (अ) 6 मांसपेशी

32. आमाशय से बाहर आने वाले अम्लीय अर्धपचित खाद्य का उदासीनीकरण किसके द्वारा किया जाता है -
(अ) जठर रस
(ब) पित्त रस
(स) HCI
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) पित्त रस द्वारा

33. आर्कियोप्टेरिक्स (Archaeopteryx) के संबंध में सही कथन कौन सा है -
(अ) जुरैसिक युग का सर्व पुरातन पक्षी
(ब) जुरैसिक काल का सरीसृप
(स) ट्राइएसिक काल का सरीसृप
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) जुरैसिक युग का सर्वपुरातन पक्षी

34. राष्ट्रीय वायुमण्डलीय अनुसंधान प्रयोगशाला (NARL) का मुख्यालय कहाँ पर है -
(अ) त्रिवेन्द्रम (ब) वीलयामाला
(स) बंगलूर (द) तिरूपति
उत्तर- (द) तिरूपति (गंडकी में)

35. आतिशबाजी के समय हरा रंग किसकी उपस्थिति के कारण दिखाई देता है -
(अ) बेरियम (ब) स्ट्रान्शियम
(स) लीथियम (द) सोडियम
उत्तर- (अ) बेरियम

36. 'स्पिरिट ऑफ वाइन' किसे कहा जाता है -
(अ) ग्लिसरॉल (ब) एथेनॉल
(स) मीथेनॉल (द) ईथर
उत्तर- (ब) एथेनॉल (C_2H_5OH)

37. भाप अंगार गैस किन गैसों का मिश्रण होती है -
(अ) $(CO + N_2)$
(ब) $(H_2 + CO)$
(स) प्रोपेन + ब्युटेन
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) $(H_2 + CO)$

38. लेक्लांशी सेल में विद्युत अपघट्य के रूप में क्या प्रयोग में लाया जाता है?
(अ) तनु H_2SO_4
(ब) NH_4CI का विलयन
(स) NH_4CI की लुगदी
(द) सिल्वर नाइट्रेट का विलयन
उत्तर- (स) NH_4CI की लुगदी

39. जब ध्वनि एक माध्यम से दूसरे माध्यम में प्रवेश करती है तो उसकी आवृत्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है -
(अ) परिवर्तित होती
(ब) परिवर्तित नहीं होती है
(स) कम हो जाती है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) परिवर्तित नहीं होती है

40. लिविंग प्लेनेट सूचकांक क्या है?
(अ) विश्व संकटग्रस्त प्राणियों तथा वृक्षों की स्थिति का सूचक
(ब) परम दुर्लभ पौध प्रजातियों का सूचक
(स) जैव विविधता की स्थिति का सूचक
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (स) जैव विविधता की स्थिति का सूचक

41. सौर स्पेक्ट्रम की समस्त ऊर्जा के सर्वाधिक भाग का प्रतिनिधित्व कौन सी किरणें करती हैं -
(अ) परावैंगनी
(ब) दृश्य प्रकाश किरणें
(स) अवरक्त
(द) माइक्रोवेव्स
उत्तर- (स) अवरक्त किरणें

42. घास स्थल के पारिस्थितिक तंत्र में, संख्या का पिरामिड होता है -
(अ) सीधा (ब) उल्टा
(स) रैखिक (द) अनियमित
उत्तर- (अ) सीधा

43. किस तत्व के लगातार संपर्क में रहने के कारण 'ब्लैक फुट' नामक रोग हो जाता है।
(अ) आर्सेनिक (ब) नाइट्रेट
(स) कैडमियम (द) पारा
उत्तर- (अ) आर्सेनिक

44. प्रोटॉन की खोज निम्न में से किसके द्वारा की गई थी।
(अ) गोल्डस्टीन (ब) चैडविक
(स) थॉमसन (द) रदरफोर्ड
उत्तर- (अ) गोल्डस्टीन

45. 'पास्कल' किस राशि का मात्रक है।
(अ) आवृत्ति (ब) दाब
(स) ठोस-कोण (द) श्यानता
उत्तर- (ब) दाब

46. जीवाणु के खोजकर्ता कौन हैं।
(अ) इवानीवस्की
(ब) डार्विन
(स) फंक
(द) एण्टीनीवान ल्यूवेनहॉक
उत्तर- (द) एण्टीनीवान ल्यूवेनहॉक

47. निम्न में से कौन से आनुवंशिक रोग नहीं है।
(अ) रतौंधी (ब) रंजकहीनता
(स) हीमोफीलिया (द) वर्णांधता
उत्तर- (अ) रतौंधी

48. विकासवाद का सिद्धांत किसने प्रतिपादित किया था।
(अ) स्पेंलर ने (ब) डार्विन ने
(स) वालेस ने (द) हक्सले ने
उत्तर- (ब) डार्विन ने

49. ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण होता है -
(अ) माइकोबैक्टिरीयम ऐवोनिन द्वारा
(ब) स्टैफाइलोकोकस द्वारा
(स) माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस द्वारा
(द) स्ट्रेरटोकोकस द्वारा
उत्तर- (स) माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस द्वारा

50. एलिसा टेस्ट किया जाता है -
(अ) एड्स (ब) क्षयरोग
(स) मधुमेह (द) टायफाइड
उत्तर- (अ) एड्स

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन रीवा (म.प्र.)
Mob. : 9425601523, 9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत सिविल निर्माण कार्य पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय परिसर जिला रीवा के कार्य हेतु निविदा क्रमांक 10/2022-23 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2022_MPPHC_208049_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 18.06.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/105138/47169/2022 **परियोजना यंत्री**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

हिन्दी

1. ब्रज भाषा की उत्पति किस अपभ्रंश से हुई है?
(A) टक्क (B) शौरसेनी
(C) मागधी (D) अर्द्ध मागधी
उत्तर - (B) शौरसेनी

2. इनमें से कौनसा व्यंजन अल्पप्राण सघोष है?
(A) च (B) छ
(C) ज (D) झ
उत्तर - (C) ज

3. पूर्वी हिन्दी की उत्पत्ति किस अपभ्रंश से हुई है?
(A) ब्राचड़ (B) शौरसेनी
(C) अर्द्ध मागधी (D) मागधी
उत्तर - (C) अर्द्ध मागधी

4. मेवाती बोली किस उपभाषा के अन्तर्गत आती है?
(A) पूर्वी हिन्दी
(B) बिहारी
(C) राजस्थानी
(D) पश्चिमी हिन्दी
उत्तर - (C) राजस्थानी

5. कौन-सा व्यंजन स्पर्श - संघर्षी है?
(A) त (B) स
(C) च (D) ह
उत्तर - (C) च

6. इनमें से कौनसा कथन असत्य है?
(A) अघोष अल्पप्राण
(B) सघोष महाप्राण
(C) अघोष महाप्राण
(D) सघोष अल्पप्राण
उत्तर - (D) सघोष अल्पप्राण

7. इनमें से कौनसा व्यंजन मूल व्यंजन नहीं है?
(A) ज्ञ (B) थ
(C) ड (D) ढ़
उत्तर - (A) ज्ञ

8. कौनसा कथन असत्य है?
(A) भोजपुरी बिहारी वर्ग की बोली है।
(B) जयपुरी बोली का एक अन्य नाम ढूंढाणी भी है।
(C) दो भाषाओं के बीच बोधगम्यता होती है।
(D) एक भाषा के अन्तर्गत कई बोलियां होती हैं।
उत्तर - (C) दो भाषाओं के बीच बोधगम्यता होती है।

9. मुंगेर, भागलपुर, हजारी बाग में बोली जाने वाली भाषा कौनसी है?
(A) मालवी (B) मारवाड़ी
(C) भोजपुरी (D) मागधी
उत्तर - (D) मागधी

10. ब्रज बुलि भाषा का क्षेत्र है?
(A) मथुरा (B) उज्जैन
(C) बंगाल (D) बिहार
उत्तर - (C) बंगाल

11. 'उड़ान' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?
(A) आन (B) ड़ान
(C) न (D) अन्
उत्तर - (A) आन

12. 'दुष्कर' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?
(A) दुष्क (B) दुस्
(C) दु (D) दुष्
उत्तर - (B) दुस्

13. 'खिलौना' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?
(A) खिल (B) लौना
(C) ना (D) औना
उत्तर - (D) औना

14. 'घरेलू' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?
(A) रेलू (B) लू
(C) एलू (D) रलू
उत्तर - (C) एलू

15. 'प्रत्यक्ष' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?
(A) प्र (B) प्रत्य
(C) प्रति (D) अक्ष
उत्तर - (C) प्रति

16. 'कृपालु' शब्द में मूल शब्द क्या है?
(A) कृ (B) कृपा
(C) लु (D) आलु
उत्तर - (B) कृपा

17. 'असमर्थता' शब्द किस प्रकार बना है?
(A) अ + समर्थता
(B) अस + मर्थता
(C) अ + समर्थ + ता
(D) असमर्थ + ता
उत्तर - (C) अ + समर्थ + ता

18. 'संतोष' शब्द में उपसर्ग + मूल शब्द का कौनसा रूप सही है?
(A) सम + तोष
(B) सन् + तोष
(C) सं + तोष
(D) संत + ओष
उत्तर - (A) सम + तोष

19. 'मिलावट' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?
(A) मिल (B) वट
(C) लावट (D) आवट
उत्तर - (D) आवट

20. 'निर्वासन' शब्द में उपसर्ग + मूल शब्द का प्रयोग हुआ है?
(A) नि + वासन
(B) निर् + वासन
(C) निर्वा + सन
(D) निर्वास + अन
उत्तर - (B) निर् + वासन

21. सरदार पटेल को लौह पुरुष कहा जाता है रेखांकित शब्द कौनसी संज्ञा है?
(A) जाति वाचक संज्ञा
(B) द्रव्य वाचक संज्ञा
(C) व्यक्ति वाचक संज्ञा
(D) भाव वाचक संज्ञा
उत्तर - (C) व्यक्ति वाचक संज्ञा

22. 'स्वर्ग' शब्द से विशेषण बनेगा?
(A) स्वर्गीय (B) सुखी
(C) स्वर्गिक (D) स्वर
उत्तर - (C) स्वर्गिक

23. निम्नलिखित में से कौनसा शब्द जाति वाचक संज्ञा है?
(A) नगर (B) कामायनी
(C) भोपाल (D) नीलम
उत्तर - (A) नगर

24. निम्नलिखित विकल्पों में से कौनसे विकल्प में सभी शब्द व्यक्ति वाचक संज्ञा हैं?
(A) जयपुर, इन्दौर
(B) नर्मदा, यमुना
(C) हिमालय, कंचनजंघा
(D) पुस्तक, रामचरित मानस
उत्तर - (D) पुस्तक, रामचरित मानस

25. निम्नलिखित विकल्पों में से कौनसे विकल्प में सभी शब्द भाव वाचक संज्ञाएं नहीं हैं?
(A) बुढ़ापा, देवता
(B) देवत्व, मनुष्यत्व
(C) सुन्दरता, योग्यता
(D) ऊंचाई, बचपन
उत्तर - (A) बुढ़ापा, देवता

26. निम्नलिखित में से कौनसा शब्द जाति वाचक संज्ञा नहीं है?
(A) नदी (B) पुस्तक
(C) आगरा (D) महल
उत्तर - (C) आगरा

27. मुख्यमंत्री जी भाषण दे चुके हैं। रेखांकित शब्द कौनसी संज्ञा है?
(A) समूह वाचक संज्ञा
(B) जाति वाचक संज्ञा
(C) व्यक्ति वाचक संज्ञा
(D) भाव वाचक संज्ञा
उत्तर - (B) जाति वाचक संज्ञा

28. नेहरू जी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। रेखांकित शब्द का संज्ञा भेद बताइए?
(A) व्यक्ति वाचक संज्ञा
(B) जाति वाचक संज्ञा
(C) भाव वाचक संज्ञा
(D) द्रव्य वाचक संज्ञा
उत्तर - (A) व्यक्ति वाचक संज्ञा

29. मंदिर में पुजारी जी पूजा कर रहे हैं। रेखांकित शब्द का संज्ञा भेद है?
(A) व्यक्ति वाचक संज्ञा
(B) जाति वाचक संज्ञा
(C) भाव वाचक संज्ञा
(D) समूह वाचक संज्ञा
उत्तर - (B) जाति वाचक संज्ञा

30. 'जयचन्दों' से देश को बचाइए। रेखांकित संज्ञा का भेद बताइए?
(A) व्यक्ति वाचक संज्ञा
(B) जाति वाचक संज्ञा
(C) भाव वाचक संज्ञा
(D) समूह वाचक संज्ञा
उत्तर - (B) जाति वाचक संज्ञा

निर्देश : रेखांकित अंश में कारक का सही विकल्प चुनकर लिखिए।

31. श्याम पेंसिल से लिखता है?
(A) कर्म कारक
(B) करण कारक
(C) अपादान कारक
(D) सम्प्रदान कारक
उत्तर - (B) करण कारक

32. मैं रवि को पत्र लिखूंगा?
(A) कर्ता कारक
(B) करण कारक
(C) कर्म कारक
(D) सम्प्रदान कारक
उत्तर - (C) कर्म कारक

33. पेड़ से पत्ता गिरता है?
(A) अपादान कारक
(B) करण कारक
(C) अधिकरण कारक
(D) संबंध कारक
उत्तर - (A) अपादान कारक

34. राजीव ने खाना खाया?
(A) कर्ता कारक
(B) कर्म कारक
(C) करण कारक
(D) संप्रदान कारक
उत्तर - (A) कर्ता कारक

35. गरीबों को वस्त्र दो?
(A) अधिकरण कारक
(B) करण कारक
(C) संप्रदान कारक
(D) अपादान कारक
उत्तर - (C) संप्रदान कारक

36. कपड़े संदूक में रखे हैं?
(A) अधिकरण कारक
(B) संबंध कारक
(C) करण कारक
(D) अपादान कारक
उत्तर - (A) अधिकरण कारक

37. रमेश का भाई चला गया?
(A) अधिकरण कारक
(B) संबंध कारक
(C) करण कारक
(D) अपादान कारक
उत्तर - (B) संबंध कारक

38. मैं पिता जी के लिए कुर्ता लाया हूँ?
(A) अपादान कारक
(B) संप्रदान कारक
(C) अधिकरण कारक
(D) संबंध कारक
उत्तर - (B) संप्रदान कारक

39. मैं राम को पुस्तक दूंगा?
(A) कर्ता कारक
(B) करण कारक
(C) कर्म कारक
(D) अधिकरण कारक
उत्तर - (C) कर्म कारक

40. टेबल पर पुस्तक रखी है?
(A) कर्म कारक
(B) अधिकरण कारक
(C) संबंध कारक
(D) अपादान कारक
उत्तर - (B) अधिकरण कारक

निर्देश : निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित सर्वनाम का भेद बताइए।

41. वह पुस्तक पढ़ रहा है?
(A) निश्चय वाचक सर्वनाम
(B) पुरुष वाचक सर्वनाम
(C) अनिश्चय वाचक सर्वनाम
(D) प्रश्न वाचक सर्वनाम
उत्तर - (B) पुरुष वाचक सर्वनाम

42. यह मेरा घर है?
(A) निश्चय वाचक सर्वनाम
(B) पुरुष वाचक सर्वनाम
(C) प्रश्न वाचक सर्वनाम
(D) अनिश्चय वाचक सर्वनाम
उत्तर - (A) निश्चय वाचक सर्वनाम

43. बाहर कौन खड़ा है?
(A) संबंध वाचक सर्वनाम
(B) प्रश्न वाचक सर्वनाम
(C) अनिश्चय वाचक सर्वनाम
(D) निश्चय वाचक सर्वनाम
उत्तर - (B) प्रश्न वाचक सर्वनाम

44. जो सर्वनाम विशेषण का काम करे उसे कहते हैं?
(A) विशेषण
(B) सार्वनामिक विशेषण
(C) पुरुष वाचक
(D) क्रिया विशेषण
उत्तर - (B) सार्वनामिक विशेषण

45. 'तुम' कौनसा सर्वनाम है?
(A) अन्य पुरुष वाचक
(B) मध्यम पुरुष वाचक
(C) निज वाचक सर्वनाम
(D) संकेत वाचक सर्वनाम
उत्तर - (B) मध्यम पुरुष वाचक

46. निज वाचक सर्वनाम उसे कहते हैं जो?
(A) निज हो
(B) पुरुष के बारे में बताए
(C) अपनेपन का बोध कराए
(D) अन्य पुरुष के बारे में बताए
उत्तर - (C) अपनेपन का बोध कराए

47. उसे 50 रुपये दीजिए। रेखांकित विशेषण का प्रकार है?
(A) गुण वाचक विशेषण
(B) संख्या वाचक विशेषण
(C) परिमाण वाचक विशेषण
(D) सार्वनामिक विशेषण
उत्तर - (B) संख्या वाचक विशेषण

48. यह जलेबियां मीठी हैं। रेखांकित विशेषण का प्रकार है?
(A) गुण वाचक विशेषण
(B) परिमाप वाचक विशेषण
(C) रीति वाचक विशेषण
(D) संख्या विशेषण
उत्तर - (A) गुण वाचक विशेषण

49. 'कुसुम' शब्द से विशेषण बनेगा?
(A) कुसुमित (B) कुसुमन
(C) कुलसम (D) कुसूम
उत्तर - (A) कुसुमित

50. 'ईमानदारी' से विशेषण बनेगा?
(A) ईमान (B) ईमानदार
(C) ईमानी (D) ईमानवाला
उत्तर - (B) ईमानदार

डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

चिकनपॉक्स की रोकथाम और उपचार की एडवाइजरी अनुसार कार्यवाही करें सुनिश्चित

भोपाल, स्वास्थ्य आयुक्त-सह-सचिव डॉ. सुदाम खाड़े ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को चिकनपॉक्स की रोकथाम और उपचार के संबंध में जारी की गई एडवाइजरी के अनुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। स्वास्थ्य आयुक्त ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा है कि चिकनपॉक्स के लक्षण, संचरण, जटिलताएं, रोकथाम और उपचार के लिये एडवाइजरी बनाई गई है। एडवाइजरी अनुसार आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि पिछले एक माह में छतरपुर, छिंदवाड़ा, दतिया, नीमच, भोपाल, धार और खण्डवा से फीवर विद रेशेस के 31 प्रकरण दर्ज हुए हैं। इनके क्लीनिकल एक्जामिनेशन के आधार पर चिकनपॉक्स की प्रज्मटिव डॉयग्नोसिस दर्शाई गई है। चिकनपॉक्स संक्रमित बीमारी है। यह बच्चों के साथ वयस्क और गर्भवती महिलाओं को भी संक्रमित कर सकती है।

स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में बताया गया है कि चिकनपॉक्स व्हीजेडव्ही वायरस के संक्रमण से फैलती है। इस वायरस के संक्रमण के कारण शरीर में खुजली, दाने (रेश) और छाले के लक्षण प्रकट होते हैं। प्रायः शरीर में छाती, पीठ और चेहरे पर लाल दाने दिखाई देने लगते हैं और फिर सारे शरीर में दाने फैल जाते हैं। शरीर में वायरस के संक्रमण के बाद औसतन उदभवन काल 10 से 20 दिन का होता है। वयस्कों में शरीर के अंगों पर दाने उभरने से पहले हल्का बुखार अथवा बैचेनी के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। बच्चों में शरीर पर दाने ज्यादातर बीमारी का पहला संकेत हो सकता है। चिकनपॉक्स वायरस का संक्रमण लगभग 4 से 7 दिनों तक रहता है।

चिकनपॉक्स के प्रमुख लक्षणों में शरीर पर दाने प्रकट होते हैं, जो खुजली पैदा करते हैं और बाद में फफोले में बदल जाते हैं तथा सूखने के बाद पपड़ी में बदल जाते हैं। फफोले के सूखने में लगभग एक सप्ताह लगता है। जिन बच्चों, किशोर, वयस्क और गर्भवती महिलाओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, उन्हें अधिक खतरा बना रहता है और अधिक जटिलताएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। शरीर पर दाने उभरने में लगभग एक से दो दिन पहले बुखार, थकान, भूख में कमी तथा सिर में दर्द आदि के लक्षण प्रकट होते हैं। किसी भी व्यक्ति को कभी भी चिकनपॉक्स हो सकता है, चाहे उसे कभी संक्रमण नहीं हुआ है अथवा चिकनपॉक्स का टीकाकरण हुआ हो। चिकनपॉक्स बीमारी के प्रसार के संबंध में बताया गया है कि चिकनपॉक्स वायरस त्वचा पर उभरे दानों और घाव के तरल पदार्थ को छूने, संक्रमित व्यक्ति के साँस लेने-छोड़ने और संक्रमित व्यक्ति के सीधे सम्पर्क में आने से फैलता है। चिकनपॉक्स से वयस्कों में वायरस के कारण निमोनिया, वायरल निमोनिया, बच्चों में त्वचा संबंधी बीमारी की समस्याएं, रक्तस्राव की समस्याएं और अन्य बैक्टीरियल इन्फेक्शन आदि की जटिलताएं हो सकती हैं। चिकनपॉक्स की रोकथाम और उपचार के लिये सबसे अच्छा उपाय चिकनपॉक्स का पूर्ण डोज टीकाकरण है। प्रायः टीका लगवा चुके अधिकांश व्यक्तियों में चिकनपॉक्स का संक्रमण नहीं होता है और यदि चिकनपॉक्स हो भी जाये, तो बीमारी का प्रभाव कम रहता है।

खेल चर्चा

मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी में स्थापित हुई बुलेट क्रशर मशीन

भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में भारत की पहली बुलेट क्रशर मशीन की स्थापना की गई। इस मशीन से इस्तेमाल किये गये कारतूस के शेल को नष्ट किया जाता है। इसके उपयोग से इस्तेमाल किए गए बुलेट को दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकेगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में शूटिंग की शॉटगन, पिस्टल और रायफल विधाओं में लगभग 100 से अधिक खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक श्री मनशेर सिंह, श्री जसपाल राणा तथा सुश्री सुमा शिरूर से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त खिलाड़ियों के लिए न्यूट्रीशियन, सायकोलॉजिस्ट, स्पोर्ट्स साइंस डॉक्टर, स्ट्रेन्थ एण्ड कंडीशनिंग प्रशिक्षक भी उपलब्ध हैं।

सर्जियो पेरेज ने जीता मोनाको ग्रांप्री का खिताब

मोनाको, मैक्सिको के अनुभवी कार रेसर सर्जियो पेरेज ने मोनाको ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस में जीत दर्ज की है। रेडबुल टीम के पेरेज ने 64 लैप की इस रेस को 1 घंटा 56 मिनट 30.265 सेकेंड में पूरा किया। रेस में फेरारी टीम के कार्लोस सेंज दूसरे और पिछले बार के विजेता मैक्स वर्स्टापेन तीसरे, चार्ल्स लेकलर्क चौथे और जॉर्ज रसेल पांचवें स्थान पर रहे। यह पेरेज के फॉर्मूला-वन कॅरियर की तीसरी जीत है। पेरेज ने इससे पहले वर्ष 2020 में साखिर ग्रांप्री और वर्ष 2021 में अजरबेजान ग्रांप्री का खिताब भी जीता था। पेरेज इस वर्ष फॉर्मूला-वन ड्राइवर्स स्टैंडिंग में मैक्स वर्स्टापेन और चार्ल्स लेकलर्क के बाद तीसरे स्थान पर काबिज हैं।

गेरवोंटा डेविस ने बचाया अपना वर्ल्ड लाइटवेट टाइटल

न्यूयॉर्क, अमेरिका के दिग्गज प्रोफेशनल मुक्केबाज गेरवोंटा डेविस अपना डब्ल्यूबीसी लाइटवेट वर्ल्ड टाइटल बचाने में सफल रहे हैं। डेविस ने इस टाइटल के लिये हुये मुकाबले में अपने हमवतन रोलेंडो रोमेरो को छठवें राउंड में नॉकआउट कर दिया। मुकाबले की शुरुआत में रोमेरो ने डेविस को कड़ी टक्कर देते हुये कुछ अच्छे पंच जमाये, लेकिन तीसरे राउंड के बाद से डेविस रोमेरो पर पूरी तरह दबाव बनाने में सफल रहे। मैच के छठवें राउंड में डेविस ने रोमेरो पर लेफ्ट हुक जमाया, जिससे रोमेरो चित हो गये। इसके बाद रेफरी ने फाइट रोक दी और डेविस को विजेता घोषित किया।

आईसीसी महिला वन-डे चैंपियनशिप में होंगी 10 टीमें

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि आईसीसी महिला वन-डे चैंपियनशिप के अगले सत्र में 10 टीमें खेलेंगी। आईसीसी महिला वन-डे रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज बांग्लादेश और दसवें स्थान पर काबिज आयरलैंड की टीमें अगले सत्र से महिला वन-डे चैंपियनशिप का हिस्सा होंगी। आईसीसी ने बताया कि महिला चैंपियनशिप 2014-16 और 2017-20 की सफलता के बाद तीसरे चक्र (2022-25) के लिये इन दोनों टीमों को शामिल किया गया है। आईसीसी महिला विश्वकप 2025 में स्वतः क्वालिफाई करने की दौड़ में यह दोनों टीमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ जुड़ेंगी।

आईपीएल-2022

गुजरात टाइटंस ने पदार्पण सत्र में जीता खिताब

अहमदाबाद, हार्दिक पंड्या की शानदार कप्तानी और ऑलराउंडर प्रदर्शन के दम पर गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल-2022) का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के इसी सत्र से पदार्पण करने वाली गुजरात टाइटंस ने खिताबी मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया।

मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान की टीम को सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (22) और जोस बटलर (39) ने अच्छी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिये चार ओवरों में 31 रन जोड़े। पूरे सत्र के दौरान प्रचंड फॉर्म में चल रहे बटलर का बल्ला फाइनल में अपना जलवा नहीं दिखा पाया। दोनों सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद राजस्थान की पारी लड़खड़ा गई। टीम का मजबूत मध्यक्रम भी रन बनाने में संघर्ष करता नजर आया। राजस्थान की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 130 रन ही बना सकी। गुजरात टाइटंस के लिये हार्दिक पंड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 4 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट लिये। हार्दिक ने जोस बटलर, संजू सैमसन और शिमरन हेटमायर जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया। पारी में आर. साई किशोर ने 2 तथा मोहम्मद शमी, यश दयाल और राशिद खान ने 1-1 विकेट लिया।

जीत के लिये मिले 131 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत खराब रही। धुरंधर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा (5) और मैथ्यू वेड (8) 23 रन के भीतर पवेलियन लौट गये। इसके बाद कप्तान हार्दिक पंड्या ने शुभमन गिल के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। हार्दिक 30 गेंदों में 34 रनों की शानदार पारी खेलकर युजवेंद्र चहल का शिकार बने। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये डेविड मिलर ने 19 गेंदों में 32 रनों की तूफानी पारी खेलकर गुजरात को ऐतिहासिक जीत दिलाई। शुभमन गिल मैच में 45 रन बनाकर नाबाद लौटे। गुजरात टाइटंस ने 18.1 ओवर में 3 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

- **पदार्पण सत्र में खिताब जीतने वाली दूसरी टीम है गुजरात टाइटंस।**
- **इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने वर्ष 2008 में पदार्पण करते हुये जीता था खिताब।**
- **गुजरात टाइटंस के अलावा छह अन्य टीमें बन चुकी हैं आईपीएल चैंपियन।**
- **मुंबई इंडियंस ने 5 बार, चेन्नई सुपर किंग्स ने 4 बार, कोलकाता नाइट राइडर्स ने दो बार और राजस्थान रॉयल्स, डेक्कन चार्जर्स और सनराइजर्स हैदराबाद 1-1 बार बनी हैं विजेता।**

हार्दिक रहे स्टार परफॉर्मर

गुजरात टाइटंस की जीत के हीरो हार्दिक पंड्या रहे। हार्दिक ने पूरे सत्र में गुजरात टाइटंस का बतौर कप्तान चतुराई पूर्वक नेतृत्व किया। साथ ही गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग में भी बढ़िया प्रदर्शन किया। हार्दिक ने इस सत्र में 487 रन बनाने के अलावा 8 विकेट भी लिये हैं। हार्दिक गेंदबाजी में भी प्रभावी नजर आये।

मध्यप्रदेश की प्राची यादव ने केनो स्पोर्ट्स में जीता पदक

वार्सा, मध्यप्रदेश की पैरा खिलाड़ी प्राची यादव ने पैरा केनो विश्वकप में इतिहास रचते हुये कांस्य पदक जीता है। पोलैंड में आयोजित विश्वकप में प्राची ने महिलाओं की 200 मीटर वीएल-2 स्पर्धा में भारत के लिये कांस्य पदक जीता। इस जीत के साथ प्राची पैरा केनोइंग और कयाकिंग विश्वकप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। प्राची ने इस स्पर्धा में 1 मिनट 04.71 सेकेंड की टाइमिंग के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। स्पर्धा में ऑस्ट्रेलिया की सुजैन साइपेल (1 मिनट 01.54 सेकेंड) के साथ स्वर्ण पदक तथा कनाडा की ब्रिआना हेनेसी ने (1 मिनट 01.58 सेकेंड) के साथ रजत पदक जीता। प्राची ने पिछले वर्ष टोक्यो पैरालिंपिक में भी शानदार प्रदर्शन कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को हराया

मीरपुर, श्रीलंका ने बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट मैच में 10 विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-0 से अपने नाम किया है। मैच में बांग्लादेश की टीम मुश्फिकुर रहीम (175) और लिटन दास (141) की शानदार शतकीय पारियों के बावजूद पहली पारी में 365 रन ही बना सकी। श्रीलंका को पहली पारी में ओशाडा फर्नांडो (57) और दिमुश करुणारत्ने (80) ने मजबूत शुरुआत दिलाई। इसके बाद एंजेलो मैथ्यूज (145) और दिनेश चांडीमल (124) ने शानदार शतक बनाये। श्रीलंका ने पहली पारी में 506 रन बनाये। दूसरी पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। बांग्लादेश दूसरी पारी में 169 रन ही बना सका। श्रीलंका को 29 रनों का लक्ष्य मिला, जो उसने बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया।

भारत ने हॉकी एशिया कप में जीता कांस्य पदक

जकार्ता, भारतीय हॉकी टीम ने हॉकी एशिया कप का कांस्य पदक जीत लिया है। टूर्नामेंट में तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में भारत ने जापान को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल राजकुमार पाल ने किया। इससे पहले सुपर-4 के अपने आखिरी मैच में साउथ कोरिया के साथ मुकाबला 4-4 की बराबरी पर खेलने के बावजूद भारतीय टीम फाइनल में नहीं पहुंच सकी थी।

भारतीय टीम ने मैच में शुरू से ही पकड़ बनाकर रखी थी। राजकुमार पाल ने पहले क्वार्टर के 7वें मिनट में ही टीम इंडिया के लिए गोल दाग दिया था। इसके बाद जापान की टीम लगातार गोल करने का प्रयास करती रही, लेकिन वो गोल नहीं कर पाई। भारत की ओर से भी कोई गोल नहीं हुआ। भारतीय टीम ने जबरदस्त रक्षात्मक खेल से जापान को रोके रखा।

हॉकी एशिया कप का खिताब दक्षिण कोरिया ने अपने नाम किया है। एशियाई टूर्नामेंट के फाइनल में कोरियाई टीम ने मलेशिया को 2-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। कोरिया की टीम का हॉकी एशिया कप में यह रिकॉर्ड पांचवां खिताब है। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने वर्ष 2003, 2007 और 2017 में हॉकी एशिया कप का खिताब जीता था।

मध्यप्रदेश में ब्रेक डांस अकादमी बनाने पर किया जा रहा है विचार

भोपाल, 'ब्रेक डांस' डांसिंग एक हिप-हॉप स्टाइल है। परन्तु यह सिर्फ एक डांस स्टाइल नहीं, अब एक खेल है। सिर्फ खेल नहीं, ओलिंपिक में शामिल खेल है। वर्ष 2024 के पेरिस ओलिंपिक गेम्स में ब्रेक डांस 'ब्रेकिंग' के नाम से खेला जायेगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा इस डांसिंग स्पोर्ट को बढ़ावा देने और ब्रेक डांस अकादमी शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाए हुए है। प्रदेश में जो अकादमियां संचालित हैं, वे सभी अकादमी ऑफ एक्सीलेंस हैं। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक कमेटी द्वारा ब्रेक डांस को ओलिंपिक ब्रेकिंग के नाम से शामिल किया गया है। ब्रेक डांस को ओलिंपिक में शामिल इसलिए किया गया है, क्योंकि यह डांस युवाओं में बहुत लोकप्रिय है। कई रियालिटी-शो में प्रतिभाओं को परखा जा रहा है। ब्रेक डांस को खेल के रूप में शामिल करने से कई प्रतिभाओं को मौका भी मिलेगा। ओलिंपिक में प्रत्येक प्रदर्शन स्पष्ट रूप से परिभाषित मानदंडों क्रिएटिविटी, पर्सनेलिटी, टेकनिक, वैरायटी और परफॉर्मेंस पर आधारित होगा।

श्रीमती सिंधिया ने बताया कि हमारा लक्ष्य अब अंतर्राष्ट्रीय पदक है, इसलिए खेल विभाग द्वारा ऐसी ब्रेक डांसिंग प्रतिभाओं को खोजने के लिए टैलेंट सर्च आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि मध्यप्रदेश में ब्रेक डांसिंग में कितनी संभावनाएं हैं, इसका मूल्यांकन कर भविष्य में ब्रेक डांस अकादमी खोलने पर भी विचार किया जा सकता है।

चैंपियंस लीग

मैड्रिड ने लिवरपूल को हराकर जीता खिताब

पेरिस, स्पेनिश फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया है। रियल मैड्रिड ने टूर्नामेंट के फाइनल में इंग्लिश क्लब लिवरपूल को 1-0 से हराया। मैच में रियल मैड्रिड के विनिसियस जूनियर ने एकमात्र गोल कर अपनी टीम को चैंपियन बनाया।

विनिसियस ने भले ही गोल कर रियल मैड्रिड को खिताब दिलाया हो, लेकिन जीत के हीरो गोलकीपर थिबाउट कोर्टोइस रहे। कोर्टोइस ने मैच में शानदार गोल कीपिंग करते हुये विपक्षी टीम के नौ गोल अटैम्प को विफल कर दिया।

मैच के पहले हाफ में लिवरपूल ने शानदार खेल दिखाया और रियल मैड्रिड पर दबाव बनाया। पहले हाफ में लिवरपूल ने गोल के लिये पांच शॉट ऑन टारगेट लगाए, वहीं रियल मैड्रिड सिर्फ एक शॉट ऑन टारगेट लगा सका। मैच के 43वें मिनट में रियल मैड्रिड के करीम बेंजेमा को गोल करने का मौका मिला। बेंजेमा ने गेंद को गोल पोस्ट पर डाल भी दिया, लेकिन रेफरी ने ऑफ साइड करार देते हुये गोल को मान्य नहीं किया।

दूसरे हाफ में भी लिवरपूल ने आक्रामक रणनीति अपनाई। मैच के 47वें मिनट में लिवरपूल के ट्रेंट एलेक्जेंडर अर्नाल्ड ने गोल का मौका बनाते हुये लुईस डियाज को पास दिया, लेकिन कोर्टोइस ने डियाज के प्रयास को रोक दिया। मैच के 59वें मिनट में रियल मैड्रिड के डेनी कार्वाहल ने लिवरपूल के डिफेंडरों पर दबाव बनाते हुये गेंद फेड्रिको वेलवर्दे को पास की, वेलवर्दे ने इस पास को विनिसियस जूनियर की ओर बढ़ाया। विनिसियस ने इस अवसर का लाभ उठाते हुये शानदार गोल कर रियल मैड्रिड को 1-0 की बढ़त दिलाई। मैच में पिछड़ने के बाद लिवरपूल के मोहम्मद सालाह ने कई बार गोल करने के मौके बनाये, लेकिन कोर्टोइस ने हर बार उन्हें नाकाम कर दिया।

- **रियल मैड्रिड ने 14वीं बार जीती है चैंपियंस लीग।**
- **लिवरपूल ने 6 बार जीता है यह टूर्नामेंट, आखिरी बार वर्ष 2019 में बना था चैंपियन।**
- **रियल मैड्रिड के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी चार बार खिताब जीतने वाले पहले मैनेजर बन गये हैं।**

एसी रोमा ने जीती यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग

तिराना, इटली के फुटबॉल क्लब एसी रोमा ने पहली बार आयोजित हुये यूएफा यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में रोमा ने नीदरलैंड्स के क्लब फेयेनूर्ड को रोमांचक मुकाबले में 1-0 से हराया। मैच का एक मात्र गोल 32वें मिनट में एसी रोमा के लिये मिडफील्डर निकोलो जानियोलो ने किया। यह एसी रोमा के कोच जोस मॉरिन्हो का बतौर कोच पांचवां प्रमुख यूएफा खिताब है। एसी रोमा के लिये यह खिताब ऐतिहासिक माना जा रहा है। रोमा ने वर्ष 1972 के बाद पहली बार यह यूरोपीय खिताब जीता है। उल्लेखनीय है कि यूएफा यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग यूरोपीय क्लब फुटबॉल में चैंपियंस लीग और यूरोपा लीग के बाद तीसरे टियर की प्रतियोगिता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

ब्राजील में मूसलाधार बारिश और भूस्खलन

ब्राजील में भारी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। भीषण बारिश और भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ब्राजील के विकास मंत्री श्री डेनियल फरेरा ने पुष्टि कर बताया कि पेरनामबुको राज्य में भारी बारिश के कारण 44 लोगों की मौत हो गई है और अन्य 56 लोग लापता हैं। राज्य में बुरी स्थिति को देखते हुए कई लोग विस्थापित हो गए हैं।

डेनियल फरेरा ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान डेटा जारी किया। फरेरा के अनुसार अब तक भीषण बारिश और भूस्खलन के कारण 44 लोगों की मौत, 56 लापता, 3059 बेघर और कई लोग घायल हो गए।

गरीब कल्याण सम्मेलन

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण ने लोगों के लिए सरकार के अर्थ बदल दिए हैं : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के शिमला में 'गरीब कल्याण सम्मेलन' को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत वित्तीय लाभ की 11वीं किस्त भी जारी की। इससे 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को करीब 21,000 करोड़ की राशि ट्रांसफर हो सकेगी। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दीं, क्योंकि पीएम किसान योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक किसानों को उनके बैंक खातों में पैसा मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह हमेशा खुद को 130 करोड़ नागरिकों के परिवार के सदस्य के रूप में देखते हैं न कि प्रधानमंत्री के रूप में। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'मैं अब केवल प्रधानमंत्री ही नहीं आपके परिवार का सदस्य और 130 करोड़ देशवासियों का प्रधान सेवक बन गया हूं।

अगर मैं देश के लिए कुछ कर पा रहा हूं तो 130 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और शुभकामनाओं के कारण ही संभव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि, "130 करोड़ नागरिकों के परिवार की आशाओं और आकांक्षाओं से जुड़ना, यही मेरा परिवार है, आप लोग मेरे जीवन में सब कुछ हैं और यह जीवन भी आपके लिए है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि जब उनकी सरकार अपने आठ साल पूरे कर रही है, तो वह फिर से अपना संकल्प दोहराते हैं कि वह सभी के कल्याण के लिए, प्रत्येक भारतीय के सम्मान के लिए, प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा के लिए, प्रत्येक भारतीय की समृद्धि के लिए, उनके जीवन में सुख और शांति लाने के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं, सुशासन और गरीबों के कल्याण (सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण) ने लोगों के लिए सरकार के अर्थ को बदल दिया है। अब सरकार जनता के लिए काम कर रही है। चाहे पीएम आवास योजना हो, छात्रवृत्ति हो या पेंशन योजना, तकनीक की मदद से भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम से कम हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार उन समस्याओं का समाधान देने का प्रयास कर रही है, जिन्हें पहले स्थाई माना जाता था। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण से लाभ सूची से 9 करोड़ फर्जी नामों को हटाकर इसमें चोरी और किसी प्रकार के लीक के अन्याय को समाप्त किया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सशक्त होने पर जब गरीबों का दैनिक संघर्ष कम हो जाता है तो वह अपनी गरीबी दूर करने के लिए नई ऊर्जा से जुड़ जाते हैं। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने पहले दिन से ही गरीबों को सशक्त बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि हमने उनके जीवन की हर समस्या को कम करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मैं गर्व से कह सकता हूं कि देश का लगभग हर परिवार किसी न किसी योजना से लाभान्वित हो रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने लाभ शत् प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने लाभार्थियों तक पहुंचने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि सौ प्रतिशत सशक्तिकरण का अर्थ है भेदभाव को समाप्त करना, सिफारिशों को समाप्त करना और तुष्टीकरण को समाप्त करना। सौ प्रतिशत सशक्तिकरण का मतलब है कि हर गरीब को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले।

श्रीलंका की मदद के लिए

विश्व बैंक ने 70 करोड़ डालर देने का दिया आश्वासन

आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को विश्व बैंक ने राहत की खबर सुनाई है। विश्व बैंक अगले कुछ महीनों के भीतर श्रीलंका को लगभग 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर (70 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का वितरण करने के लिए तैयार है।

- **विश्व बैंक के श्रीलंका प्रमुख श्री चियो कांडा ने श्रीलंका के विदेश मंत्री श्री जी.एल. पेइरिस से मुलाकात के दौरान आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक पहले से स्वीकृत परियोजनाओं की राशि पुनर्नियोजित कर जारी करेगा।**

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और कई देशों के माध्यम से दीर्घकालिक सहायता प्राप्त होने तक विश्व बैंक से सहायता मांगी है। मंत्री ने कहा कि स्थाई समाधान मिलने तक विश्व बैंक द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता की सराहना की जाएगी।

विश्व बैंक के देश प्रबंधक (कंट्री मैनेजर) ने कहा कि उनका कार्यालय एशियाई विकास बैंक, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक और संयुक्त राष्ट्र कार्यालय जैसे अन्य संगठनों के साथ भी काम कर रहा है, ताकि श्रीलंका की मदद की जा सके। श्रीलंका को विदेशी मुद्रा की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आवश्यक वस्तुओं के आयात में समस्याएं पैदा हो गई हैं। श्रीलंका में भोजन और ईंधन की कमी, बढ़ती कीमतों और बिजली कटौती से बड़ी संख्या में नागरिक प्रभावित हुए हैं। हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा, जिसके बाद रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री बने। इस समय श्रीलंका में पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत है और बिजली कटौती भी की जा रही है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष

रूस ने यूक्रेन पर दागा थर्माइट बम

रूस और यूक्रेन युद्ध अभी भी जारी है। रूस ने यूक्रेन पर अपने हमले की तीव्रता बढ़ा दी है। इसी बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि आसमान से आग बरस रही है। दरअसल रूस की तरफ से यूक्रेन पर दागा गया यह एक बम है, जिसे थर्माइट कहा जाता है। थर्माइट इतना खतरनाक है कि शरीर पर गिरते ही यह पूरे खाल और मांस को भेदते हुए हड्डियों तक पहुंच जाता है। इस बम का इस्तेमाल एक युद्ध अपराध है। वीडियो में दिख रहा है कि आसमान से थर्माइट के छोटे-छोटे कण बरस रहे हैं। यह कण आसमान से जलते हुए गिर रहे हैं। कथित तौर पर थर्माइट को रूस ने 9M22S रॉकेट के जरिए ग्रॉड लॉन्चर से फायर किया है। यूक्रेन के कई पत्रकारों की ओर से यह वीडियो शेयर किया गया है। बताया जा रहा

- **थर्माइट बम का इस्तेमाल इससे पहले दूसरे विश्वयुद्ध में हुआ था।**
- **थर्माइट 2400 डिग्री तक कुछ ही सेकंड में गर्म हो जाता है।**
- **शरीर पर गिरते ही ये चमड़ी को पिघला देता है।**

है कि वीडियो डोनबास में नेशनल गार्ड यूनिट के एक सैनिक ने बनाया था।

थर्माइट धातु के पाउडर और मेटल ऑक्साइड का मिश्रण है। इस मिश्रण के जरिए इस बम को बनाया जाता है। थर्माइट में एक चिंगारी भी बड़ी आग लगा सकती है। कुछ ही सेकंड में इस कैमिकल का तापमान 2400 सेल्सियस पहुंच जाता है। यह इतना गर्म होता है कि स्टील और कंक्रीट जला कर उसमें छेद कर सकता है। वहीं अगर जलता हुआ थर्माइट किसी व्यक्ति पर गिर जाए तो यह उसके शरीर की ऊपरी परत को भेदता हुआ हड्डियों तक पहुंच जाएगा। यह हथियार इतना खतरनाक है कि ह्यूमन राइट्स वाच ने इसे लेकर पहले भी चेतावनी दी है। इस बम के जरिए भले ही तुरंत मौत न हो लेकिन ये स्किन को जला सकता है। इसके साथ ही श्वास से संबंधित दिक्कतें भी आ सकती हैं। बम बेहद खतरनाक है, इस कारण इन्हें युद्ध क्षेत्र में भी नहीं रखा जाता है। इस खतरनाक हथियार का इस्तेमाल इससे पहले दूसरे विश्वयुद्ध में मित्र राष्ट्रों और हिटलर द्वारा फरवरी 1945 में किया गया था, जिसमें करीब 25,000 लोग मारे गए थे।

पहली बार राष्ट्रपति जेलेंस्की ने किया पूर्वी यूक्रेन का दौरा

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध को तीन महीने से ऊपर हो गए हैं। लेकिन अभी तक लड़ाई थमने का नाम नहीं ले रही है। रूसी सेना यूक्रेन पर लगातार हमले कर रही है। यूक्रेन में जगह-जगह पर तबाही का मंजर साफ देखा जा रहा है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पूर्वी यूक्रेन दौरे पर खार्किव क्षेत्र का जायजा लिया। जेलेंस्की के कार्यालय ने टेलीग्राम पर उनको एक बुलेट-प्रूफ बनियान पहने और खार्किव व उसके आसपास की इमारतों को भारी रूप से क्षतिग्रस्त दिखाया गया है। पोस्ट ने कहा, 'खार्किव और क्षेत्र में 2,229 इमारतों को नष्ट कर दिया गया है। हम पुनर्स्थापित करेंगे, पुनर्निर्माण करेंगे और फिर से लोगों को वापस लाएंगे।

अमेरिका में हुई गोलीबारी के बाद

कनाडा के प्रधानमंत्री ने 'हैंड गन ओनरशिप' पर लगाई रोक

कनाडा की सरकार ने हैंड गन की बिक्री और खरीदी पर 'राष्ट्रीय फ्रीज' लागू करने के लिए एक कानून पेश किया, जो मैगजीन की क्षमता को भी सीमित करेगा और बंदूक की तरह दिखने वाले कुछ खिलौनों पर प्रतिबंध लगाएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री श्री जस्टिन ट्रूडो ने देश में हैंड गन की ओनरशिप पर रोक लगाने की घोषणा की। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में हाल ही में बड़े पैमाने पर गोलीबारी के बाद उनके आयात और बिक्री पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगा देगा। श्री ट्रूडो ने एक बयान में कहा कि बंदूक की हिंसा में मारे गए कनाडाई की संख्या बहुत अधिक है। उन्होंने कहा 'मैंने देशभर में हमारे समुदायों में बंदूक हिंसा की दुःखद कीमत को अच्छी तरह से देखा है। आज, हम कनाडा के इतिहास में कुछ सबसे मजबूत उपायों का प्रस्ताव कर रहे हैं, ताकि बंदूकें हमारे समुदायों से बाहर हो सकें और सभी के लिए एक सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकें।' यह सुनिश्चित करने के लिए कि हैंड गन पर राष्ट्रीय फ्रीज को तेजी से लागू किया जा सकता है, कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री ने हाउस ऑफ कॉमन्स और सीनेट दोनों में पहले से ही नियामक संशोधन पेश किए हैं। कनाडा की सरकार ने कहा, 'यह नियम कनाडा में व्यक्तिगत स्वामित्व वाले हैंड गन के विकास को रोकने में मदद करेंगे।'

नासा के इनजेनिटी मार्स ने उड़ान का वीडियो किया कैप्चर

इनजेनिटी मार्स हेलीकॉप्टर के ब्लैक एंड व्हाइट नेविगेशन कैमरे ने अपनी रिकॉर्ड तोड़ 25वीं उड़ान का वीडियो उपलब्ध कराया है। नासा ने एक बयान में कहा, हमारी रिकॉर्ड ब्रेकिंग उड़ान के लिए इनजेनिटी के नीचे की ओर दिखने वाले नेविगेशन कैमरे ने हमें एक दम भरने वाली भावना प्रदान की कि यह मंगल की सतह से 33 फीट ऊपर 12 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ग्लाइडिंग करने जैसा महसूस करेगा।

इनजेनिटी टीम ने बयान में कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में नासा के जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला में टेडी तजनेटोस का नेतृत्व किया। वीडियो क्लिप का पहला फ्रेम उड़ान में लगभग एक सेकंड शुरू होता है। 10 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने के बाद हेलीकॉप्टर दक्षिण-पश्चिम की ओर जाता है, तीन सेकंड से भी कम समय में अपनी अधिकतम गति को तेज करता है।

सौंग कांग को फिल्म 'ब्रोकर' के लिए मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब

फ्रांस में 75वें 'कान्स फिल्म महोत्सव' का पिछले दिनों समापन हो गया। इस दौरान दुनियाभर की कई फिल्मों को अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया। जूरी ने स्वीडिश निर्देशक रूबेन की फिल्म 'ट्राएंगल ऑफ सैडनेस' को 'पॉल्म डी ओर' से सम्मानित किया। 'कान्स फिल्म समारोह' का शीर्ष पुरस्कार जीतने वाली रूबेन की यह दूसरी फिल्म है। उन्होंने 2017 में 'द स्क्वॉय' के लिए 'पाल्म डी ओर' जीता था। रूबेन अब नौवें निर्देशक बन गए हैं, जिन्होंने दो बार 'पाल्म डी ओर' पुरस्कार जीता है। वह उस सूची में शामिल हो गए हैं, जिसमें फ्रांसिस फोर्ड कोपोला, शोहे इमामुरा, बिले अगस्त, अमीर कुस्तुरिका, केन लोच और डारडेन ब्रदर्स शामिल हैं।

- **कान्स फिल्म महोत्सव का हुआ समापन, कई फिल्मों को मिला पुरस्कार।**
- **पार्क चान-वूक सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्देशक के रूप में सम्मानित।**
- **फिल्म 'ट्राएंगल ऑफ सैडनेस' 'पाल्म डी ओर' से पुरस्कृत।**

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार फिल्म 'डिसीजन टू लीव' के लिए कोरियाई निर्देशक पार्क चान-वूक को मिला। प्रतियोगिता में दूसरी सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार 1980 के दशक के मध्य की पृष्ठभूमि पर बनी 75 वर्षीय फ्रांसीसी निर्देशक क्लेयर डेनिस की फिल्म 'स्टार्स एट नून' और बेल्जियम के युवा फिल्म निर्माता लुकास ढोंट की दो किशोरों की दोस्ती पर आधारित फिल्म 'क्लोज' को संयुक्त रूप से दिया गया। जूरी पुरस्कार संयुक्त रूप से बेल्जियम की निर्माता जोड़ी शार्लोट वेंडरमेर्श और फेलिक्स वैन ग्रोएनिंगन की 'ले ओटो मोंटेग्ने' और 80 वर्षीय पोलैंड के निर्देशक जेरजी स्कोलिमोव्स्की की 'ईओ' को मिला।

FESTIVAL DE CANNES

'टोरी एंड लोकिता' को विशेष पुरस्कार मिला

डारडेन ब्रदर्स, जीन-पियरे और ल्यूक की फिल्म 'टोरी एंड लोकिता' को विशेष पुरस्कार दिया गया। जापानी निर्देशक ची हयाकांवा ने अपनी पहली फिल्म 'प्लान-75' के लिए 'ए कैमरा डी ओर-स्पेशल मेंशन' पुरस्कार जीता। कोरियाई अभिनेता सोंग कांग-हो को फिल्म 'ब्रोकर' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया। ईरानी-डेनिश फिल्म निर्माता अली अब्बासी द्वारा निर्देशित फिल्म 'होली स्पाइडर' की ईरानी अभिनेत्री जार अमीर इब्राहमी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुनी गईं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।